राष्ट्रीय संस्करण

यशस्वी का एक और शतक, भारत मजबूत

>> 12

वर्ष 9 अंक 53

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 3 अगस्त, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा भारत

टैरिफ वार के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को भारत का करारा जवाब

नई दिल्ली, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जुर्माने की धमकियों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा। भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि ये दीर्घकालिक तेल अनुबंध हैं। रातों-रात खरीदारी बंद करना इतना आसान नहीं है। ट्रंप ने पिछले महीने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में संकेत दिया था कि रूसी हथियार और तेल खरीदने के लिए भारत को अतिरिक्त पेनल्टी का सामना करना पड़ेगा। लेकिन, अमेरिका के साथ जारी टैरिफ वार के बीच रूस से तेल खरीद जारी रखने को भारत सरकार का करारा जवाब माना जा रहा है। भारत रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

भारत ने आधिकारिक रूप से इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया कि रूस से तेल आयात पर कोई रोक नहीं है। भारत की ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की ताकतों पर आधारित है। हमारे पास भारतीय तेल कंपनियों द्वारा रूसी आयात रोकने की कोई रिपोर्ट नहीं है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि भारतीय रिफाइनरियों (इंडियन आयल कार्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन और मैंगलोर रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल लिमिटेड) ने पिछले सप्ताह रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया। लेकिन, आइएएनएस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि चारों रिफाइनरियां नियमित रूप से मांग के आधार पर रूसी तेल खरीदती हैं और वैकल्पिक रूप से पश्चिम एशिया और अफ्रीकी बाजारों का रुख कर रही हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वैश्विक बाजार की पेशकशों के आधार पर तेल खरीदता है।

न्यूयार्क टाइम्स ने शनिवार को दो वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के हवाले से कहा कि भारत सरकार की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

एक अधिकारी ने कहा कि सरकार ने रूस से आयात कम करने के लिए तेल कंपनियों को कोई निर्देश नहीं दिया है। समाचार एजेंसी रायटर ने इसी सप्ताह बताया था कि जुलाई में छूट कम होने के बाद भारत की सरकारी तेल रिफाइनरियों ने रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है।

प्रेट्र के अनुसार, भारत की प्रतिक्रिया से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने शिगूफा छोड़ा था कि उन्होंने सुना है भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने इसे एक अच्छा कदम बताया, लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे पता चला है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। मैंने यही सुना है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन यह एक अच्छा कदम है। देखते हैं क्या होता है।

स्थिति स्पष्ट

- भारतीय तेल रिफाइनरियों ने नहीं रोका है रूस से तेल आयात, मांग के आधार पर हो रही है खरीद
- भारत की प्रतिक्रिया से पहले ट्रंप ने छोड़ा था शिगूफा-सुना है भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

रूस के साथ भारत की है स्थिर साझेदारी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित ब्रीफिंग के दौरान संवाददाताओं से कहा था कि ऊर्जा जरूरतों के संदर्भ में हम बाजार में उपलब्ध विकल्पों और मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों पर नजर रखते हैं। रूस के साथ भारत की स्थिर साझेदारी है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। विभिन्न देशों के साथ नई दिल्ली के संबंध अपनी-अपनी योग्यता के आधार पर हैं। इन्हें किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए।

भारत रूस से तेल नहीं खरीदे तो वैश्विक स्तर कीमतें हो सकती हैं 200 डालर प्रति बैरल

नई दिल्ली, एएनआइ : भारत अगर रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 200 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जिससे दुनियाभर के उपभोक्ताओं को भारी नुकसान होगा। अधिकारियों का कहना है कि रूसी तेल पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। न तो अमेरिका और न ही यूरोपीय संघ ने अब तक कोई प्रतिबंध लगाया है। वैश्विक बाजारों से रूसी तेल के बाहर होने की पिछली आशंकाओं के चलते क्रूड की कीमतें मार्च 2022 में 137 डालर प्रति बैरल के उच्च स्तर तक पहुंच गई थीं। भारत अपनी जरूरतों के लिए 85% आयात पर निर्भर है।

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी का जवाब, देशवासी आज से ही अपनाएं स्वदेशी

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- काशी में पीएम बोले- वैश्विक अस्थिरता के माहौल में आर्थिक हितों के प्रति हमें सजग रहना होगा
- प्रधानमंत्री ने महादेव के चरणों में समर्पित की आपरेशन सिंदूर की सफलता
- विपक्ष पर साधा निशाना- बहनों के सिंदूर के बदले को तमाशा कहना निर्लज्जता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए। एएनआइ

अमेरिका के साथ टैरिफ वार को लेकर चल रहे तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। कहा- देशवासी संकल्प लें कि वे आज से उन वस्तुओं को ही खरीदेंगे, जिसे बनाने में भारत का पसीना बहा है। वोकल फार लोकल का मंत्र अपनाना होगा। उन्होंने ट्रंप और अमेरिका का जिक्र किए बिना कहा- 'इस समय वैश्विक अस्थिरता का माहौल है। सभी देश अपने-अपने हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है, इसलिए अपने आर्थिक हितों के प्रति हमें सजग रहना होगा। हम मेक इन इंडिया को बढ़ावा देंगे।'

सेवापुरी के बनौली गांव में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा, 'आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं। मैंने बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का जो वचन दिया था, पूरा हुआ है। आपरेशन सिंदूर की सफलता को महादेव के चरणों में समर्पित करता हूं। काशी विश्वनाथ और मार्कंडेय महादेव के दर्शन की इच्छा थी, लेकिन मेरे वहां जाने से भक्तों को दिक्कत होती, इसके लिए यहीं से प्रणाम कर रहा हूं।'

मोदी ने आपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में बयान के लिए कांग्रेस और सपा को भी निशाने पर रखा। कहा कि दुर्भाग्य से आपरेशन सिंदूर की सफलता से देश के ही कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। कांग्रेस ने जवानों के पराक्रम का लगातार अपमान किया और आपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर कभी तमाशा हो सकता है? हमारी सेना के पराक्रम, बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों से बदला लेने को तमाशा कहने की निर्लज्जता और वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण की राजनीति में सपा भी पीछे नहीं है। सपा नेता संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकी को क्यों मारा? बोले- नया भारत भोलेनाथ को पूजता है तो समय आने पर दुश्मनों के सामने कालभैरव भी बनता है। जब आतंक और अन्याय होता है तब महादेव रूद्र रूप धारण करते हैं। आज भारत पर जो वार करेगा, वह पाताल में भी नहीं बचेगा। आपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों खासकर ब्रह्मोस मिसाइलों ने ताकत साबित की। इसका निर्माण अब लखनऊ में किया जाएगा।

पीएम की अपील, जनधन खातों की केवाईसी की आवश्यकता करें पूरी पेज>>3

रविवार विशेष

स्वच्छता का संस्कार सफलता का मुकाम

● पेज-7

संपादकीय

एक चिढ़ा हुआ शासनाध्यक्ष : भारत स्वतंत्र विदेश नीति पर चल रहा है और उसे यह तय करने का अधिकार है कि किसी देश से किन वस्तुओं को खरीदे और किन्हें नहीं। **संजय गुप्त** का आलेख।

संपत्ति, आपत्ति और विपत्ति का त्रिकोण : महाभारत काल से जारी सभी लड़ाइयां संपत्ति पर आपत्ति का ही प्रमाण हैं, जिन्हें विपत्ति बनने में देर नहीं लगती। **सूर्यकुमार पांडेय** का व्यंग्य। ● पेज-8

विमर्श

लोकप्रिय फिल्मों-कलाकारों को सम्मान : वर्ष 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। शाह रुख खान को फिल्म 'जवान' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा चौंकाने वाला लग रहा है। **अनंत विजय** का आलेख। ● पेज-9

दुष्कर्म मामले में प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद की सजा

बेंगलुरु : विशेष अदालत ने शनिवार को पूर्व सांसद और निलंबित जदएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में शेष जीवन के लिए कैद की सजा सुनाई। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पौत्र पर कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि इसमें से 11.25 लाख पीड़ित महिला को दिया जाए। (पेज-6)

गुलाम जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों ने लश्कर के आतंकियों को पीटकर भगाया

नवीन नवाज ● जागरण

- आपरेशन महादेव में मारे गए तीन आतंकियों में से एक के गायबाना नमाज-ए-जनाजा में आए थे आतंकी
- लोग बोले- स्थानीय युवाओं को जिहाद के नाम पर गुमराह नहीं होने देंगे, पुलिस से की शिकायत

श्रीनगर : गुलाम जम्मू-कश्मीर में अब आतंकवाद और स्थानीय युवाओं को जिहाद की आग में धकेलने वालों के खिलाफ खुली बगावत होने लगी है। यही कारण है कि जब श्रीनगर के दाचीगाम में आपरेशन महादेव में मारे गए तीन आतंकियों में से एक की गुलाम जम्मू-कश्मीर में हुई गायबाना नमाज-ए-जनाजा में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने उन्हें पीटकर भगा दिया। लोगों ने साफ कहा कि हम आतंकियों द्वारा स्थानीय युवाओं को उनके जिहादी एजेंडे के लिए गुमराह करने की अनुमति नहीं देंगे। आतंकियों के खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में शिकायत भी दर्ज कराई गई है। इस घटना से एक बार फिर साफ हो गया कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को लश्कर ने ही तैयार किया था।

श्रीनगर के साथ सटे दाचीगाम में 28 जुलाई को सुरक्षाबल ने आपरेशन महादेव चलाकर तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया था। ये तीनों 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की हत्या और बीते वर्ष सोनमर्ग के गगनगीर में सात लोगों की हत्या के लिए भी जिम्मेदार थे। आपरेशन में पहलगाम हमले का मुख्य गुनहगार अपने दो अन्य साथियों संग मारा गया था। उसके दो अन्य साथियों में एक गुलाम जम्मू-कश्मीर का रहने वाला था। वह रावलाकोट के साथ सटे कोइयां खेई गाला क्षेत्र का निवासी था। बताया जाता है उसे लश्कर के मजहबी गतिविधियों पर केंद्रित संगठन जमातुल दावा के रिक्रूटर अनीस रिजवान ने जिहादी गतिविधियों के लिए तैयार किया था। अनीस रिजवान के बारे में कहा जाता है कि वह भी कश्मीर में सक्रिय रह चुका है।

बच्चों को जिहाद के नाम पर मरने नहीं भेजेंगे

बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस स्टेशन और एसडीएम हाडी गेल के समक्ष लिखित में अनीस रिजवान और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि जब क्षेत्र में हथियारबंद लोगों के किसी जगह जमा होने पर पाबंदी है तो ये लोग कैसे घूम रहे हैं। कोईयां और उसके आसपास के गांवों के लोगों ने एक जिरगा (बैठक) भी बुलाने का एलान किया है। उसमें जिहादी संगठन के लोगों की आवाजाही और स्थानीय युवाओं की कश्मीर के नाम पर जिहादी संगठनों में भर्ती पर पूरी तरह पाबंदी लगाए जाने पर चर्चा होगी। लोगों ने कहा कि हमारे बच्चे जिहाद के नाम पर सूली चढ़ाने के लिए नहीं हैं।

लोगों ने कराया था एलान-कोई जिहादी कमांडर न आए : आतंकी की मौत की खबर मिलने के बाद से उसके गांव के लोगों में लश्कर कमांडरों के प्रति रोष था। उसकी मौत पर गत शुक्रवार को कोईयां में स्थानीय ग्रामीणों ने गायबाना नमाज-ए-जनाजा का आयोजन किया था। बता दें कि मृतक का शव न होने पर पढ़े जाने वाली नमाज को गायबाना नमाज-ए-जनाजा कहा जाता है। उसके परिजनों ने की मस्जिद से एलान कराया था कि नमाज-ए-जनाजा में कोई भी जिहादी कमांडर या उनका कोई साथी शामिल नहीं होना चाहिए। बावजूद इसके लश्कर कमांडर अनीस रिजवान अपने साथियों संग पहुंच गया था।

तेजस्वी ने उठाया मतदाता सूची में नाम नहीं होने का मामला तो चुनाव आयोग बोला, बदला है इपिक नंबर

जागरण टीम, पटना

- राजद नेता बोले- 65 लाख लोगों का नाम काटना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का षड्यंत्र

पटना में शनिवार को प्रेस को संबोधित करते तेजस्वी यादव। जागरण

पुनरीक्षित मतदाता सूची को लेकर शनिवार को बिहार के राजनीतिक महकमे में गरमागरमी रही। एक तरफ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग की वेबसाइट के काम न करने पर प्रश्न उठाया और कहा कि मेरा नाम मतदाता सूची में नाट फाउंड बता रहा। दूसरी तरफ चुनाव आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के प्रकाशित प्रारूप में बहुत से मतदाताओं के क्रम व बूथ संख्या में बदलाव हुआ है। यहां तक कि परिवार के सदस्यों तक का बूथ बदल गया है। ऐसे मतदाताओं में एक तेजस्वी यादव भी हैं।

अपने सरकारी आवास पर प्रेस-वार्ता में राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपना इपिक नंबर आयोग के मोबाइल अप्लीकेशंस पर डाला तो रिकार्ड नाट फाउंड लिखा। इस पर उन्होंने कहा कि आयोग की वेबसाइट काम नहीं कर रही। जब मेरा नाम मतदाता सूची में नहीं है तो मैं कैसे चुनाव लड़ूंगा। जब मेरा नाम कट सकता है तो बिहार के लाखों गरीबों का नाम क्यों नहीं कटेगा। इसी बीच पटना जिला प्रशासन और चुनाव आयोग ने तेजस्वी का नाम मतदाता सूची में नाम होने का ब्योरा जारी किया। इस पर तेजस्वी ने कहा कि मेरा इपिक नंबर क्यों बदला गया। आयोग बार-बार अपनी ही गाइडलाइन और नियम तोड़ रहा है। निर्वाचन आयोग को गोदी आयोग की संज्ञा देते हुए कहा कि एसआइआर के बहाने 65 लाख लोगों का नाम काटना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का षड्यंत्र है। पार्टियों को यह नहीं बताया गया कि किन कारणों से नाम काटे गए। हर विधानसभा क्षेत्र में 20 से 30 हजार मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जो लगभग 8.50% के करीब बनता है।

डीएम ने कहा, तेजस्वी का नाम प्रारूप मतदाता सूची में है दर्ज पेज>>4

सप्ताह का साक्षात्कार

'जल्द ही हमारे पास हर आपदा से जुड़ा 20 साल का डाटा बैंक होगा'

राजस्थान के झालावाड़ जिले में जर्जर स्कूल भवन के गिरने से सात विद्यार्थियों की मौत के बाद शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के सभी स्कूलों का आडिट करवाने के निर्देश दिए हैं। यह घटना इशारा करती है कि मानवीय चूक से होने वाली आपदाओं से निपटने की तैयारी में अभी कमी है। एनडीएमए के प्रमुख और भारतीय तटरक्षक बल के पूर्व महानिदेशक राजेंद्र सिंह के मुताबिक, इस दिशा में एनडीएमए एक डिजिटल डैशबोर्ड विकसित कर रहा है। इससे आपदा की श्रेणी में आने वाली आपदाओं से जुड़ा 20 साल का एक बड़ा डाटा बैंक होगा। अगले छह महीने में यह योजना 'रोल आउट' हो जाएगी। दैनिक जागरण की समाचार संपादक रूमनी घोष ने आपदा प्रबंधन से जुड़े हर पहलुओं पर उनसे विस्तार से चर्चा की। ● पेज-13

2024 में भी हुई धांधली, मर चुकी है चुनाव प्रणाली : राहुल

नई दिल्ली : चुनाव आयोग को लगातार घेर रहे राहुल गांधी ने अब पहली बार 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी धांधली के सनसीखेज दावे किए हैं। चुनाव आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश में चुनाव प्रणाली पहले ही मर चुकी है। (पेज-4)

इस्लाम स्वीकार नहीं करने पर घर में घुसकर महिला का गला रेता

बुरहानपुर : मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के नावरा गांव में मुस्लिम युवक ने इस्लाम स्वीकार कर निकाह नहीं करने पर अनुसूचित जाति की तलाकशुदा महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपित शेख रईस चाकू लहराते महिला के घर में घुसा और उसका गला रेतकर फरार हो गया। पुलिस ने घटना के कुछ ही देर बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया। (पेज-6)

छग में मतांतरित एसटी भी होंगे सुविधाओं से वंचित

संदीप तिवारी ● नईदुनिया

- राज्य सरकार शीत सत्र में लाएगी सख्त मतांतरण विरोधी कानून
- अवैध मतांतरण की गंभीर समस्या को लेकर उठाया जा रहा कदम
- प्रदेश में दो वर्षों के दौरान 101 मतांतरण के मामले आए सामने

अरुण साव। फाइल

रायपुर : छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति (एससी) के मतांतरित व्यक्तियों की तरह अनुसूचित जनजाति (एसटी) के मतांतरित लोग भी सरकारी सुविधाओं से वंचित होंगे। इसके लिए राज्य सरकार आगामी शीत सत्र में कठोर कानून लाने की योजना बना रही है। इसमें उन मतांतरित व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं के लाभ से बाहर करने के प्रविधान विशेष रूप से जोड़े जा रहे हैं, जो दोहरा लाभ ले रहे हैं। राज्य में अवैध मतांतरण की गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए सरकार यह कदम उठाने जा रही है। उपमुख्यमंत्री और विधि विधायी कार्य मंत्री अरुण साव ने कहा कि हम मौजूदा कानून को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

वर्तमान कानून के अनुसार, मतांतरित एससी वर्ग के लोगों को आरक्षण और अन्य लाभों से वंचित कर दिया जाता है, लेकिन एसटी वर्ग के लिए ऐसा कोई प्रविधान नहीं है। मतांतरित आदिवासी न केवल एसटी वर्ग का लाभ उठाते हैं, बल्कि ईसाई के रूप में अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ लेते हैं। सरकार इस विसंगति को दूर करने के लिए विधि विशेषज्ञों से भी सलाह ले रही है। हालांकि, इस मामले में केंद्रीय स्तर पर बदलाव की जरूरत होगी। राज्य संशोधनों के साथ केंद्र को प्रस्ताव भेजेगा, ताकि मतांतरित आदिवासियों को एसटी वर्ग की सुविधाओं से रोका जा सके। प्रदेश में दो वर्षों में 101 मतांतरण के मामले सामने आए हैं, जिनमें से 44 मामलों में एफआइआर दर्ज की गई है।

रमन सरकार के कार्यकाल में आया था मतांतरण विरोधी विधेयक

भाजपा की डा. रमन सिंह सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2006 में भी महिलाओं, नाबालिगों, दलितों और आदिवासियों के जबरन मतांतरण पर दो वर्ष की सजा और 10,000 रुपये जुर्माने का प्रविधान था, लेकिन विधेयक प्रभाव में नहीं आ पाया। सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक अरविंद नेताम ने कहा कि मतांतरण से आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली प्रभावित होती है, इसलिए सरकार को ऐसे लोगों के सभी लाभ समाप्त कर देने चाहिए।

मालेगांव धमाका मामला

अदालत के फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने सुनाई दर्दनाक दास्तां, विशेष अदालत ने प्रज्ञा सहित सभी सात आरोपितों को कर दिया है बरी

मोदी और भागवत को फंसाने के लिए मुझे दी गईं यातनाएं : प्रज्ञा

मुंबई, प्रेट्र : मालेगांव विस्फोट मामले में बरी की गईं पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने शनिवार को आरोप लगाया कि जांच अधिकारियों ने उन्हें प्रताड़ित किया और उनसे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत सहित कई लोगों के नाम लेने को कहा। यह पहली बार है, जब साध्वी प्रज्ञा ने यह सनसनीखेज दावा किया है। विशेष एनआइए अदालत ने इस मामले में साध्वी प्रज्ञा सहित सभी सात आरोपितों को बरी कर दिया है। हालांकि, विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी ने अपने फैसले में प्रज्ञा ठाकुर को प्रताड़ित करने और दुर्व्यवहार के दावों को खारिज कर दिया था।

पूर्व भाजपा सांसद शनिवार को अपनी जमानत की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए यहां सत्र न्यायालय में पेश हुईं। बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि पूछताछ के दौरान उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा- अधिकारियों ने मुझे मोदीजी का नाम लेने के लिए कहा था, क्योंकि उस समय मैं सूरत में रह रही थी। भागवत (आरएसएस प्रमुख) जैसे कई नाम हैं। लेकिन, मैंने किसी का नाम नहीं लिया, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलना चाहती थी।

साध्वी प्रज्ञा ने कहा, उनका उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था। उन्होंने कहा कि अगर मैंने नाम नहीं लिए तो वे मुझे प्रताड़ित करेंगे। इन नामों में योगी आदित्यनाथ, सुदर्शनजी, इंद्रेशजी, राम माधव और कई अन्य नाम शामिल हैं, जिन्हें मैं अभी याद नहीं कर पा रही हूं। मुझे अस्पताल में भी अवैध रूप से हिरासत में रखा गया, जहां मैं बेहोश हो गई और मेरे फेफड़े खराब हो गए।

उन्होंने कहा, मैं अपनी कहानी लिख रही हूं, जिसमें मैं यह सब बताऊंगी। सच्चाई सामने आएगी। यह धर्म की जीत है, सनातन की जीत है और हिंदुत्व की जीत है। यह एक सनातनी राष्ट्र है और इसकी हमेशा जीत होती है। उन्होंने मुझे प्रताड़ित करने और देश के सभी भक्तों को इसमें शामिल करने की बहुत कोशिश की... हम कोशिश करेंगे कि उन्हें सजा मिले।

उन्होंने महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) के तत्कालीन सहायक पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को एक दुष्ट व्यक्ति बताया। कहा कि परमबीर सिंह, हेमंत करकरे और सुखविंदर सिंह ने मुझे प्रताड़ित किया और मुझसे झूठ बोलने को कहा। लेकिन, मैंने इन्कार कर दिया।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर। फाइल

एक गवाह का दावा-योगी आदित्यनाथ को भी फंसाने की थी साजिश

मालेगांव विस्फोट मामले में एक गवाह ने विशेष अदालत में आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र एटीएस के अधिकारियों ने उसे प्रताड़ित किया और मामले में योगी आदित्यनाथ का नाम लेने के लिए मजबूर किया। विशेष अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एटीएस ने अक्टूबर 2008 में अभियोजन पक्ष के गवाह मिलिंद जोशीराव से अभिनव भारत संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में पूछताछ की थी। उनसे रायगढ़ किले में हुई एक बैठक के बारे में पूछा गया, जहां आरोपितों ने कथित तौर पर एक अलग हिंदू राष्ट्र बनाने की शपथ ली थी। जोशीराव ने अदालत में अपनी गवाही के दौरान दावा किया कि एटीएस ने उनके साथ एक आरोपित की तरह व्यवहार किया। एटीएस अधिकारी उनसे अपने बयान में योगी आदित्यनाथ, असीमानंद, इंद्रेश कुमार, देवधर, प्रज्ञा और काकाजी का नाम लेने के लिए कह रहे थे।

****

'रात की पार्टियों में न जाएं, हो सकता है सामूहिक दुष्कर्म'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● अहमदाबाद

- अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस के सुरक्षा अभियान के पोस्टर में दी गई सलाह
- घर में रहें दुष्कर्म से बचें, आपत्ति के बाद पल्ला झाड़ा, पोस्टर हटाए

अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस के सुरक्षा अभियान के पोस्टरों ने विवाद खड़ा कर दिया है। इनमें से कुछ पोस्टरों में अजीब सलाह देते हुए महिलाओं से घर पर रहने का आग्रह किया गया है ताकि वे दुष्कर्म से बच सकें। पोस्टरों में चेतावनी भरे संदेश लिखे हैं। युवतियों को सलाह दी गई है कि रात की पार्टी में न जाएं, वहां सामूहिक दुष्कर्म हो सकता है। अंधेरे व सुनसान जगह पर युवक महिला मित्र को लेकर नहीं जाएं, वहां भी दुष्कर्म या सामूहिक दुष्कर्म हो सकता है। विरोध के बाद पोस्टर हटा दिए गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

यातायात पुलिस ने इन पोस्टरों को लगाने की जिम्मेदारी एक संस्था पर डाल कर पल्ला झाड़ लिया लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा के नाम पर बोर्ड लगा कर इतिश्री मान लेने वाली पुलिस की मानसिकता पर सवाल उठाए हैं।

अहमदाबाद के सबसे पाश व मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के विधानसभा क्षेत्र घाटलोडिया, सोला, साइंस सिटी, जजेज बंगलो, डमरु सर्कल आदि स्थलों पर महिलाओं व युवतियों की सुरक्षा के नाम पर जो चेतावनी भरे बोर्ड लगाए गए, उन्हें देखकर लोग शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं। युवक व युवती को गुजराती नाटक के चर्चित पात्र रंगला और रंगली कहकर संबोधित किया गया है।

पुलिस ने कहा, बगैर अनुमति एनजीओ ने तैयार किए पोस्टर पेज>>7

530 पीएचडी डिग्रियां आइआइटी दिल्ली के 56वें दीक्षा समारोह के दौरान प्रदान की गईं जो संस्थान के इतिहास में सबसे अधिक हैं।

आज का मौसम

सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने एवं हल्की से मध्यम वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
3 अगस्त	32.0	25.0
4 अगस्त	33.0	24.0
नोएडा		
3 अगस्त	32.0	25.0
4 अगस्त	31.0	25.0
गुरुग्राम		
3 अगस्त	32.0	25.0
4 अगस्त	33.0	24.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

लिव-इन में रहने वाली महिला ने की कारोबारी की हत्या

गुरुग्राम: लिव-इन में रहने वाली महिला ने शुक्रवार रात को अपने साथी स्क्रैप कारोबारी के सीने में चाकू मारकर हत्या कर दी। कारोबारी हरीश शर्मा बालियावास के रहने वाले थे और डेढ़ साल से महिला के साथ लिव-इन में रह रह थे। इस दौरान वह अपने घर भी आते-जाते रहते थे। इसको लेकर दोनों में विवाद था। शुक्रवार रात विवाद बढ़ने पर महिला ने चाकू से उस पर वार कर दिया। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को महिला को गिरफ्तार कर लिया। (जासं)

महिला से अवैध संबंधों के लिए पति की हत्या कर दफनाया

गुरुग्राम: उद्योग विहार थाना क्षेत्र में शादीशुदा महिला से अवैध संबंधों के लिए पास में ही रहने वाले एक युवक ने साथियों के साथ मिलकर उसके पति का अपहरण कर गला घोंटकर हत्या कर दी। शव को घर से 15 किलोमीटर दूर मोहम्मदपुर झाड़सा गांव में एवीएल सोसायटी के पीछे दफना दिया। महिला ने पहले गुमशुदगी और फिर शक होने पर पुलिस को युवक के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपित को पकड़कर पूछताछ की तो हत्या का सच सामने आया। (जासं)

रिश्वत लेने के मामले में इंस्पेक्टर निलंबित

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर के नाम पर 30 लाख रुपये की रिश्वत मामले में सोनीपत से निजी स्कूल के क्लर्क की गिरफ्तारी के बाद उत्तर-पश्चिमी जिला डीआइयू सेल में तैनात इंस्पेक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है। उत्तरी-पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि रिश्वत मामले में गिरफ्तार होने के बाद इंस्पेक्टर सुनील जैन को निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। (जासं)

आयुष के आयुष्मान आरोग्य मंदिर होंगे शुरू

स्वदेश कुमार ● जागरण

नई दिल्ली : राष्ट्रीय आयुष मिशन साल 2014 में शुरू हुआ था। इसके तहत देशभर में आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर चल रहे हैं लेकिन राष्ट्रीय राजधानी पिछले नौ सालों से मिशन के तहत मिलने वाले फंड से वंचित है। यहां एक भी आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू नहीं हो पाया है। इसका कारण है कि पिछली सरकार ने इस ओर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन अब दिल्ली में सरकार बदल चुकी है। मौजूदा सरकार ने आयुष के आरोग्य मंदिर की शुरुआत के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। सरकार की तरफ से आयुष मंत्रालय को प्रस्ताव दिया जा चुका है, जिस पर मंत्रालय का सकारात्मक रुख है।

आयुष मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्रीय आयुष मंत्रालय की तरफ से आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न कार्यों के लिए पिछले 11 सालों में 5,670.82 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा जारी किया गया है। शुरुआत में दिल्ली सरकार ने रुचि दिखाई थी। दिल्ली को 2014 से 2016 के बीच आयुष डिस्पेंसरियों व अस्पतालों में दवाओं, सुविधाओं को बढ़ाने और अन्य कार्यों के लिए 8.59 करोड़ रुपये का फंड भी जारी हुआ था, जिसमें से 7.25 करोड़ रुपये खर्च हुए। बाकी वापस आ गए। 2016 के बाद से यानी करीब नौ सालों तक राज्य सरकार ने आयुष मिशन के तहत फंड की मांग ही नहीं की। आयुष मिशन के तहत मार्च 2020 में देशभर में आयुष आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनने की शुरुआत हुई। लक्ष्य 12,500 आरोग्य मंदिर बनाने का था जिसे पूरा किया जा चुका है लेकिन दिल्ली के हिस्से में एक भी आरोग्य मंदिर नहीं आया। राजस्थान में सबसे अधिक 2,019 आरोग्य मंदिर चल रहे हैं। इसके बाद 1,034 की संख्या के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। अन्य राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इनका संचालन हो रहा है पर दिल्ली और लद्दाख ऐसे केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां इनकी शुरुआत नहीं हो पाई है। इस कारण इसके लिए विभाग तक का गठन नहीं हुआ। अब रेखा गुप्ता सरकार ने विभाग गठन की भी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

क्यों है खास : इनमें आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी पद्धति से मरीजों का उपचार किया जाता है। इसमें चिकित्सक के साथ योग प्रशिक्षक और आशा वर्कर होते हैं। कई राज्यों में ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं।

▸ देशभर में 12,500 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राजधानी में अभी एक भी नहीं

आयुष मंत्रालय का कार्यालय। जागरण

दिल्ली सरकार के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) को लेकर चर्चा शुरू हुई है। इस पर नीति आयोग से भी बातचीत हो चुकी है। अभी हम लोग अपने लक्ष्य तक पहुंच चुके हैं। इसे बढ़ाया जा सकता है। लेकिन यह स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार जितने आयुष आरोग्य मंदिर (आयुष) चाहेगी, उसे उतने उपलब्ध कराए जाएंगे।
– डा. कविता जैन, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय

30 वर्ष से लंबित मुकदमे का निपटारा तीन माह में करने का निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : न्याय मिलने में हुई 30 वर्ष की देरी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी जताते हुए निचली अदालत को सख्त निर्देश दिए हैं कि वह एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के किराया विवाद से जुड़े दीवानी मामले का निपटारा तीन माह के भीतर करे। अदालत ने कहा कि यह देरी पूरी तरह अस्वीकार्य है।

न्यायमूर्ति मनोज जैन की एकल पीठ ने कहा कि वर्ष 1995 में दाखिल हुआ यह मुकदमा अब तक लंबित है और याचिकाकर्ता की उम्र को देखते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई की तारीख 27 सितंबर के बाद मामले का निर्णय हर हाल में तीन माह के अंदर दे दिया जाए। यह मामला तब शुरू हुआ जब महिला ने वर्ष 1995 में, 50 वर्ष की उम्र में किरायेदार से संपत्ति खाली कराने और क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर निचली अदालत में दीवानी मुकदमा दायर किया था लेकिन मामला लगातार तारीखों में ही उलझता गया और अब तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

तीसरी बार टूटा रिकार्ड, आइआइटी में 2,764 छात्रों को मिलीं डिग्रियां

आइआइटी दिल्ली में दीक्षा समारोह में डिग्री लेने के बाद खुशी से कैप उछालते छात्र। विपिन शर्मा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली ने लगातार तीसरे साल अपना ही रिकार्ड तोड़ते हुए इस बार 2,764 विद्यार्थियों को डिग्रियां और डिप्लोमा प्रदान किए। इनमें 530 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं जो संस्थान के इतिहास में सबसे अधिक हैं। महिला स्नातकों का प्रतिशत भी बढ़कर 27 प्रतिशत (735 छात्राएं) पहुंच गया है। शनिवार को आइआइटी दिल्ली के 56वें दीक्षा समारोह में सबसे कम उम्र के 20 वर्षीय चंदन गोडारा (बीटेक, सिविल इंजीनियरिंग) और सबसे अधिक उम्र के 63 वर्षीय गोपाल कृष्ण तनेजा (पीएचडी) को भी डिग्री दी गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित मिसाइल वूमन आफ इंडिया डा. टेसी थामस ने कहा कि दुनिया डेटा, एल्गोरिद्म और आटोमेशन से संचालित हो रही है, ऐसे समय में मानव मूल्यों का महत्व बढ़ जाएगा। डीआरडीओ की पूर्व महानिदेशक डा. टेसी ने कहा कि भारत अब आयातक से नवाचार निर्यातक देश बन रहा है और आइआइटी दिल्ली में इसकी भूमिका अहम है। उन्होंने एआइ, सतत ऊर्जा और नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया। अध्यक्षता बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष हरीश साल्वे ने की।

आइआइटी दिल्ली निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने छात्रों से कहा कि कैंपस से बाहर निकलते समय विनम्रता, सीखने की इच्छा और ईमानदारी को साथ लेकर जाएं। लोगों को समझने और उनसे सहानुभूति रखने की आदत डालें। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित पूर्व छात्र (डिस्टिंग्विश्ड एल्युमिनाई अवार्ड- डीएए) 2025 भी दिए गए और डीएए वाल का उद्घाटन किया गया, जो संस्थान के विशिष्ट पूर्व छात्रों को सम्मानित करने के लिए बनाया गया है।

530 को पीएचडी डिग्रियां, 735 छात्राओं को मिली स्नातक की डिग्री

20 वर्ष के चंदन से लेकर 63 वर्षीय गोपाल कृष्ण को दी गई डिग्री

तीन साल में बढ़त का ग्राफ

- **2023 (54वां दीक्षा):** 2,357 स्नातक, 25 प्रतिशत महिलाएं, 15 अंतरराष्ट्रीय छात्र
- **2024 (55वां दीक्षा):** 2,656 स्नातक, 25 प्रतिशत महिलाएं, 481 पीएचडी
- **2025 (56वां दीक्षा):** 2,764 स्नातक, 27 प्रतिशत महिलाएं, 43 अंतरराष्ट्रीय छात्र, 530 पीएचडी (नया रिकार्ड)

पुरस्कार विजेता

- **राष्ट्रपति स्वर्ण पदक:** अंकित मंडल (बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)
- **निदेशक स्वर्ण पदक:** जसकरण सिंह सोधी (बीटेक, मटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग)
- **डा. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक:** देवेंद्र कुमार (एमटेक, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग)
- **परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल:** श्रेयांश गुप्ता (एमटेक, थर्मल इंजीनियरिंग) और सौमिली चक्रवर्ती (एमटेक, पालिमर साइंस एंड टेक्नोलाजी)

हर लाइसेंस के लिए बनेगा एकीकृत पोर्टल

सुविधा ▸ एमसीडी, एनडीएमसी, उद्योग व श्रम जैसी एजेंसियों के सभी डाटाबेस आपस में जुड़ेंगे

समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी डीएम को करेंगे रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। जनहित से जुड़े कामकाज को बेहतर करने के लिए इस बैठक में जो चर्चाएं हुई हैं उससे माना जा रहा है कि सरकार में आने वाले समय में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जिसमें अब दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के जिला से संबंधित अधिकारी संबंधित डीएम को रिपोर्ट करेंगे, सभी तरह के लाइसेंस के लिए एक एकीकृत पोर्टल बनाया जाएगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), उद्योग, जीएसटी, श्रम विभाग जैसी एजेंसियों के डाटाबेस आपस में जोड़े जाएंगे। माना जा रहा है कि ऐसा करने से दिल्ली सरकार की व्यवस्थाएं बेहतर की जा सकेंगी।

एलजी और सीएम की शुक्रवार को हुई बैठक में लोगों के जीवन से जुड़ी समस्याओं और ईज आफ डूइंग बिजिनेस को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों की प्रगति की समीक्षा की गई। इस बैठक में दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद, पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा और श्रम मंत्री कपिल मिश्रा के साथ दिल्ली के मुख्य सचिव, एनडीएमसी अध्यक्ष, एमसीडी आयुक्त सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य लाइसेंसिंग व्यवस्था को तर्कसंगत और आसान बनाने के अलावा प्रक्रिया के दोहराव को खत्म करना था। सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का एकीकृत डाटाबेस बनाने के साथ साथ लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को अधिक आसान बनाने के लिए एजेंसियों को एक साथ लाना भी इस बैठक के एजेंडा का हिस्सा था। बैठक में यह बात सामने आई कि अनेक भागों में बंटा डाटाबेस है, कई लाइसेंसिंग प्राधिकरण हैं, लाइसेंसों के लिए एकीकृत पोर्टल के न होने से आवेदकों का उत्पीड़न होता है और भ्रष्टाचार भी बढ़ता है।

बैठक में एलजी ने कई अप्रासंगिक प्रक्रियाओं को खत्म करने में दिल्ली सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की और इसे बरकरार रखने की अपेक्षा और आह्वान किया। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को शेष कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कई लाइसेंसिंग प्राधिकरणों के कारण लोगों को अक्सर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू किए जा रहे सुधार जल्द ही असरदार साबित होंगे और दिल्ली को निवेश के लिए एक गंतव्य के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने मुख्य सचिव को लोगों की सहूलियत के लिए, प्रत्येक जिले में सभी विभागों को मिलाकर एकीकृत कार्यालय परिसर बनाने की संभावना तलाशने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों और सरकार, दोनों के समय और संसाधनों की काफी हद तक बचत होगी।

उपराज्यपाल वी के सक्सेना के साथ बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व दिल्ली सरकार के मंत्री तथा अधिकारी। सौजन्य-राजनिवास

केंद्र के सुझावों के आधार पर बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

- अग्निशमन संबंधी मंजूरी के लिए थर्ड पार्टी आडिटर का पैनल
- भवन योजना की मंजूरी के लिए सभी संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (जैसे अग्निशमन, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति) प्राप्त करने के लिए एक समान आवेदन पत्र
- दो करोड़ रुपये तक के निवेश वाले उद्योगों के लिए स्व-प्रमाणन के त्रिपुरा माडल को अपनाना
- शासन में आसानी के लिए एमसीडी क्षेत्रों की सीमाओं को राजस्व जिलों के साथ समायोजित करना
- स्कूलों, अस्पतालों, नालियों, सड़कों आदि के लिए जिलाधिकारियों का निरीक्षण प्रारूप होगा, जिसे प्रशासनिक सुधार विभाग तैयार करेगा

सौतेली नाबालिग बेटी से यौन शोषण के दोषी पिता को 10 वर्ष की सजा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : तीस हजारी स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने सौतेली नाबालिग बेटी के साथ यौन शोषण करने वाले पिता को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश ने कहा कि जब एक पिता, जो अपनी बेटी का रक्षक होना चाहिए, वही उसका उत्पीड़न करता है तो यह न सिर्फ परिवार की नींव को हिलाता है बल्कि समाज के नैतिक ढांचे को भी तोड़ता है। अदालत ने आरोपित पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया और पीड़िता को मुआवजा देने की अनुशंसा की।

दरअसल, पीड़िता ने वर्ष 2021 में अपने स्कूल की शिक्षिका को अपने साथ हो रहे उत्पीड़न की जानकारी दी, जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने चाइल्ड हेल्पलाइन के जरिये पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि उसके पिता ने कई बार उसके साथ शारीरिक शोषण किया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ।

निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि नियंत्रित करने को विधेयक पेश करेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सरकार निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में विधेयक पेश करेगी। उन्होंने कहा कि चार अगस्त से आठ अगस्त तक आयोजित होने वाला आगामी विधानसभा सत्र दिल्ली के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखेगा क्योंकि इस बार विधानसभा पूरी तरह ई-विधानसभा (पेपरलेस) के रूप में कार्य करेगी। उन्होंने दिल्ली सचिवालय में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली विधानसभा के सभी कार्य पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होंगे जो नीति निर्माण की गति और गुणवत्ता दोनों को नई ऊंचाई देंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है जिससे दिल्ली विधानसभा अब पूरी तरह सौर ऊर्जा आधारित हो गई है।

बता दें कि गत 29 अप्रैल को जारी कैबिनेट अनुमोदित अध्यादेश के अनुसार विधेयक में मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले विद्यालयों पर कठोर दंड लगाने का प्रविधान है। पहली बार उल्लंघन पर विद्यालयों पर एक लाख से पांच लाख रुपये और उसके बाद दो लाख से 10 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अनुसार, यदि स्कूल निर्धारित समय में राशि वापस नहीं करता है तो 20 दिन बाद जुर्माना दोगुना, 40 दिन बाद तिगुना और हर 20 दिन की देरी के साथ बढ़ता रहेगा।

▸ नियमों के उल्लंघन पर विद्यालयों पर एक लाख से 10 लाख तक जुर्माना संभव

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। फाइल

'गुरु तेग बहादुर का बलिदान दिवस मनाने में एसजीपीसी करे सहयोग'

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के बीच विवाद दूर नहीं हुआ है। दोनों ही सिख संस्थाओं ने अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी को पत्र लिखकर दिल्ली में इसके आयोजन में सहयोग देने की अपील की है।

काहलों ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके साथ भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दियाला जी का बलिदान स्थल दिल्ली में है। उनका अंतिम संस्कार भी दिल्ली में ही हुआ था इसलिए बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित करने का दायित्व डीएसजीएमसी की है। दो अप्रैल को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में आयोजित बैठक में यही निर्णय हुआ था।

सात घंटे मोबाइल गेम में और चार घंटे यूट्यूब पर बिताने के बाद बच्चे ने दी जान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नांगलोई पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले 10 वर्षीय बच्चे का शव घर में लोहे की पाइप पर चुन्नी से लटकता मिला। पुलिस घटना को आत्महत्या बता रही है वहीं स्वजन ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि बच्चा मोबाइल पर गेम खेलने की लत का शिकार था। मौके से बरामद मोबाइल की जांच करने पर पता चला कि बच्चा 11 घंटे से मोबाइल देख रहा था। उसने सात घंटे गेम (फ्री फायर) खेला और चार घंटे यूट्यूब पर सक्रिय रहा।

सैयद नांगलोई में निगम विद्यालय में पढ़ने वाला बच्चा माता पिता के साथ अंबिका विहार कालोनी में रहता था। माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। बड़ा भाई आगरा में आवासीय विद्यालय में पढ़ता है। पिता ने बताया कि घटना वाले दिन यानी 31 जुलाई को तेज वर्षा के कारण बच्चा स्कूल नहीं गया था। मां और वह सुबह काम पर निकल गए। जब वे शाम को लौटे तो घर के बाहर लोगों की भीड़ दिखी। अंदर जाकर देखा तो उनका बेटा लोहे की पाइप पर चुन्नी से लटका था। पास ही उसका मोबाइल पड़ा था जिस पर गेम चल रहा था।

पूरे मामले को देखते हुए पिता ने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनके बेटे की किसी ने हत्या की है और फिर इसे आत्महत्या का रूप दे दिया। उनके मुताबिक करीब 10 फीट की ऊंचाई पर पाइप था। बच्चा वहां तक पहुंच ही नहीं सकता था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से सभी दुखी थे, लेकिन शनिवार को जब कमरे में रखे सामान की तलाशी ली तो तीन लाख रुपये की नकदी गायब थी। यह रकम साड़ी में छिपाकर बच्चे की मां ने रखी थी। ऐसा लगता है कि बच्चा शायद पानी पीने घर से बाहर निकला तो चोर आया और जब वह पैसे निकाल रहा था, तब बच्चे की नजर उस पर पड़ गई। इसके बाद चोर ने बच्चे की हत्या कर दी और इसे आत्महत्या का रूप दे दिया। पिता ने कहा कि उनके बच्चे को मोबाइल पर गेम खेलने की कोई लत नहीं थी। इस मोबाइल का इस्तेमाल केवल इनकमिंग काल के लिए किया जाता था। यह मोबाइल रिचार्ज भी नहीं था। ऐसे में इस पर गेम खेलने या यूट्यूब देखने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

▸ पाइप पर चुन्नी के सहारे लटका मिला शव, पांचवीं का था छात्र

▸ पुलिस बता रही खुदकुशी तो स्वजन बोले बच्चे की हत्या की गई

नहीं मिला चोट का निशान

पुलिस ने मामले में धारा 194 (आत्महत्या के लिए उकसाने की जांच) के तहत प्राथमिकी की है। पुलिस ने बच्चे के परिवार और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस पता लगा रही है कि क्या बच्चे को माता-पिता की डांट, स्कूल का दबाव या गेम में असफलता के कारण मानसिक तनाव था। पुलिस का कहना है कि बच्चे के शरीर पर चोट का निशान नहीं मिला है।

उदासीनता

2024 में आप की सरकार ने बंद कर दी थी इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी, भाजपा सरकार ने आप की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को बढ़ाया आगे पर सब्सिडी नहीं दी

सब्सिडी बंद, गिर रहा इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण

वी के शुक्ला ● जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी बंद कर दी गई है। इस कारण इनका पंजीकरण भी कम हो गया है। दिल्ली में एक तरफ जहां कुल वाहनों का पंजीकरण जुलाई में बढ़कर 67,000 हो गया लेकिन इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण उस हिसाब से नहीं बढ़ा। इस श्रेणी के सिर्फ 3,425 वाहन ही पंजीकृत हुए हैं। वहीं पिछले चार माह के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस दौरान इलेक्ट्रिक के कुल वाहनों का पंजीकरण 2022 के उस दौरान के माहौल से भी कम हो गया है जब कोरोना महामारी के बाद बाजार धीरे-धीरे उठना शुरू हुआ था।

परिवहन विशेषज्ञों की मानें तो जब तक सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में गंभीर नहीं होगी और सब्सिडी सहित अन्य सुविधाएं जारी नहीं रहेंगी तब तक इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण बढ़ाना काफी कठिन होगा। दिल्ली में जनवरी 2024 से इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण पर सब्सिडी बंद है। 2024 में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, उस समय करीब एक साल तक इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण पर सब्सिडी नहीं मिल सकी यानी जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक सब्सिडी नहीं दी गई। फरवरी 2025 में जब दिल्ली में भाजपा सरकार आई तो लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब तो सब्सिडी मिलनी शुरू होगी लेकिन ऐसा हो नहीं सका। भाजपा सरकार ने आप सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को ही आगे बढ़ाते हुए 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया है।

सब्सिडी न मिलने से इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण लगातार गिर रहा है। 2022-23 में ऐसे वाहनों का पंजीकरण जो ऊपर की ओर बढ़ रहा था वह 2024 से लगातार नीचे गिर रहा है। यहां गौर करने वाली बात है कि जुलाई में कुल वाहनों का पंजीकरण तो बढ़ रहा है पर इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर लोगों का रुझान नहीं है। वहीं, सरकार ने हाइब्रिड कारों पर सब्सिडी का भी फैसला नहीं लिया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में ये कारें दो से ढाई लाख रुपये तक सस्ती हैं इसलिए दिल्ली के लोग उत्तर प्रदेश में ये कारें पंजीकृत करा रहे है जिससे दिल्ली को नुकसान हो रहा है।

प्रतीकात्मक

चार वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण

वर्ष	2022	2023	2024	2025
अप्रैल	3962	5185	5263	3723
मई	3508	7632	4993	4054
जून	4459	4907	4077	2666
जुलाई	5595	4917	5155	3425
कुल	17254	22641	19488	13868

डीयू के कालेज अब सुबह से रात आठ बजे तक खुले रहेंगे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेज अब सुबह आठ से रात आठ बजे तक खुले रहेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से अधिसूचना जारी हो गई है। इस अधिसूचना पर शिक्षकों में व्यापक असंतोष है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का तर्क है कि इससे संसाधनों का इष्टतम उपयोग हो सकेगा लेकिन शिक्षकों का मानना है कि यह निर्णय जमीनी वास्तविकताओं से परे है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) के चौथे वर्ष की शुरुआत के साथ छात्रों की संख्या तो बढ़ी है लेकिन न तो पर्याप्त कक्षाएं हैं और न ही बैठने की जगह। इसके अलावा पर्याप्त फैकल्टी भी नहीं है। इसके बावजूद शिक्षकों पर 40 घंटे प्रति सप्ताह की कार्य अवधि और न्यूनतम पांच घंटे प्रतिदिन कक्षा में रहने का दबाव डाला जा रहा है।

शिक्षक संगठनों का कहना है कि यदि चौथे वर्ष की पढ़ाई के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है तो पहले नए भवन, लाइब्रेरी, लैब और परिवहन जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए। सुबह से रात तक कालेज खोलने का निर्णय महिला शिक्षकों और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ा रहा है। इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) के अध्यक्ष प्रो पंकज कुमार गर्ग ने कहा, बिना अधोसंरचना सुधार, सुरक्षा, परिवहन व स्टाफ सहयोग के ऐसे निर्णय गैर-जिम्मेदाराना हैं।

▸ शिक्षकों ने अधिसूचना पर जताया भारी असंतोष

****

24 हजार करोड़ रुपये प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत किसानों के कल्याण और कृषि के विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से खर्च किए गए हैं।

फसल बाजारों तक पहुंचाने का खर्च वहन करेगी सरकार

शिवराज बोले, प्रधानमंत्री धन–धान्य योजना शुरू करेगी केंद्र सरकार

कहा, खाद–बीज की कालाबाजारी करने वालों को जेल भेजें

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

बिहार में किसान उत्सव दिवस के रूप में शनिवार को बापू सभागार में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के साथ राज्य के 73.88 लाख किसानों के खाते में शनिवार को 1515 करोड़ रुपये भेजे गए। इस मौके पर पटना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि सब्जी या अन्य फसल अब खराब नहीं होगी। उसे ट्रक में भरकर दिल्ली या दूसरे शहरों के बाजारों तक पहुंचाने का खर्च सरकार देगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। शीघ्र ही केंद्र सरकार प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना की शुरुआत करेगी। इससे किसानों का मुनाफा बढ़ेगा।

शिवराज ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय एक रुपये में 15 पैसे किसानों तक पहुंचते थे, आज एक-एक रुपया पहुंच रहा है। सभागार में मौजूद किसानों से उन्होंने कहा कि भारत सरकार किसी भी देश के साथ व्यापार डील करते समय किसानों का हित सबसे ऊपर रखेगी। पीएम का सपना है कि खेती को लाभकारी बनाएं।

उन्होंने निर्देश दिया कि बीज वितरण में गड़बड़ी हो तो कार्रवाई करें। खाद-बीज की कालाबाजारी करने वालों को जेल भेजें। उन्होंने बताया कि अब कृषि विज्ञानी किसानों तक पहुंच रहे हैं। कृषि शोध अब दिल्ली में बैठकर नहीं, बल्कि किसानों की समस्याओं को देखते हुए होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने की।

पटना में शनिवार को आयोजित किसान सम्मान उत्सव का उद्घाटन करते केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पांडेय एवं अन्य। जागरण

उत्तराखंड के वनों की हकीकत बताएगी सेटेलाइट तकनीक

विजय जोशी, जागरण ● देहरादून: उत्तराखंड में वन प्रबंधन की नई इबारत लिखी जा रही है। अत्याधुनिक सेटेलाइट तकनीक से प्रदेश के वनों की हकीकत जानी जाएगी और वन, वनस्पति व सामुदायिक संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए वन विभाग ने सीमांत जनपद पिथौरागढ़ व चंपावत में वनों के संरक्षण, संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में एक नई शुरुआत की है। दोनों जनपदों की 10 वर्षीय पुनरीक्षित कार्य योजनाएं (2024-25 से 2033-34) तकनीकी नवाचार, जैवविविधता संरक्षण, सतत आजीविका, पर्यावरणीय अनुकूलन और सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखकर तैयार की गई हैं। केंद्रीय की ओर से भी उक्त कार्ययोजना को हरी झंडी मिल गई है। ये योजनाएं प्रदेश के वानिकी प्रबंधन को विज्ञानी, समावेशी और सुदृढ़ दिशा प्रदान करने की ओर एक कदम होगा।

उक्त दोनों वन प्रभागों में पहली बार इंडियन रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट आइआरएस-पी6 के लीनियर इमेजिंग सेल्फ स्कैनिंग सेंसर (एलआइएसएस-चार) सेंसर (5.8 एम रेजोल्यूशन) का प्रयोग किया गया है, जो पारंपरिक एलआइएसएस-तीन (23.5 एम) की तुलना में चार गुना अधिक स्पष्ट और सटीक है। इससे वन प्रकारों और वन घनत्व के वर्गीकरण में स्थानिक सटीकता के डेटा विश्लेषण संभव होगा।

दोगुना हुआ बीएलओ का मानदेय, ईआरओ और एईआरओ को भी अब मिलेगा मानदेय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- चुनाव आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण में लगे बीएलओ के वार्षिक मानदेय छह हजार से बढ़ाकर किया 12 हजार रुपये
- ईआरओ को 30 तो एईआरओ को 25 हजार मिलेंगे, बिहार में एसआइआर में लगे बीएलओ को अतिरिक्त छह हजार

मतदाता सूची के पुनरीक्षण में लगे बूथ लेवल आफिसर (बीएलओ) के परिश्रम को ध्यान में रखते चुनाव आयोग ने उन्हें दिए जाने वाला वार्षिक मानदेय बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। उन्हें अब छह हजार रुपये की जगह 12 हजार रुपये वार्षिक मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण में अहम भूमिका निभाने वाले ईआरओ (निर्वाचक पंजीयन अधिकारी) और एईआरओ (सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी) को भी बीएलओ की तरह अब वार्षिक मानदेय देने का फैसला लिया है। इसके तहत ईआरओ को 30 हजार और एईआरओ को 25 हजार रुपये वार्षिक मानदेय दिया जाएगा।

आयोग ने इसके साथ ही मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए भी बीएलओ को अब तक दिए जाने वाले एक हजार रुपये को बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दिया है। बीएलओ पर्यवेक्षक के मानदेय में भी बढ़ोतरी की है। जिन्हें अब 12 हजार की जगह 18 हजार रुपये वार्षिक दिए जाएंगे।

आयोग ने इसके साथ ही बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे बीएलओ को बढ़े हुए वार्षिक मानदेय के अतिरिक्त छह हजार रुपये का विशेष प्रोत्साहन भी देने की घोषणा की है।

बढ़ोतरी पर एक नजर

पदनाम	2015 में	अब संशोधित
बीएलओ	6 हजार	12 हजार
बीएलओ प्रोत्साहन राशि	एक हजार	दो हजार
बीएलओ पर्यवेक्षक	12 हजार	18 हजार
एईआरओ	शून्य	25 हजार
ईआरओ	शून्य	30 हजार

आयोग के मुताबिक मानदेय में की गई बढ़ोतरी पूरे देशभर में लागू होगी। इससे पहले बीएलओ के मानदेय में बढ़ोतरी वर्ष 2015 में की गई थी।

आयोग के मुताबिक शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। ऐसे में इस काम लगे बीएलओ सहित दूसरे कर्मचारियों की मेहनत को देखते हुए उनके मानदेय में यह बढ़ोतरी की गई ही। इन्हें यह वार्षिक मानदेय इसलिए दिया जाता है, क्योंकि देशभर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम साल में एक बार होता है।

यह बात अलग है कि यदि किसी राज्य में साल के मध्य में चुनाव होता है, तो वहां फिर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य होता है। उसके लिए उन्हें फिर से यह मानदेय दिया जाता है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने यह फैसला तब लिया है, जब बिहार में एसआइआर के पहले चरण का काम पूरा हो चुका है। साथ ही ड्राफ्ट मतदाता सूची भी आ चुकी है। इस सूची को तैयार करने के लिए बीएलओ को ओर से घर-घर जाकर जानकारी जुटाई गई थी। अब इस पर आपत्तियों के लिए एक महीने का समय मिलेगा, जो एक सितंबर तक की अवधि होगी।

जस्टिस मनमोहन बोले, दिव्यांगों के अधिकारों पर जागरूकता की जरूरत

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस मनमोहन ने दिव्यांगों के अधिकारों के बारे में संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शनिवार को कहा कि न्यायालयों ने दिव्यांगों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर फैसले सुनाए हैं और सुनाएंगे, लेकिन सरकार के अन्य अंगों को भी इस विषय पर आगे आना होगा। जस्टिस मनमोहन यहां 'दिव्यांगजनों के अधिकार' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। यह सम्मेलन जस्टिस सुनंदा भंडारे फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

उनसे जब फैसलों के कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दे पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि इस विषय पर कानून और अधिकारों के बारे में जितनी अधिक जागरूकता होगी, समाज उतना ही अधिक समझेगा, अदालतें उतना ही अधिक समझेंगी और इससे अनुपालन सुनिश्चित होगा।'

उन्होंने फैसलों के अनुपालन के लिए अदालत द्वारा निरंतर निगरानी के मुद्दे पर भी बात की।

सुप्रीम कोर्ट ने कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने को दिया निर्देश

- कहा– योजना पर चर्चा, निर्धारण व कार्यान्वयन हेतु सभी हितधारकों को एक ही मंच पर होना चाहिए

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने के लिए योजना पर चर्चा, निर्धारण और कार्यान्वयन हेतु सभी हितधारकों को एक ही मंच पर होना चाहिए। कोर्ट ने विद्युत मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह बिजली उत्पादन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संबंध में कार्य योजना पर चर्चा करने हेतु केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित करे।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि नीति निर्माता जमीनी हकीकत और नियामक एवं कार्यान्वयन तंत्र की कठिनाइयों से अवगत हों। पीठ ने 22 जुलाई के अपने आदेश में कहा, 'बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे से निपटने के लिए हम यह आवश्यक समझते हैं कि सभी हितधारक अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित और सुसंगत तरीके से योजना पर चर्चा, निर्धारण और कार्यान्वयन के लिए एक ही मंच पर हो।'

विद्युत मंत्रालय सीईए और सीईआरसी के साथ संयुक्त बैठक करे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण की प्रक्रिया में शामिल लोगों के साथ-साथ नियामकों को भी आपस में जोड़ना आवश्यक है। पीठ ने यह आदेश एनजीटी के एक आदेश को लेकर दायर याचिका पर पारित किया। एनजीटी ने यह आदेश एक आवेदन पर पारित किया जिसमें पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने हेतु परियोजनाओं का मूल्यांकन करते समय जलवायु संबंधी मुद्दों का आकलन करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

हरियाणा में सात अगस्त के बाद आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज नहीं : आइएमए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- आइएमए ने सरकार को लिखा पत्र, लंबित 400 करोड़ का भुगतान मांगा
- सरकार के साथ दो बार की बैठकों के बावजूद नहीं हुआ भुगतान

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के हरियाणा चैप्टर ने सात अगस्त से आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज नहीं करने का फैसला किया है। आइएमए को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा, क्योंकि प्राइवेट अस्पतालों के पूर्व के पैसे का अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। राज्य में करीब 650 निजी अस्पताल आयुष्मान भारत-आयुष्मान हरियाणा योजना के तहत कार्डधारकों का इलाज कर रहे हैं। इनका करीब 400 करोड़ रुपये बकाया चल रहा है, जिसके भुगतान के लिए पत्र व्यवहार किया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

आइएमए हरियाणा के अध्यक्ष डा. महावीर पी जैन, पूर्व प्रधान डा. अजय महाजन, महासचिव डा. धीरेंद्र के सोनी और आइएमए के आयुष्मान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. सुरेश अरोड़ा ने आयुष्मान प्राधिकरण हरियाणा की कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर सात अगस्त से कार्डधारकों का इलाज नहीं करने की सूचना दे दी है। उन्होंने सरकार के साथ पिछली सभी बैठकों का जिक्र करते हुए अभी तक भुगतान नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही कहा है कि यदि आयुष्मान कार्डधारकों का इलाज नहीं होता तो इसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग के उन अधिकारियों की होगी, जो बैठकें करने के बावजूद उनमें होने वाले फैसले लागू नहीं करते।

प्रतीकात्मक

व्यवस्था में नहीं हुआ सुधार : आइएमए पदाधिकारियों का कहना है कि आठ जनवरी को मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ बैठक में भरोसा दिया था कि सभी निजी अस्पतालों के लंबित भुगतान 15 दिनों के भीतर कर दिए जाएंगे। तीन फरवरी को हरियाणा के मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के साथ बैठक हुई, जिसमें फिर भरोसा दिया गया कि 10 मार्च के बाद सभी व्यवस्थाएं पटरी पर आ जाएंगी, लेकिन अभी तक भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है।

मामलों के निस्तारण में रुचि नहीं दिखा रहे अधिकारी : आइएमए के प्रदेश अध्यक्ष डा. महावीर जैन और पूर्व प्रधान डा. अजय महाजन ने बताया कि आयुष्मान प्राधिकरण के अधिकारी मामलों के निस्तारण में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। पोर्टल पर शिकायतें दर्ज करना मुश्किल है और नए पोर्टल पर पुनः पैनल में शामिल करने की आड़ में कई अस्पतालों के राष्ट्रीय अस्पताल मानकीकरण बोर्ड प्रोत्साहन में कटौती की गई है।

इतिहास के पुनर्लेखन पर विचार करें लेखक : मनोज सिन्हा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को लेखकों से इतिहास के पुनर्लेखन पर विचार करने का आह्वान किया, ताकि अतीत में विकृत किए गए तथ्यों को सही किया जा सके। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह अहसास दिलाया जाना चाहिए कि हमारी सभ्यता आर्थिक रूप से समृद्ध थी और साहित्य, विज्ञान और अध्यात्म का वैश्विक केंद्र भी थी। उपराज्यपाल ने श्रीनगर में डल झील के किनारे स्थित शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ चिनार पुस्तक महोत्सव-2025 का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) और श्रीनगर जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित चिनार पुस्तक महोत्सव में देशभर से 200 से अधिक प्रकाशकों और पुस्तक स्टालों की भागीदारी है। इसमें अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, कश्मीरी और अन्य भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रदर्शित की जा रही हैं।

निजी स्कूलों की फीस तय कर सकती है राज्य सरकार

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर

- छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने फीस विनियमन अधिनियम 2020 को संवैधानिक करार दिया
- निजी स्कूलों में फीस के नाम पर मनमानी वसूली पर नियंत्रण को बताया आवश्यक

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार निजी स्कूलों की फीस निर्धारित करने का अधिकार रखती है। कोर्ट ने फीस विनियमन अधिनियम 2020 को संवैधानिक मानते हुए निजी स्कूलों की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल और न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत की बेंच ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में मुनाफाखोरी और शोषण पर नियंत्रण के लिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाना राज्य सरकार का संवैधानिक अधिकार है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि निजी स्कूलों की स्वायत्तता बनी रहेगी, लेकिन फीस के नाम पर मनमानी वसूली पर सख्त नियंत्रण आवश्यक है। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन और बिलासपुर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने इस अधिनियम को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने तर्क दिया था कि यह स्कूलों की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करता है।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट। फाइल

राज्य सरकार ने अपने जवाब में कहा कि यह अधिनियम केवल रेगुलेटरी कानून है, जिसका उद्देश्य पारदर्शी फीस निर्धारण प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। शिक्षा समवर्ती सूची में आती है और राज्य सरकार को इस पर कानून बनाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों में भी फीस नियंत्रण को वैध माना गया है।

पूर्व सीजेआइ चंद्रचूड़ ने खाली किया दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास

- रिटायरमेंट के बाद सीजेआइ आवास में रहने के कारण उठा था विवाद
- बंगला खाली कराने को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने सरकार को लिखा था पत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के पूर्व चीफ जस्टिस (सीजेआइ) डीवाई चंद्रचूड़ ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित न्यायपालिका के प्रमुख का आधिकारिक आवास खाली कर दिया है। भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ आठ नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे। हाल में, नई दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित प्रधान न्यायाधीश के आधिकारिक आवास पर उनके निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने सात जुलाई को एक बातचीत में स्थिति साफ करते हुए कहा था कि सामान बांध लिया गया है और वह अपनी पत्नी व बेटियों के साथ जल्द ही किराये के सरकारी आवास में चले जाएंगे। जस्टिस चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना और बेटियां- प्रियंका और माही पांच कृष्ण मेनन मार्ग के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। प्रियंका और माही दोनों दिव्यांग हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने बंगले में निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने के कारणों को विस्तार से बताते हुए कहा था कि हमारा सामान पहले ही पूरी तरह बांधा जा चुका है। कुछ सामान नए घर में पहुंच भी गया है। कुछ यहां स्टोर रूम में रखा हुआ है।

पूर्व सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़। फाइल

वह सरकारी बंगले में कथित तौर पर निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट प्रशासन द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गए पत्र का जवाब दे रहे थे। पूर्व सीजेआइ ने विवाद पर दुख जताया था और अपनी बेटियों की चिकित्सा स्थिति का हवाला दिया था, जिन्हें 'व्हीलचेयर' अनुकूल घर की आवश्यकता थी। घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने तत्कालीन सीजेआइ संजीव खन्ना से बात की थी, जो उनके उत्तराधिकारी थे, और उन्हें बताया था कि उन्हें 14, तुगलक रोड स्थित बंगले में लौटना है, जहां वह चीफ जस्टिस बनने से पहले रहते थे।

जस्टिस खन्ना ने हालांकि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को सीजेआइ के बंगले में ही रहने को कहा था, क्योंकि जस्टिस खन्ना आधिकारिक आवास में नहीं रहना चाहते थे। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने एक जुलाई को केंद्र को पत्र लिखकर कहा था कि जस्टिस चंद्रचूड़ सीजेआइ के बंगले में अनुमति प्राप्त अवधि से अधिक समय तक रहे हैं और इसलिए आवास खाली कराई जाए।

पीएम की अपील, जनधन खातों की केवाईसी की आवश्यकता करें पूरी

प्रथम पृष्ठ से आगे

जनधन खातों से आए बदलाव का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है, जो जितना पिछड़ा उसे उतनी प्राथमिकता मिले। इसी उद्देश्य से 10 वर्ष पहले 55 करोड़ गरीबों के जनधन खाते खोले गए। बैंक नियम में 10 वर्षों बाद नए सिरे से केवाईसी की आवश्यकता होती है। इसके लिए एक जुलाई से राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया गया है। सबसे अपील है कि वे जनधन खातों की केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण करा लें। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी अनेक योजनाओं का भी लाभ उठाएं।

20वीं किस्त जारी कर मोदी बोले-पक्के इरादों का उदाहरण किसान सम्मान निधि : इस अवसर पर किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के तहत 9.70 करोड़ किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये प्रधानमंत्री ने आनलाइन ट्रांसफर किए। बोले, 2019 में जब योजना शुरू हुई थी तो सपा, कांग्रेस ने कहा था कि चुनाव के बाद सब बंद हो जाएगा। अब तक पौने चार लाख करोड़ रुपये किसानों के खाते में भेजे जा चुके हैं। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत किसानों के कल्याण और कृषि के विकास के लिए 24 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सरकार तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने जा रही है। मोदी ने 2183.45 करोड़ रुपये की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया, बुजुर्गों व दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए।

योगी बोले, नया भारत दुश्मन के घर में घुसकर करता है खात्मा

जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है।

सेहतकारी भोजन

एफएसएसएआइ ने जारी की आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों की सूची, इस पहल से भारतीय शाश्वत संस्कृति और सेहत का होगा संगम

घर–घर पहंचेगा आयुर्वेद आहार, एफएसएसएआइ से मिली मान्यता

- आयुर्वेद आहार वे खाद्य पदार्थ होते हैं, जो आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार किए जाते हैं तैयार

नई दिल्ली, एएनआइ : आयुर्वेद अब ग्रंथों तक नहीं रहेगा, बल्कि घर-घर में खाने की थाली तक पहुंचेगा। आयुर्वेद आहार को एफएसएसएआइ से मान्यता मिल गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) ने आयुष मंत्रालय के परामर्श से 'आयुर्वेद आहार' श्रेणी के तहत आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों की सूची जारी की है। आयुर्वेद आहार वे खाद्य पदार्थ होते हैं जो आयुर्वेद के सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए जाते हैं। इनमें सब्जियां और मसालों से लेकर, विशेष आयुर्वेदिक व्यंजनों और औषधीय गुणों वाले खाद्य पदार्थ हो सकते हैं। ये खाद्य उत्पाद प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर तैयार किए जाते हैं, जिनमें पोषण, संतुलन और परंपरा का सम्मिश्रण होता है ताकि समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिले।

आयुष मंत्रालय ने कहा है कि नई सूची से प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों से प्राप्त व्यंजनों, अवयवों और प्रक्रियाओं पर आधारित खाद्य पदार्थों को मान्यता मिल गई है। 2022 में खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियमों की शुरुआत के बाद भारत के पारंपरिक खाद्य ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। इससे प्रामाणिक आयुर्वेदिक ग्रंथों से प्राप्त व्यंजनों, अवयवों और प्रक्रियाओं पर आधारित खाद्य पदार्थों को मान्यता मिल गई है।

प्रतीकात्मक

विनियमों या रेगुलेशन की अनुसूची बी के नोट (1) के अंतर्गत जारी की गई यह सूची, अनुसूची ए में सूचीबद्ध शास्त्रीय आयुर्वेदिक ग्रंथों से ली गई है। इससे इन खाद्य पदार्थों की प्रामाणिकता पारंपरिक आधार सुनिश्चित होगा। इस पहल का उद्देश्य आयुर्वेद आहार उत्पादों के निर्माण के लिए स्पष्ट और विश्वसनीय संदर्भ के जरिये खाद्य व्यवसाय संचालकों या फूड बिजनेस आपरेटर्स (एफबीओ) की सहायता करना है। खाद्य व्यवसायियों को स्पष्ट तौर पर पता चल सकेगा कि आयुर्वेद आधारित उत्पाद किस श्रेणी में आते हैं। इससे गुणवत्ता में भी सुधार होगा। उपभोक्ताओं को भी भरोसेमंद और सुरक्षित आयुर्वेद आहार मिलेंगे।

भविष्य में शामिल हो सकेंगे नए उत्पाद

भविष्य में अतिरिक्त उत्पादों को शामिल करने के लिए एफएसएसएआइ ने खाद्य व्यवसाय संगठनों (एफबीओ) के लिए प्रक्रिया स्थापित की है ताकि एफबीओ उन उत्पादों को श्रेणी ए में शामिल करने का अनुरोध कर सकें जो अभी तक सूचीबद्ध नहीं हैं। श्रेणी ए में शामिल करने के ऐसे अनुरोधों के लिए आधिकारिक ग्रंथों से संदर्भ देना पड़ेगा। भविष्य में होने वाले सभी अपडेट या परिवर्तनों की सूचना खाद्य प्राधिकरण द्वारा विधिवत दी जाएगी। गौरतलब है कि नवंबर 2023 में वर्ल्ड फूड इंडिया के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, भारत की सतत खाद्य संस्कृति हजारों वर्षों की यात्रा का परिणाम है। आयुष मंत्रालय के राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे आयुर्वेद आहार को अपने दैनिक जीवन में शामिल करें। भारत के पारंपरिक ज्ञान पर आधारित और समय की कसौटी पर खरी उतरी आहार पद्धतियां न केवल शरीर को पोषण देती हैं, बल्कि प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत कर समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

2014 के बाद भारत की विदेश नीति गलत दिशा में चली गई। इसीलिए देश को जो लाभ मिलने चाहिए थे वे नहीं मिले। यह कहना है वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का। कांग्रेस नेता ने अमेरिका के साथ भारत की दोस्ती पर भी सवाल उठाया।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 3 अगस्त, 2025

राजनाथ की राहुल को चुनौती– चुनाव आयोग के खिलाफ 'सुबूतों का परमाणु बम' है तो फोड़ें

प्रशांत सिंह ● जागरण

▶ रक्षा मंत्री ने कहा– हम सरकार नहीं, बल्कि देश बनाने की करते राजनीति

पटना: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती दी है कि यदि उनके पास चुनाव आयोग के विरुद्ध सुबूतों का एटम बम है तो इसका तुरंत इसका परीक्षण करें। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर अनर्गल आरोप लगाना नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता। कांग्रेस पार्टी के हाथों में 1975 में संविधान की हत्या (आपातकाल) करने का खून लगा हुआ है। उनके मुंह से ऐसे निराधार और उल्टे बयान शोभा नहीं देते। राजनाथ दैनिक जागरण द्वारा 'समर्थ बिहार, सशक्त भारत' विषय पर आयोजित फोरम को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने फिर से एक अनर्गल बयान दिया है। कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 'वोट चोरी' को लेकर सुबूतों का 'एटम बम' तैयार किया हुआ है, जो उनके पास है। यदि ऐसा है सारे सुबूत जनता के सामने रखिए, सच्चाई यह है कि उनके पास न कोई तथ्य है, न कोई सुबूत, सनसनीखेज बातें करना उनकी पुरानी आदत है। जबकि चुनाव आयोग भारत की संवैधानिक संस्था है, उसकी साख है। पहले भी राहुल ने कहा था कि बोलेंगे तो भूचाल आ जाएगा, जब वे बोले तो खोदा पहाड़ निकली चुहिया। मैं तो राहुल जी से यही कहूंगा कि जल्दी से बम फोड़ दीजिए। बस अपने आप को संतुलित और सुरक्षित रखिए, संवैधानिक संस्थाओं को उनका काम करने दीजिए।

रक्षा मंत्री ने बिहार के गौरवशाली शैक्षणिक अतीत का हवाला देते हुए जहां पिछली सरकारों की कार्यशैली पर करारा प्रहार किया, वहीं वर्तमान राजग सरकार की प्रशंसा की। कहा कि राज्य प्रगति पथ पर अग्रसर है। समर्थ बिहार के बिना सशक्त भारत का निर्माण संभव नहीं है। बिहार में चुनाव होने वाले हैं। राज्य नाजुक मोड़ पर है। एक रास्ता विकास के सुनहरे पथ की ओर जाता है, दूसरा जातिवाद, अपराध व अराजकता की ओर दोबारा जाता है, जहां से नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग सरकार ने मुश्किल से बिहार को बाहर निकाला है। बिहार में राजग का जिताऊ समन्वय है। हम केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि को-आपरेटिव फेडरेशन के तहत बिहार के विकास का खाका खींचा जा रहा है। आंकड़े भी प्रमाण हैं कि 2004 से 2014 तक केंद्र की यूपीए सरकार ने बिहार को मात्र दो लाख करोड़ दिए, वहीं 2014 से 2024 तक एनडीए सरकार ने बिहार को नौ लाख करोड़ रुपये दिए। मिथिला मखाना को वैश्विक मान्यता व जीआइ टैग मिल चुका है। यहां मखाना अनुसंधान केंद्र की स्थापना होनी है। नालंदा विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना की गई है। यह ज्ञान परंपरा के पुनर्जागरण का प्रतीक है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की तरह सीतामढ़ी के पुनौराधाम में भी मां सीता के भव्य मंदिर की स्थापना का प्रारूप तय हो चुका है।

पटना के होटल ताज में शनिवार को दैनिक जागरण फोरम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व दैनिक जागरण समूह के निदेशक सुनील गुप्ता, साथ में प्रधान संपादक संजय गुप्त, प्रबंध संपादक तरुण गुप्त एवं मुख्य महाप्रबंधक आनंद त्रिपाठी। जागरण

जागरण की पत्रकारिता में साख व विश्वसनीयता दोनों

इससे पहले रक्षा मंत्री ने बिहार में दैनिक जागरण के प्रकाशन के 25 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी। कहा कि जबसे उनमें राजनीतिक व सामाजिक चेतना उत्पन्न हुई, तबसे जागरण को देखता आ रहा हूं। जागरण की पत्रकारिता में साख व विश्वसनीयता दोनों हैं। प्रधान संपादक संजय गुप्त व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा हिंदी पत्रकारिता की सेवा की जितनी प्रशंसा की जाए, वह कम है।

इन लोगों ने जागरण फोरम का किया उद्घाटन

पटना शहर के ताज होटल में जागरण फोरम का उद्घाटन देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ दैनिक जागरण समूह के प्रधान संपादक संजय गुप्त, प्रबंध संपादक तरुण गुप्त, निदेशक सुनील गुप्त, मुख्य महाप्रबंधक आनंद त्रिपाठी, राष्ट्रीय ब्यूरो प्रमुख आशुतोष झा व स्थानीय संपादक आलोक मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पहले ज्ञानदायिनी मां सरस्वती, दैनिक जागरण के संस्थापक पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक नरेन्द्र मोहन और पूर्व चेयरमैन योगेंद्र मोहन गुप्त के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा निवेदित किया गया।

डीएम ने कहा, तेजस्वी यादव का नाम प्रारूप मतदाता सूची में है दर्ज

प्रथम पृष्ठ से आगे

इधर, जिला प्रशासन तक जब यह सूचना पहुंची तो डीएम सह जिला निर्वाचक पदाधिकारी डा. त्यागराजन एसएम ने इसकी जांच कराई। इसमें पाया गया कि तेजस्वी यादव की क्रम व बूथ संख्या परिवार से अलग हो गई है। हालांकि, स्थान अब भी बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन ही है। इसके बाद डीएम ने बताया कि तेजस्वी यादव का नाम प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज है और वे योग्य मतदाता हैं। उनका इपिक नंबर आरएबी 0456228 है, जो उन्होंने 2020 में विधानसभा निर्वाचक में अपने शपथपत्र में दिया था। निर्वाचन पदाधिकारियों ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र या क्रम संख्या में बदलाव सामान्य है। इसे त्रुटि या विलोपन नहीं मानना चाहिए। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपने नाम की जांच अवश्य करें, यदि कोई त्रुटि हो तो फार्म संख्या आठ भरकर उसे संशोधित कराएं। किसी भ्रामक सूचना पर ध्यान नहीं दें।

2024 में भी हुई धांधली, मर चुकी है चुनाव प्रणाली : राहुल

पिछले लोस चुनाव में 70–80 सीटों पर धांधली का लगाया आरोप, कहा– 10–15 सीटों का फर्क होता तो पीएम नहीं बनते मोदी

कर्नाटक की लोस की एक विधानसभा सीट में साढ़े छह लाख में डेढ़ लाख फर्जी वोटर होने का दावा किया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कुछ राज्यों में चुनावी धांधली के दावों के साथ चुनाव आयोग को लगातार घेर रहे लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अब पहली बार 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी धांधली के सनसनीखेज दावे किए हैं। चुनाव आयोग पर अपना हमला तेज करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि देश में चुनाव प्रणाली पहले ही मर चुकी है और 2024 का लोकसभा चुनाव ''धांधली'' वाला था। कर्नाटक की एक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की विधानसभा सीट की वोटर लिस्ट की कांग्रेस द्वारा अपने स्तर पर की गई जांच में साढ़े छह लाख में से डेढ़ लाख वोटरों के फर्जी होने की बात कहते हुए उन्होंने यह दावा किया।

पीएम मोदी के बहुत कम बहुमत के साथ सत्ता की कुर्सी पर बैठे होने का उल्लेख करते हुए राहुल ने कहा कि अगर 10–15 सीटों का अंतर होता तो मोदी वहां नहीं होते। चुनाव आयोग के खिलाफ भाजपा के लिए ''वोट चोरी'' करने के कांग्रेस के पास सुबूतों का ''एटम बम'' होने का दावा करने के एक दिन बाद ही उन्होंने अब लोकसभा चुनाव में आयोग की भूमिका पर संदेह और सवाल खड़े किए। साथ ही कहा कि जब कांग्रेस इसका पर्दाफाश करेगी तो वास्तव में यह हैरान करने वाला और एटम बम के समान होगा।

कांग्रेस के कानूनी व मानवाधिकार विभाग की ओर से विज्ञान भवन में शनिवार को ''संवैधानिक चुनौतियां : परिप्रेक्ष्य और रास्ते'' विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ''थोड़े से बहुमत'' के साथ अपनी कुर्सी पर बैठे हैं और अगर कुछ सीटों का अंतर होता तो वह वहां नहीं होते। लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी के अपने आरोपों के संबंध में तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस ने मतदाताओं की तस्वीरों और नामों की व्यक्तिगत रूप से जांच की। इसमें पाया गया कि कुल साढ़े छह लाख मतदाताओं में से डेढ़ लाख वोटर ''फर्जी'' थे। जब हम इन आंकड़ों को जारी करेंगे तो चुनाव व्यवस्था का संचालन करने वाले सदमे में दिखाई पड़ेंगे। यह सचमुच में एक परमाणु बम जैसा है।

चुनाव आयोग पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि सच्चाई यह है कि देश की चुनावी व्यवस्था पहले ही खत्म हो चुकी है। इस तथ्य को याद रखें कि प्रधानमंत्री के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10–15 सीटों पर धांधली होती है तो फर्क पड़ जाता और मोदी देश के पीएम नहीं होते। हमें आशंका है कि धांधली वाली संख्या 70–80 या 100 सीटों के करीब है। इसी क्रम में राहुल ने दावा किया आने वाले कुछ दिनों में हम बिना किसी संदेह के साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और इसमें धांधली हुई भी थी।

चुनाव आयोग के इस धांधली में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि जो संस्था संविधान की रक्षा और इसका बचाव करती है, उसे खत्म कर दिया गया है और उस पर कब्जा कर लिया गया है। चुनाव आयोग के खिलाफ अभी तक मुखर नहीं हो पाने को लेकर राहुल ने कहा कि उनके पास पहले सुबूत नहीं थे, इसलिए ऐसे बयान नहीं दे सके। लेकिन, अब पूरे विश्वास के साथ बात कर रहे हैं क्योंकि उनके पास सौ प्रतिशत सबूत हैं। उन्होंने कहा कि इस सबूत को मैंने जिसे भी दिखाया, वह कुर्सी से गिर पड़ा कि यह कैसे संभव हो सकता है, पर हकीकत में ऐसा हो रहा है।

चुनाव प्रणाली की खामियों को बार-बार उठाने के अपने प्रयासों को तार्किक ठहराते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें 2014 से हमेशा संदेह था कि इसमें कुछ गड़बड़ है। गुजरात विधानसभा चुनावों को लेकर भी उन्हें संदेह था...खासकर व्यापक जीत हासिल करने की क्षमता को लेकर। कांग्रेस को राजस्थान और मध्य प्रदेश में एक भी सीट नहीं मिलती, गुजरात में एक भी सीट नहीं मिलती और यह उनके लिए आश्चर्यजनक था।

नई दिल्ली में पार्टी के वार्षिक कानूनी सम्मेलन को संबोधित करते राहुल गांधी। प्रेट्र

'राजा नहीं बनना चाहता, इस अवधारणा के ही खिलाफ हूं'

राहुल ने दो टूक कहा है कि वह राजा नहीं बनना चाहते, बल्कि सार्वजनिक जीवन में राजा की इस अवधारणा के ही खिलाफ हैं। पार्टी के कानूनी विभाग के सम्मेलन के दौरान विज्ञान भवन में मौजूद कांग्रेस के सभी शीर्षस्थ नेताओं की मौजूदगी से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने जैसे ही राहुल का संबोधन शुरू हुआ वैसे ही ''इस देश का राजा कैसा हो, राहुल गांधी जैसा हो'' के नारे लगाने शुरू कर दिए। राहुल ने तत्काल इस पर कार्यकर्ताओं को रोकते हुए कहा ''नहीं बास, मैं राजा नहीं हूं। राजा बनाना भी नहीं चाहता हूं। मैं राजा की अवधारणा के भी खिलाफ हूं।'' विदित हो कि कांग्रेस नेता पीएम मोदी पर राजा होने का तंज कसते रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने राहुल के चुनाव में धांधली के दावे का खंडन किया

प्रेट्र के अनुसार, चुनाव आयोग ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 2024 के लोस चुनावों में धांधली के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन "निराधार आरोपों" का उद्देश्य चुनाव मशीनरी पर अनुचित दबाव डालना और चुनाव अधिकारियों को धमकाने का है। एक्स पर एक फैक्ट-चेक पोस्ट में चुनाव अधिकारी ने कहा कि राहुल के बयान "भ्रामक और निराधार" हैं। आयोग ने यह भी दावा किया कि राहुल ने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली के आरोपों पर जून में भेजे गए उसके पत्र का अभी तक जवाब नहीं दिया है।

निशिकांत दुबे ने हमास का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना की

नई दिल्ली, एएनआइ: इजरायल और फलस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच हमास को कथित समर्थन देने के लिए भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। दुबे ने एक दस्तावेज का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि हिंदुस्तान खतरे में है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं को कैसे नष्ट किया जाए, यह राहुल गांधी की मानसिकता से समझें। उन्होंने कहा कि क्या अमेरिकी सांसद क्राले से बातचीत में राहुल दुनिया के उस आतंकी संगठन का समर्थन कर रहे हैं, जो कश्मीर में भी निर्दोष लोगों की हत्या करता है।

निशिकांत दुबे।

उन्होंने गांधी पर असम गण परिषद की तुलना हमास से करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''असम में छात्र आंदोलन के कारण बनी सरकार और पार्टी असम गण परिषद की तुलना हमास जैसे आतंकवादी संगठन से कर रही है।''

उन्होंने कहा, 'इस बातचीत के अनुसार असम में आंदोलन बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ नहीं था।'' गांधी के ''वोट चोरी'' के आरोपों का जवाब देते हुए दुबे ने कहा, ''अब चुनाव बिहार के मतदाताओं के साथ नहीं, बल्कि बांग्लादेशी मुसलमानों के साथ होगा।''

'गजवा-ए-हिंद की मानसिकता वालों को क्रांति से जवाब देने की जरूरत'

जासं., पुपरी (सीतामढ़ी): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सभी सनातनियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि जिस दिन भारत से सनातनी कम हो जाएंगे, उस दिन भारत की पहचान नहीं रहेगी। अब जरूरत है गजवा-ए-हिंद की मानसिकता वाले लोगों को शांति की जगह क्रांति से जवाब देने की। धर्म को बचाने के लिए हिंसा करना भी अहिंसा ही है। कहा कि प्रभु श्रीराम और माता सीता भारतीय संस्कृति और धर्म में पूजनीय हैं तथा भारत की पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे मर्यादा पुरुषोत्तम राम और देवी सीता के रूप में जाने जाते हैं। अयोध्या में प्रभु राम का भव्य मंदिर बन गया, अब सीतामढ़ी के पुनौराधाम में देवी सीता का भव्य मंदिर बनने जा रहा है।

आठ अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंदिर का शिलान्यास करेंगे। इसके लिए हम आप सभी को न्योता देने आए हैं। केंद्रीय मंत्री शनिवार को सीतामढ़ी शहर के नागेश्वर स्थान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि यही लोग पूछते रहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर कब बनाएंगे। सनातन विरोधियों को पता चल गया कि अयोध्या के बाद अब सीतामढ़ी में भी भव्य मंदिर बनने जा रहा है। बिना नाम लिए उन्होंने राहुल व तेजस्वी को युवराज व राजकुमार बताते हुए तंज भी कसा।

'मुझे धमकाने को अरुण जेटली को भेजा गया था'

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कृषि कानूनों को लेकर अपने विरोध के दौरान पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली द्वारा धमकाए जाने का भी दावा किया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, 'मुझे याद है जब मैं कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ रहा था, तब अरुण जेटली जो अब इस दुनिया में नहीं हैं...इसलिए मुझे यह कहना नहीं चाहिए था मगर कहूंगा कि...उन्हें मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था।

राहुल ने आगे कहा कि जेटली ने मुझसे कहा कि अगर आप कृषि कानूनों को लेकर विरोध की इसी राह पर चलेंगे तो हमें आपके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी। मैंने उनकी तरफ देखा और कहा कि मुझे लगता है कि आपको अंदाजा नहीं कि आप किससे बात कर रहे हैं क्योंकि हम कांग्रेसी हैं और हम कायर नहीं। हम कभी झुकते नहीं, ब्रिटिश भी हमें झुका नहीं सके तो फिर आप कौन हैं?' उन्होंने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक ढांचों को कमजोर करने और चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से समझौता करने का भी आरोप लगाया।

मेरे पिता का निधन कृषि कानून पारित होने से पहले ही हो गया था : रोहन

नई दिल्ली, एएनआइ : राहुल गांधी के दावे पर पलटवार करते हुए डीडीसीए प्रमुख रोहन जेटली ने कांग्रेस नेता को याद दिलाया कि उनके पिता का निधन कृषि कानून पारित होने से पहले ही हो गया था। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का निधन 2019 में हो गया था। कृषि कानून 2020 में पारित हुए थे।''

रोहन जेटली।

एक्स पर एक पोस्ट में रोहन ने लिखा, ''राहुल गांधी अब दावा कर रहे हैं कि मेरे दिवंगत पिता अरुण जेटली ने उन्हें कृषि कानूनों को लेकर धमकी दी थी। मैं उन्हें याद दिला दूं कि मेरे पिता का निधन 2019 में हो गया था। कृषि कानून 2020 में पारित हुए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि विरोधी विचार वाले किसी भी व्यक्ति को धमकाना मेरे पिता के स्वभाव में नहीं था। वह हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे।''

राहुल पर 'बेशर्मी से सरासर झूठ बोलने'' का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जेटली अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों और यहां तक कि अपने ''दुश्मनों'' से भी शालीनता से बात करते थे। उन्होंने कहा कि राहुल को माफी मांगनी चाहिए। वह झूठ बोल रहे हैं, वह भी एक सम्मानित (पूर्व) वित्त मंत्री के बारे में, जिनका निधन हो चुका है। उनकी टिप्पणी बेहद शर्मनाक है। उन्हें अपने पद की गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल की आलोचना करते हुए उनसे अरुण जेटली के बारे में की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा।

भाजपा में शामिल होते ही कारोबारी पर विजिलेंस का छापा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : पंजाब में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को छोड़ भाजपा में शामिल हुए रियल एस्टेट कारोबारी रंजीत सिंह गिल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शुक्रवार को भाजपा में शामिल होने के 12 घंटे बाद ही शनिवार सुबह विजिलेंस ब्यूरो ने गिल के चंडीगढ़, मोहाली और खरड़ स्थित आवास और कार्यालयों पर एक साथ दबिश दी। विजिलेंस की कुछ टीमें गिल के करीबियों के घर भी जांच करने के लिए पहुंचीं। करीब छह घंटे तक चली इस दबिश के दौरान विजिलेंस की टीम ने कुछ दस्तावेज व इलेक्ट्रानिक डिवाइस जब्त किए हैं। विजिलेंस ब्यूरो के मुताबिक यह छापेमारी आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया केस में की गई। अधिकारियों का कहना है कि मजीठिया के केस में जांच के दौरान रंजीत गिल की कंपनी गिलको डेवलपर्स और मजीठिया के बीच कई संदिग्ध लेने-देन का पता चला है। इसकी बारीकी से जांच की जा रही है।

चुनाव आयोग बना मोदी की कठपुतली : खरगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, विवादित पुनरीक्षण के खिलाफ करेंगे बड़ा आंदोलन

▶ चुनाव आयोग की वजह से लोगों का वोट देने का संवैधानिक अधिकार खतरे में

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (सर) के दौरान 65 लाख से अधिक लोगों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने को लेकर चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए दावा किया कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कठपुतली बन गया है। 'सर' के नाम पर लाखों गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। बिहार के बाद आगे यही पूरे देश में किया जाएगा। कांग्रेस की ओर से इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का एलान करते हुए खरगे ने दावा किया कि भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की वजह से नागरिकों का वोट देने का संवैधानिक अधिकार खतरे में है। पीएम मोदी पर प्रहार करते हुए उन्होंने उन पर समाज को बांटने की कोशिश का आरोप लगाया और कहा कि श्रावण के पवित्र महीने में महत्वपूर्ण मुद्दों पर पीएम ने मौन व्रत धारण कर लिया है।

कांग्रेस के कानूनी तथा मानवाधिकार विभाग की ओर से विज्ञान भवन में 'संवैधानिक चुनौतियां: परिप्रेक्ष्य और मार्ग' विषय पर आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन संबोधन में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज संविधान खतरे में है क्योंकि भाजपा-आरएसएस के लोगों ने संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने की बात कर रहे। विरोधाभास यह है कि भाजपा ने अपने पार्टी संविधान में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द रखे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 सीटें जीत जाती तो वे संविधान बदल देते। पर जनता ने '400 पार' कहने वालों के मुंह पर करारा तमाचा मारा और इसका श्रेय राहुल गांधी को जाता है जिन्होंने संविधान को बचाने के लिए अभियान चलाया।

मल्लिकार्जुन खरगे। प्रेट्र

बिहार में 65 लाख लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर किए जाने पर बरसते हुए खरगे ने कहा कि चुनाव आयोग उन सभी गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और अल्पसंख्यकों के मताधिकार छीनना चाहता है जो भाजपा शासन से तंग आ चुके हैं। महाराष्ट्र से लेकर लोकसभा चुनाव में गड़बड़ियों के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराते हुए खरगे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में 'सर' की गंभीरता को देखते हुए बार-बार आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड जैसे दस्तावेज को स्वीकार करने की सलाह दी मगर आयोग ने इसे नहीं माना। चुनावी प्रक्रिया को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने की जरूरत बताते हुए मीडिया तथा हर नागरिक को इसमें प्रहरी की भूमिका निभाने के लिए कहा।

प्रधानमंत्री मोदी पर चुनावों के दौरान ध्रुवीकरण का आरोप लगाते हुए खरगे ने कहा कि पीएम मुर्गे, मुगलों, मंगलसूत्र की बात करते हैं पर चुनाव आयोग चुप रहता है। पीएम के संसद की बैठक में नहीं आने का आरोप लगाते हुए कहा कि अपने कार्यालय कक्ष में बैठ वे टीवी पर कार्यवाही देखते हैं पर समझ नहीं आता किस बात का डर है कि सदन में नहीं आते। संसद में विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने राज्यसभा में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तेमाल किया।

मध्य प्रदेश

उपेक्षित नेताओं को सक्रिय करने में जुटी भाजपा

डेढ़ वर्ष बाद होने हैं निकाय, पंचायत और सहकारिता चुनाव, अटकलें हैं कि गठित होने वाली प्रदेश व जिला कार्यकारिणी में पुराने नेताओं की मौजूदगी प्रमुखता से दिखाई दे सकती है

सौरभ सोनी ● नईदुनिया

भोपाल: मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के मोर्चा संभालते ही संगठन की विचारधारा से दाएं-बाएं होने वाले नेताओं को पहले ही चेतावनी दे दी गई है तो वहीं जिलों में जाकर रूठे और उपेक्षित नेताओं में जान फूंकने की कवायद खुद खंडेलवाल कर रहे हैं। वह कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनके साथ भोजन पर चर्चा कर रहे हैं। इस आयोजन में मंत्री, विधायक, सांसद और वरिष्ठ नेताओं का बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मेलजोल बढ़ाया जा रहा है। इससे इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि गठित होने वाली प्रदेश व जिला कार्यकारिणी में पुराने नेताओं की मौजूदगी प्रमुखता से दिखाई दे सकती है। वहीं डेढ़ साल बाद नगरीय निकाय, पंचायत और सहकारिता चुनाव की तैयारी शुरू हो जाएगी। राज्य सरकार सहकारिता चुनाव कराने की भी बात कर रही है। ऐसे में खंडेलवाल का यह नवाचार महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं का बड़े नेताओं के साथ निरंतर संवाद और कामकाज के प्रति समर्पण बना रहे, इस उद्देश्य से खंडेलवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र बैतूल से इसकी शुरूआत कर दी है। वह तीन माह तक प्रदेश के सभी संगठनात्मक 62 जिलों का दौरा करेंगे। इससे पहले वह ग्वालियर, जबलपुर और रीवा संभाग का दौरा कर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर चुके हैं।

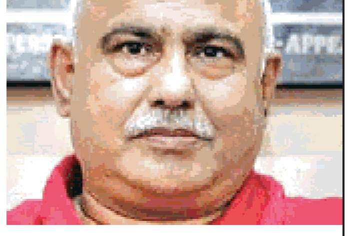
हेमंत खंडेलवाल। फाइल

पुराने कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रहे जामवाल

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल जिला और मंडल कार्यकर्ताओं के अलावा पार्टी के उपेक्षित और पुराने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। जामवाल, पार्टी कार्यकर्ताओं के शिकवे शिकायतें भी धैर्य के साथ सुन रहे हैं। हाल ही में जामवाल ने रायसेन और इंदौर पहुंचकर कार्यकर्ताओं की बैठकें की थीं। वैसे तो जामवाल का मुख्यालय रायपुर है, लेकिन वह संगठन को मजबूत करने की दिशा में मप्र के सभी अंचलों में का दौरा कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। प्रमुख मंदिरों का दर्शन कर रहे हैं, पुराने नेताओं के निवास जाकर भेंट कर रहे हैं। समूह से लेकर प्रत्येक कार्यकर्ताओं से मेल मुलाकात कर वह रात्रि का भोजन भी कार्यकर्ताओं के साथ ही कर रहे हैं। जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी विभिन्न स्तरों पर कार्य करने वाले कार्यकर्ता सभी से निरंतर संवाद की पार्टी की अपनी परंपरा को अध्यक्षजी बड़ी ही गंभीरता और उदारता से निभा रहे हैं। – आशीष अग्रवाल, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी

वैचारिक तख्तापलट कर रही है भाजपा : सोनिया

▶ गणतंत्र की जगह 'धर्मतंत्र-आधारित कार्पोरेट राज्य' स्थापित करने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ पार्टी

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि संविधान खतरे में है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी अपनी शक्ति का इस्तेमाल उसी ढांचे को खत्म करने के लिए कर रही है जिसका वह लंबे समय से विरोध करती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की जगह कुछ ताकतवर लोगों की सेवा करने वाले एक 'धर्मतंत्र-आधारित कार्पोरेट राज्य' को स्थापित करके ''वैचारिक तख्तापलट'' करने की कोशिश कर रही है।

'संवैधानिक चुनौतियां – परिप्रेक्ष्य और मार्ग' विषय पर आयोजित 'राष्ट्रीय विधि सम्मेलन' में पढ़े गए अपने विशेष संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि संविधान को कमजोर करने के हर प्रयास का कांग्रेस संसद में, अदालतों में और सड़कों पर विरोध करेगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आज संविधान खतरे में है। भाजपा-आरएसएस, जिन्होंने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी और न ही समानता को बरकरार रखा, अब अपनी शक्ति का इस्तेमाल उसी ढांचे को ध्वस्त करने के लिए कर रहे हैं जिसका वे लंबे समय से विरोध करते रहे हैं। उनके वैचारिक पूर्वजों ने मनुस्मृति का महिमामंडन किया, तिरंगे को नकारा और एक हिंदू राष्ट्र की कल्पना की, जहां लोकतंत्र खोखला हो। सत्ता में रहते हुए संस्थाओं को नष्ट किया, असहमति को अपराध घोषित किया, अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया और दलितों, आदिवासियों, ओबीसी और मेहनतकश गरीबों से विश्वासघात किया। अब वे धर्मनिरपेक्षता को मिटाना चाहते हैं, जो आंबेडकर के समान नागरिकता के दृष्टिकोण के स्तंभ हैं।

सोनिया गांधी। फाइल

****

13 किलो से ज्यादा हेरोइन के साथ तीन तस्करों को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक से चार किलो 720 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। वहीं, दो तस्करों को आठ किलो 301 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार कर लिया।

कुलगाम मुठभेड़ में ढेर किए गए तीन आतंकवादी, एक सुरक्षाकर्मी घायल

दो और आतंकी घेराबंदी में फंसे, आपरेशन जारी, हथियार बरामद

डीजीपी और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी स्वयं रख रहे पूरे अभियान पर नजर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अक्खाल इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ के बीच तैनात सुरक्षाकर्मी। प्रेट्र

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिला में बीते 24 घंटे से जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। उनके अन्य साथियों को ढेर करने का अभियान जारी है। घेराबंदी में दो और आतंकियों के फंसे होने की संभावना है। इस दौरान एक सुरक्षाकर्मी भी गोली लगने से जख्मी हुआ है और उसे श्रीनगर स्थित सेना के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि सूत्रों ने बताया है कि मुठभेड़ में सभी पांच आतंकी मारे गए हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने इससे इन्कार करते हुए कहा कि अभियान जारी है।

कुलगाम के अंतर्गत देवसर के ऊपरी हिस्से में अक्खाल जंगल में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) ने सेना की नौ आरआर, सात पैरा और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर अभियान चलाया था। मुठभेड़ शुक्रवार देर शाम करीब सात बजे शुरू हुई थी। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और सेना के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं कुलगाम में इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि तीन आतंकी मारे गए थे। इसके बाद करीब एक घंटे तक आतंकियों की तरफ से कोई गोली नहीं चली और सुरक्षाबलों को लगा कि सभी आतंकी मारे गए हैं। उनके शवों को कब्जे में लेने के लिए सुरक्षाबल ने जब आगे बढ़ने का प्रयास किया तो जंगल में पेड़ों और पत्थरों की ओट में छिपे उनके अन्य साथियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस पर जवानों ने भी जवाबी फायर किया। इस दौरान सेना के एक जवान ने आगे बढ़कर आतंकियों को मार गराने का प्रयास किया, लेकिन इस क्रम में वह गोली लगने से जख्मी हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों ने बताया कि कुल पांच आतंकियों का एक गुट था और इन सभी के मारे जाने की संभावना है। अलबत्ता, संबंधित पुलिस अधिकारियों ने अभी तक तीन आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि की है। तीनों स्थानीय आतंकी हैं।

छह दिन में आठ आतंकी मारे जा चुके

पिछले छह दिन में जम्मू-कश्मीर में तीन मुठभेड़ में अब तक आठ आतंकी मारे गए हैं। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम में आपरेशन महादेव में तीन पाकिस्तानी आतंकी मारे गए थे। मारे गए आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे। इसके बाद 30 जुलाई को पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया था। अब कुलगाम मुठभेड़ में तीन आतंकी मारे जा चुके हैं।

डंकी रूट से अमेरिका भेजने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

जासं, हजारीबाग

▸ हजारीबाग से 13 लोगों को अमेरिका भेज चुका है यह गिरोह

अमेरिका में नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी और मानव तस्करी के मामले में झारखंड पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह 'डंकी रूट' के माध्यम से युवाओं को अवैध रूप से विभिन्न देशों के रास्ते अमेरिका भेजने में संलिप्त था। डंकी रूट एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसके जरिए लोग बिना किसी वैध वीजा या दस्तावेज के विदेश में दाखिल होते हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए पुलिस ने गिरोह सरगना अमेरिका निवासी उदय कुमार कुशवाहा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि सोनू कुमार ने दर्ज शिकायत में बताया कि उदय ने अमेरिका में नौकरी दिलाने का झांसा देकर वर्ष 2024 में उसे और दो अन्य युवकों को मोटी रकम लेकर अपने गिरोह के जरिए दिल्ली से ब्राजील भेजा। वहां से उन्हें 'डंकी रूट' के माध्यम से चोरी-छिपे कई देशों से होते हुए मैक्सिको पहुंचाया। इसके बाद अमेरिका के सैन डिएगो बार्डर पर गिरफ्तार कर लिया। भारत लौटे सोनू ने बताया कि अमेरिका में प्रवेश दिलाने के नाम पर उदय ने उसके पिता से 45 लाख रुपये वसूले, जो उन्होंने अपनी पैतृक जमीन बेचकर जुटाए थे। यह राशि उदय के सहयोगियों को दी गई थी। सोनू ने बताया कि ब्राजील में गिरोह के लोगों ने उसे बंधक बना लिया था और फिरौती मांगी गई। किसी तरह पैसे भेजने के बाद उसे आगे विभिन्न देशों के रास्ते अमेरिका भेजा गया। जैसे ही वह अमेरिका की सीमा पर पहुंचा, उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

सात लड़कियां मानव तस्करों के चंगुल से कराई गई मुक्त

जासं, गलगलिया (किशनगंज): सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने शुक्रवार की देर शाम जांच के दौरान सात नेपाली लड़कियों को मानव तस्करों के चुंगल से मुक्त कराया। पकड़ी गई लड़कियों में एक नाबालिग है। एसएसबी ने दो मानव तस्करों, जपान गुरुंग (नेपाल) व दीपेश गुरुंग (नक्सलबाड़ी, बंगाल) को भी गिरफ्तार किया है। खोरीबारी थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया गया है। सभी लड़कियों को सेफ होम सिलीगुड़ी भेजा गया है। जांच-पड़ताल के बाद लड़कियों को उनके स्वजन के हवाले किया जाएगा। आरोपितों ने सभी लड़कियों को बंगाल में सुरक्षित स्थान पर लाने के बाद उनका जाली भारतीय दस्तावेज तैयार किया था।

द केरल स्टोरी को मिले पुरस्कार से विजयन और उनके मंत्री भड़के

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : द केरल स्टोरी को राष्ट्रीय फिल्म सम्मान दिए जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भड़क उठे हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने शनिवार को कहा कि इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देना सांप्रदायिक नफरत फैलाने के लिए फिल्मों के दुरुपयोग के प्रयासों का समर्थन मात्र है। उन्होंने फिल्म समुदाय से एकजुट होकर ऐसे कदमों का विरोध करने का आग्रह किया।

विजयन ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ऐसी फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जो केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपराओं का अपमान करती है और दुनिया के सामने उसे बदनाम करती है। उन्होंने केरल फिल्म नीति सम्मेलन का उद्घाटन करने से पहले कहा, "यह भारतीय सिनेमा की महान सांस्कृतिक विरासत का भी अपमान करता है और संदेश देता है कि कला का इस्तेमाल देश की धर्मनिरपेक्षता को नष्ट करने और उसकी जगह सांप्रदायिकता लाने के लिए किया जाना चाहिए।" वहीं, केरल के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री साजी चेरियन ने आरोप लगाया कि यह सम्मान संघ परिवार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा है। निर्देशक सुदीप्तो सेन को द केरल स्टोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है।

न्यूज गैलरी

कुत्ते का जूठा भोजन परोसा, 78 को एंटी रेबीज का टीका

बलौदा बाजार : छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले के लच्छनपुर गांव के सरकारी स्कूल में सातवीं और आठवीं कक्षा के 78 विद्यार्थियों को कुत्ते का जूठा भोजन दिया गया। इस घटना के बाद चिंतित अभिभावकों ने बच्चों को अस्पताल ले जाकर एंटी-रेबीज का टीका लगवाया। कलेक्टर दीपक सोनी ने जूठा भोजन परोसने वाले महिला स्व सहायता समूह को कार्य से हटा दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रधान पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। (नईदुनिया)

पीएम ग्राम सड़क योजना में 400 करोड़ का घोटाला

भोपाल: मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 400 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच लोकायुक्त संगठन ने आरंभ की है। यह शिकायत पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने सीएजी की रिपोर्ट के आधार पर की थी। लोकायुक्त अब संबंधित अधिकारियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगेगा, जिसके बाद एफआइआर दर्ज करने पर निर्णय लिया जाएगा। ठेकेदारों द्वारा डामर (बिटुमिन) की खरीद में 400 करोड़ से अधिक की गड़बड़ी के आरोप हैं। मामला 2017 से 2021 के बीच का है। (नईदुनिया)

ऊंटों से टकराया वंदे भारत एक्सप्रेस, इंजन क्षतिग्रस्त

जयपुर : अहमदाबाद से जोधपुर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस पाली जिले में दो ऊंटों से टकरा गई, जिससे ट्रेन के इंजन का आगे का हिस्सा टूट गया। घटना के कारण ट्रेन लगभग 20 मिनट तक रुकी रही। इंजन की मरम्मत कर इसे रवाना किया गया। जोधपुर मंडल के वरिष्ठ उप प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि घटना शुक्रवार रात आबूरोड-मारवाड़ जंक्शन के नानामोरीबेरा रेलवे स्टेशन के निकट हुई। ट्रेन तेज गति से चल रही थी, तभी ऊंट ट्रैक पर आ गए। (जासं)

रेलवे इंजीनियर को रिश्वत में तीन साल की सजा

जोधपुर : जोधपुर में सीबीआइ अदालत ने उत्तर पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर राम हरि मीणा को रिश्वत में तीन साल कैद सजा सुनाई है। मामला 2019 का है, जब सीबीआइ ने मीणा को 25,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा था। मीणा, जो उस समय सूरतगढ़ में तैनात थे। (जासं)

पुणे के यवत में सांप्रदायिक हिंसा में 18 गिरफ्तार, 500 से अधिक पर केस दर्ज

पुणे, प्रेट्र : पुणे जिले के यवत गांव में एक वाट्सएप पर कथित आपत्तिजनक स्टेटस को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने 18 लोगों को गिरफ्तार किया है और 500 से अधिक के खिलाफ पांच एफआइआर दर्ज की हैं। आपत्तिजनक स्टेटस पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार आरोपियों में शामिल है, साथ ही दौंड तहसील के यवत में आगजनी और तोड़फोड़ में कथित संलिप्तता के लिए 17 अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय अदालत ने उनमें से 15 को चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

यवत गांव में शुक्रवार दोपहर सांप्रदायिक तनाव भड़क उठा और हिंसा की घटनाएं हुईं, जिसमें पोस्ट से नाराज लोगों के कई समूहों ने तोड़फोड़ की और संपत्तियों को आग लगा दी। यवत पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि घटना में शामिल 100 से ज्यादा लोगों की पहचान हो चुकी है। भीड़ ने ने एक मोटरसाइकिल, दो कारों, एक धार्मिक स्थल और एक बेकरी को निशाना बनाया और आगजनी की।

शिव मंदिर में पूजन सामग्री बेच रहे मुस्लिमों की दुकान बंद कराने पर हंगामा

जागरण संवाददाता, महराजगंज

▸ बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के आपत्ति जताने पर दुकानदारों ने कहा-मेला प्रशासन ने दी है दुकान

▸ कार्यकर्ताओं व दुकानदारों में हुई नोकझोंक, पूजन सामग्री छोड़ अन्य सामान बेचने पर बनी सहमति

पंचमुखी शिवमंदिर ईटहिया में दुकानदार से नोकझोंक करते बजरंग दल के कार्यकर्ता। जागरण

शिव मंदिर परिसर में मुस्लिम युवकों के पूजन सामग्री बेचने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। मंदिर परिसर में मुस्लिम युवकों की दुकानें बंद कराने पर दोनों पक्षों में नोकझोंक भी हुई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पुलिस-प्रशासन के प्रयास से सहमति बनी कि मुस्लिम दुकानदार पूजन सामग्री के अलावा अन्य सामान मेला परिसर में बेच सकते हैं। इसके बाद तीनों दुकानदारों ने दुकान में रखी पूजन सामग्री हटा ली।

ईटहिया पंचमुखी शिव मंदिर में एक माह तक श्रावणी मेला चलता है। यहां पूजन सामग्री, खिलौने और श्रृंगार की दुकानें लगती हैं। वाहिद, अलाउद्दीन तथा शमशेर ने यहां दुकान लगाने के लिए मंदिर समिति से 2500 रुपये की रसीद कटाकर भूमि आवंटित कराई है। सावन माह की शुरुआत से ही वे नारियल, बेलपत्र और फूल पत्ती जैसी पूजन सामग्री बेच रहे हैं। शनिवार सुबह बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल संगठन के अन्य सदस्यों संग पहुंचे और मुस्लिम दुकानदारों द्वारा पूजन सामग्री बेचने का विरोध करते हुए दुकान बंद करने का दबाव बनाया। दुकानदारों के मना करने पर विवाद शुरू हो गया। पुलिस ने बजरंगदल के कार्यकर्ताओं को समझाकर शांत कराया। कोतवाल महेंद्र मिश्रा ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। उप जिलाधिकारी नंदप्रसाद मौर्य ने बताया कि दोनों पक्षों में सहमति बना ली गई है।

पुरी में पेट्रोल हमले की शिकार नाबालिग की दिल्ली एम्स में मौत

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

ओडिशा के पुरी स्थित बलंगा क्षेत्र में एक पखवारे पहले बदमाशों द्वारा जिंदा जलाने की कोशिश के बाद जिंदगी और मौत से जूझ रही नाबालिग पीड़िता का शनिवार को दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। मालूम हो कि पुरी में भार्गवी नदी के तट पर 19 जुलाई की सुबह तीन अज्ञात लोगों ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसे आग लगा दी थी। घटना के वक्त लड़की अपनी एक सहेली से मिलने के बाद घर लौट रही थी। उसकी मां ने बलंगा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया था कि तीन लोगों ने रास्ते में रोककर उनकी बेटी का अपहरण कर लिया और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना में वह 70 प्रतिशत से ज़्यादा जल गई थी। उसे एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया था। स्थिति बिगड़ने के बाद 20 जून को उसे एयर एंबुलेंस से दिल्ली में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को ओडिशा पुलिस ने दिल्ली एम्स में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पीड़िता का बयान दर्ज किया था। घटना को लेकर ओडिशा में खूब हंगामा मचा था।

मुख्यमंत्री ने घटना को बताया दुखद : ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि मैं इस दुखद खबर से आहत हूं। ओडिशा सरकार और एम्स दिल्ली के डाक्टरों की हर कोशिश के बावजूद हम उसकी जान नहीं बचा सके। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है और कहा है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने भी अपनी संवेदना व्यक्त की।

मालूम हो कि घटना को लेकर 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी, कि ऐसी घटनाओं पर हम शर्मिंदा हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा था कि ग्रामीण इलाकों की स्कूली लड़कियों, घरेलु महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए।

दाम्पत्य जीवन फिर शुरू करने की शर्त पर अग्रिम जमानत संबंधी आदेश खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने दाम्पत्य जीवन फिर शुरू करने की शर्त पर दी गई अग्रिम जमानत रद कर दी है। शीर्ष अदालत ने अग्रिम जमानत देने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने एक व्यक्ति को इस शर्त पर अग्रिम जमानत दी थी कि वह अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक जीवन जारी रखेगा तथा उसका सम्मान और गरिमा के साथ भरण-पोषण करेगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि वह व्यक्ति तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के तहत दर्ज मामले में आरोपित है।

पीठ ने 29 जुलाई के अपने आदेश में कहा, हाई कोर्ट को अग्रिम जमानत के आवेदन पर पूरी तरह से तय मापदंडों के आधार पर विचार करना चाहिए था, न कि कोई शर्त लगानी चाहिए थी, जो पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 438(2) से संबद्ध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश हाई कोर्ट के फरवरी 2025 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर पारित किया।

▸ हाई कोर्ट को अग्रिम जमानत याचिका पर मापदंडों के आधार पर विचार करना चाहिए था : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान महिला की ओर से पेश वकील ने कहा कि आरोपित ने महिला के साथ मिलकर हाई कोर्ट में संयुक्त रूप से कहा था कि वह अपना वैवाहिक जीवन फिर से शुरू करने को तैयार है। वह अब अपनी बात से नहीं पलट सकता। पीठ ने कहा कि वकील इस मायने में आंशिक रूप से सही हैं कि व्यक्ति वैवाहिक जीवन फिर से शुरू करने के लिए सहमत हो गया था। हालांकि, महिला ने एक और शर्त लगाने पर जोर दिया, जिस पर हमें नहीं लगता कि अपीलकर्ता (पुरुष) सहमत हुआ है। प्रतीत होता है कि पति-पत्नी अलग हो गए थे और कुछ समय तक अलग-अलग रहे थे। यह शर्त लगाना कि अपीलकर्ता महिला का सम्मान और गरिमा के साथ पालन-पोषण करेगा, जोखिम भरा है क्योंकि इससे आगे मुकदमेबाजी बढ़ सकती है।

मोहित बनकर युवती से की शादी, फिर जबरन मतांतरण

जागरण संवाददाता, बहराइच

▸ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने किया किनारा

▸ पीड़िता ने उच्चाधिकारियों समेत मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

हिमाचल प्रदेश की रहने वाली युवती को हिंदू बनकर प्रेमजाल में फंसाया गया। मंदिर में विवाह रचाकर जब युवती बहराइच जिले नानपारा निवासी प्रेमी के घर पहुंची तो युवक के मुस्लिम होने का पता चला। विरोध किया तो जबरन मतांतरण करा दिया गया। पुलिस ने भी दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर मामले को दबा दिया। पीड़िता ने मुख्यमंत्री समेत उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

युवती का आरोप है कि उसके पिता व्यापार के सिलसिले में नेपाल में रहते हैं। घर के बगल ही बहराइच निवासी राजाबाबू अंसारी फर्नीचर की दुकान चलाता था। युवक ने हिंदू युवक मोहित ठाकुर बनकर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया। सात फरवरी 2024 को युवक ने मंदिर में ले जाकर उससे शादी रचाई। जब वह आरोपित के घर पहुंची तो उसके मुस्लिम होने की जानकारी हुई। विरोध करने पर उसे प्रताड़ित किया गया। जबरन मतांतरण कराकर निकाह कराया गया। आरोप है कि पुलिस ने सात मई 2025 को राजाबाबू अंसारी, शमशुद्दीन अंसारी, जाकिर व हसीना बानो के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा लिखकर मतांतरण के मामले को दबा दिया है। सीओ नानपारा प्रद्युम्न कुमार सिंह ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ जबरन मतांतरण की धारा भी लगाई गई है।

प्रेमजाल में फंसा किया दुष्कर्म

जासं, श्रावस्ती: एक युवती को साथ में पढ़ रहे मुस्लिम युवक समीर ने प्रेमजाल में फंसा लिया। उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बना लिया। मतांतरण करके निकाह करने अन्यथा जान से मारने की धमकी दी। युवती के मना करने पर आरोपित इकौना नगर निवासी समीर ने 30 जुलाई को छात्रा का अश्लील वीडियो प्रसारित कर दिया। मामला बिगड़ते देख पीड़िता ने पिता के साथ थाने पहुंचकर आरोपित के विरुद्ध तहरीर दी।

दुर्ग में गिरफ्तार ननों को मिली जमानत

नईदुनिया प्रतिनिधि, दुर्ग : छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार की गई दो नन प्रीति मेरी, वंदना फ्रांसिस और पास्टर सुखमन मंडावी को आठ दिनों बाद शनिवार को बिलासपुर स्थित एनआइए की विशेष अदालत से जमानत मिल गई। उन पर नारायणपुर की तीन आदिवासी युवतियों की मानव तस्करी और मतांतरण का आरोप है।

अदालत ने ननों के पासपोर्ट जब्त करने और देश छोड़ने पर रोक लगाने का आदेश दिया है। एनआइए कोर्ट के आदेश के बाद तीनों को केंद्रीय जेल दुर्ग से रिहा कर दिया गया। जेल के बाहर सीपीआइ सांसद पी. संदोष कुमार और केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर सहित अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। ननों को पद्मनाभपुर स्थित विश्वदीप स्कूल के चर्च में ले जाया गया, जहां उनका स्वागत किया गया। बता दें कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने 25 जुलाई को दोनों ननों और पास्टर को पकड़कर जीआरपी को सौंपा था।

बिहार में घर के सामने पेशाब करने से मना किया तो कैंची से कर दी हत्या

जासं, मधवापुर (मधुबनी) : बिहार के मधुबनी जिले में घर के सामने पेशाब करने से मना करने पर एक स्वच्छता कर्मी की हत्या कर दी गई। स्वच्छता कर्मी 45 वर्षीय जीबछ मुखिया को उसके ही चचेरे भाई ने कैंची से गोदकर मार डाला। मधवापुर पुलिस ने हत्यारोपी चचेरे भाई राजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से खून लगी एक कैंची भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, राजीव मुखिया अपने चचेरे भाई जीबछ के घर के पास पेशाब करता था। जब जीबछ ने उसे मना किया, तो दोनों में बहस होने लगी। आक्रोशित होकर राजीव घर से कैंची ले आया और जीबछ के गले में घोंप दिया। जीबछ के गले से खून बहने लगा और वह गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने उसे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। राजीव अक्सर ही जीबछ के घर के आगे ऐसी हरकत करता था। मधवापुर थानाध्यक्ष पंकज कुमार चौधरी ने बताया कि हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुरस्कार

स्वतंत्रता दिवस पर चारों सरपंचों को सम्मानित करने के लिए बुलाया गया, सरपंचों ने स्वच्छता मिशन के क्षेत्र में किया है उत्कृष्ट कार्य, जल शक्ति मंत्रालय की टीम ने किया है सरपंचों का चयन

हरियाणा के चार सरपंच बने स्वच्छता प्रहरी, पीएम करेंगे सम्मानित

सुभाष डागर ● जागरण

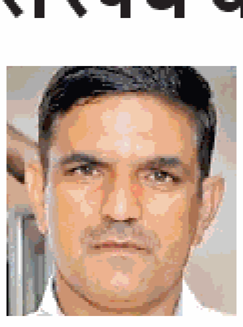

रविंद्र सिंह बांकुरा

सुमित्रा देवी

रतनपाल सिंह

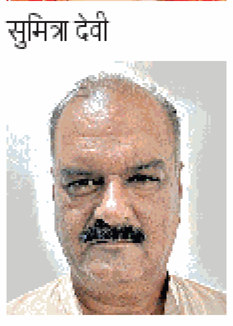

जसमेर सिंह

बल्लभगढ़ : हरियाणा के चार सरपंचों को स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली में सम्मानित करेंगे। सरपंचों का चयन जल शक्ति मंत्रालय की टीम ने उनके गांवों का दौरा कर किया है। जिन सरपंचों का चयन हुआ है, उनमें फरीदाबाद के बहादुरपुर गांव के सरपंच रविंद्र सिंह बांकुरा, भिवानी जिले के शेरपुरा गांव की सरपंच सुमित्रा देवी, महेंद्रगढ़ नीरपुर राजपूत गांव के सरपंच रतनपाल सिंह तथा करनाल के सुल्तानपुर गांव के सरपंच जसमेर सिंह शामिल हैं। सरपंचों को निमंत्रण मिल चुका है।

बहादुरपुर गांव के सरपंच सरपंच बांकुरा ने किया कमाल : फरीदाबाद के बहादुरपुर गांव में सरपंच रविंद्र सिंह बांकुरा ने जल संरक्षण के लिए गांव की जोहड़ के पानी को फसलों की सिंचाई में प्रयोग करने के लिए खेतों में पाइप लाइन डलवाई है। हर पांच एकड़ पर पानी के लिए निकास बनाया। इससे भूजल संरक्षण हो रहा है। स्कूल के प्रांगण को पांच लाख रुपये की लागत से पार्क बनवाया और वहां घूमने के लिए टाइलों से ट्रैक बनाया है। ट्रैक के साथ हैज लगवाई और पीपल, पिलखन के पौधे लगाए हैं। हर घर से कचरा उठवाते हैं और गांव में कहीं पर कचरा नहीं है।

शेरपुर गांव की महिला सरपंच सुमित्रा बनीं उदाहरण: भिवानी जिले शेरपुर गांव की महिला सरपंच सुमित्रा देवी ने अपने गांव में एक एकड़ भूमि में पार्क बनवाया। पार्क में ग्रामीणों के लिए ओपन जिम बनवाया है। गांव में फिरनी बनवाई है। पूरे गांव में कहीं पर कचरा नहीं है। गांव की नालियों के दूषित पानी को संरक्षित करने के लिए एक जगह पर एकत्रित करके सोखते गड्ढे बनवाए हैं। पूरे गांव में स्ट्रीट लाइट लगवाई हैं। पूरा गांव साफ-सुथरा है। इस चमकदार प्रदर्शन के चलते सुमित्रा देवी का नाम फाइनल हुआ।

महेंद्रगढ़ के नीरपुर गांव का रतनपाल ने किया कायाकल्प

महेंद्रगढ़ नीरपुर गांव के सरपंच रतनपाल सिंह ने अपने गांव में जो कच्ची जोहड़ ठप पड़ी हुई थी, उनको खोदवाया है। जल संरक्षण के लिए नहर से जोहड़ों में पानी भरवाया है। नालियों के दूषित पानी को संरक्षित करने के लिए सोखते गड्ढे बनवाए। गांव में छह एकड़ भूमि में रात-दिन खेलने के लिए ग्रामीण स्टेडियम में बनवाया। सिंथेटिक ट्रैक का काम चल रहा है। मेरा गांव नशा मुक्त है। स्ट्रीट लाइट लगवाई हैं। एक तरह से उन्होंने गांव की सूरत ही बदल दी।

करनाल के सुल्तानपुर गांव के सरपंच ने दिया जल संरक्षण को बढ़ावा

करनाल के सुल्तानपुर गांव के सरपंच जसमेर सिंह ने जल संरक्षण के लिए जोहड़ को फाइव पौंड बनाया है। इसमें नालियों के दूषित पानी को साफ करके संरक्षित किया जाता है। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी सरपंच को सम्मानित कर चुके हैं। स्वच्छता में पूरे गांव में कहीं पर भी कचरा की एक भी ढेरी देखने को नहीं मिलती। सरपंच रोजाना दो घंटे सफाई करते हैं और कर्मचारियों से करवाते हैं। पार्क, आंगनबाड़ी, अस्पताल साफ और सुथरे बनवाए हैं।

****

ग्राम पंचायत का फैसला, जर्दा, बीड़ी-सिगरेट बेचने पर लगेगा जुर्माना

« मुक्तसर जिले के गांव कटोरेवाला में ग्राम पंचायत की तरफ से पारित प्रस्ताव के संबंध जानकारी देते पंचायत सदस्य। जागरण

जागरण संवाददाता, मुक्तसर

पंजाब में मुक्तसर के कटोरेवाला गांव की पंचायत ने नशे की रोकथाम के लिए शनिवार को एक प्रस्ताव पारित कर गांव में तंबाकू, जर्दा, कूललिप, बीड़ी और सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रस्ताव में कहा गया कि यदि कोई व्यक्ति इन वस्तुओं की बिक्री करते हुए पकड़ा गया तो उसे 11 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा।

पंचायत में सरपंच हरप्रीत कौर के नेतृत्व में यह प्रस्ताव पारित किया गया। इस निर्णय के अनुसार, यदि कोई किराना स्टोर संचालक अपनी दुकान पर कूललिप, चूना, खैनी, जर्दा या बीड़ी-सिगरेट बेचता हुआ पाया गया तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। पंचायत ने यह भी स्पष्ट किया कि गांव में कोई दुकानदार एनर्जी ड्रिंक भी नहीं बेचेगा। श्मशान घाट, स्कूल या वाटर वर्क्स में नशा करने या बेचने पर भी सख्त कार्रवाई होगी।

4.10 लाख श्रद्धालुओं ने इस साल अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन किए। पिछले वर्ष 5.10 लाख के करीब श्रद्धालुओं ने माथा टेका था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 3 अगस्त, 2025

न्यूज गैलरी

प्रेमिकाओं से मिलने आए युवकों को पेड़ से बांधकर पीटा

अहमदाबाद : गुजरात के गोधरा के गांव में अपनी- अपनी प्रमिकाओं से मिलने आए प्रेमियों की गांव वालों ने पेड़ से बांधकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो प्रसारित होने पर पुलिस ने वीडियो में नजर आ रहे 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गोधरा जिले की शेहरा तहसील के गांव ताड़वा की दो लड़कियों से मिलने पहुंचे नजदीक के मीठापुर गांव के दो युवकों को गांव वालों ने पकड़ लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों को पेड़ से बांधकर लकड़ी व पाइप से पीटा। इतना ही नहीं भीड़ ने उन दोनों लड़कियों को भी पीटा। (राब्यू)

रामनगर में चार अवैध मजारों पर गरजा बुलडोजर

रामनगर (नैनीताल) : प्रदेश सरकार की सख्ती के बाद अवैध मजार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शनिवार को रामनगर में चली। तीन रिसोर्ट के परिसर और वन विभाग की जमीन पर बनी मजारों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। रिसोर्ट मालिकों ने प्रशासन से इन मजारों के ध्वस्तीकरण का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि जब रिसोर्ट निर्माण के लिए उन्होंने जमीन ली थी, तब इनमें छोटी मजार बनी थी। विवाद की आशंका के चलते उन्होंने निर्माण के दौरान मजारों से कोई छेड़छाड़ नहीं की। रामनगर क्षेत्र में अब तक प्रशासन आठ अवैध मजारें ध्वस्त कर चुका है। बीते दिनों रेलवे की जमीन पर बनी मजार को हटाई गई थी। (जासं)

थप्पड़ मारने वाले यात्री पर इंडिगो ने लगाया उड़ान प्रतिबंध

नई दिल्ली: विमानन कंपनी इंडिगो ने मुंबई-कोलकाता उड़ान के दौरान शुक्रवार को सहयात्री को थप्पड़ मारने वाले शख्स पर उड़ान प्रतिबंध लगा दिया है। यह कितने समय के लिए लगाया गया इसकी जानकारी नहीं दी गई है। कोलकाता में विमान से उतरने के बाद उस व्यक्ति को सुरक्षा अधिकारियों को सौंप दिया गया था। इस बीच, थप्पड़ खाने वाले हुसैन अहमद कोलकाता में उतरने के बाद से लापता हैं। वह असम के रहने वाले हैं। अहमद के परिवार ने उनकी तलाश के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा से गुहार लगाई है। उनके पिता के मुताबिक, मुंबई से निकलने से पहले अहमद ने उन्हें एक अन्य नंबर से काल कर बताया था कि उसका फोन खो गया है। (जेएनएन)

राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के साथ रैगिंग

जयपुर : जयपुर के राजस्थान विश्वविद्यालय में विज्ञान प्रथम वर्ष के 35 छात्र-छात्राओं के साथ रैगिंग का गंभीर मामला सामने आया है। पिछले एक सप्ताह से तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा इनकी रैगिंग की जा रही थी। इस दौरान उन्हें कक्षा में बंद कर नृत्य करने के लिए मजबूर किया जाता था। वरिष्ठ छात्रों ने पीड़ितों को किसी को बताने पर प्रताड़ना की धमकी भी दी। जब दो छात्राओं ने इस बारे में अपने परिचितों को बताया तो मामला अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र नेताओं तक पहुंचा। शनिवार को छात्र नेता विश्वविद्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। छात्र नेता रोहित मीणा के नेतृत्व में छात्रों ने रैगिंग रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। विवाद बढ़ने पर प्रोफेसर ज्योति शर्मा ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच समिति गठित की है। (जासं)

दो लाख के इनामी समेत आठ माओवादी गिरफ्तार

सुकमा : छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों ने हाल ही में दो दिनों में आठ सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक दो लाख का इनामी माओवादी भी शामिल है। उनके पास से टिफिन बम, डेटोनेटर और जिलेटिन राड जैसी विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। शनिवार को जंगल में सर्चिंग के दौरान दो लाख रुपये के इनामी पोड़ियामी नंदा के साथ हेमला जोगा और हेमला गंगा को दबोचा गया। इसके पहले शुक्रवार को अभियान में कई माओवादियों को गिरफ्तार किया गया। (नईदुनिया)

दुष्कर्म में देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद, 10 लाख रुपये का जुर्माना भी

रेवन्ना के खिलाफ दर्ज हैं यौन शोषण और दुष्कर्म के चार मामले, एक मामले में मिली है सजा

केस दर्ज कराने के 14 माह बाद आया फैसला, प्रज्वल के खिलाफ दर्ज हैं चार मामले

सजा सुनाए जाने के बाद पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया। प्रेट्र

बेंगलुरु, प्रेट्र : विशेष अदालत ने शनिवार को पूर्व सांसद और निलंबित जदएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के मामले में शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पौत्र पर कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और निर्देश दिया कि इसमें से 11.25 लाख रुपये पीड़ित महिला को दिया जाए। 34 वर्षीय रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण और दुष्कर्म के चार मामले दर्ज हैं, जिनमें से एक मामले में विशेष अदालत ने शुक्रवार को उन्हें दोषी करार दिया था।

यह मामला एक 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के गन्निकाडा स्थित प्रज्वल के पारिवारिक फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। 2021 में उसके साथ दो बार हासन फार्महाउस और बेंगलुरु स्थित आवास पर दुष्कर्म किया गया और प्रज्वल ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकार्ड कर लिया। यह मामला पिछले साल अप्रैल में प्रकाश में आया था, जब लोकसभा चुनाव से पहले यौन उत्पीड़न के वीडियो लीक हो गए थे। केस दर्ज किए जाने के महज 14 महीने बाद प्रज्वल को यह सजा सुनाई गई है। मामले की जांच करने वाली एसआइटी ने सितंबर, 2024 में 1,632 पृष्ठों का आरोपपत्र दायर किया था। इसने मामले में 113 गवाह पेश किए।

आइएएनएस के अनुसार, विशेष लोक अभियोजक ने विशेष अदालत से प्रज्वल रेवन्ना को अधिकतम सजा देने का आग्रह किया। सजा की अवधि पर बहस करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी सजा समाज को सख्त संदेश देगी। पीड़िता की ओर से पेश हुए विशेष लोक अभियोजक बीएन जगदीश ने कहा कि महिला एक गरीब और अशिक्षित घरेलू कामगार थी, जो 10 हजार रुपये प्रति माह कमाती थी। उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया गया, उसे ब्लैकमेल किया गया और घर से भागने पर मजबूर किया गया। वह एक शक्तिशाली अपराधी का आसान निशाना बन गई। वीडियो देखने के बाद उसने आत्महत्या करने के बारे में भी सोचा।

'राजनीति में तेजी से आगे बढ़ना मेरी एकमात्र गलती थी'

प्रज्वल रेवन्ना ने अदालत से कम सजा की मांग करते हुए दावा किया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया। उनकी एकमात्र गलती यह थी कि वह राजनीति में तेजी से आगे बढ़ रहे थे। प्रज्वल अदालत में रो पड़े। प्रज्वल ने कहा, मेरे विरोधी कहते हैं कि मैंने कई महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया है। लेकिन, कोई भी महिला स्वेच्छा से शिकायत दर्ज कराने के लिए सामने नहीं आई है। वे लोकसभा चुनाव से छह दिन पहले आई थीं। अभियोजन पक्ष उन्हें जानबूझकर लाया और उनसे शिकायत दर्ज कराई।

उप्र में खतरे के निशान पर गंगा-यमुना, घिरी लाखों की आबादी

वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और नमो घाट पानी में डूब गया है। जागरण

जागरण टीम, लखनऊ

- काशी में घाट व मंदिर डूबे, गलियों में नावें, प्रयागराज में 40 हजार बेघर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगातार वर्षा के चलते उफनाई सहायक नदियों केन-बेतवा, चंबल का पानी गंगा और यमुना में पहुंचने से बाढ़ की स्थिति निरंतर विकराल होती जा रही है। दो नदियों गंगा और यमुना से तीन तरफ से घिरा प्रयागराज शहर बाढ़ की चपेट में आ गया है। दोनों नदियां सुबह खतरे का निशान पार कर गईं। लगभग 40 हजार लोग बेघर हो चुके हैं। तीन लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है।

प्रशासन तथा आसपास के नगरीय क्षेत्र की 60 बस्तियां और जिले के 63 गांव बाढ़ से प्रभावित हो गए हैं। वाराणसी में भी गंगा खतरे के निशान पर पहुंच गई है। दशाश्वमेध क्षेत्र में शीतला माता मंदिर, गंगा मंदिर, जल पुलिस बूथ पूरी तरह से पानी में समा चुका है। मणिकर्णिका घाट के पूरी तरह से डूब जाने के बाद गलियां जलाजल हो चुकी हैं। शवदाह करने वालों को नौका से शव लेकर घाट की छत तक पहुंचना पड़ रहा है। शवदाह गलियों में भी होना आरंभ हो गया है। गलियों में नावें चलने लगी हैं। एक लाख से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित है।

हमीरपुर में बाढ़ पीड़ित सड़कों पर रातें बिताने को मजबूर हैं। पीड़ितों का आरोप है कि सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी उनकी खोज खबर लेने नहीं पहुंचे। फेसबुक पर एक पोस्ट प्रचलित हो रही है, जिसमें सांसद को खोजने वाले को डेढ़ सौ रुपये इनाम देने की बात भी लिखी है। कई बार सांसद से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन काल रिसीव नहीं की गई।

हिंदू बच्चों को उर्दू पढ़ने को किया मजबूर, मुस्लिम बच्चों से पिटवाया

जागरण संवाददाता, बिजनौर : कंपोजिट विद्यालय के शिक्षक मोहम्मद सलाउद्दीन ने हिंदू बच्चों को उर्दू पढ़ने के लिए मजबूर किया। जिन बच्चों ने उर्दू नहीं पढ़ी उन्हें मुस्लिम बच्चों से पिटवाया। शिक्षक ने कहा कि मंदिर और भगवान कुछ नहीं होता है। बीएसए ने शिक्षक को निलंबित कर दिया है।

कोतवाली देहात ब्लाक के गांव हरवंशपुर धारम के कंपोजिट विद्यालय के हिंदू धर्म के बच्चों का एक वीडियो प्रसारित हुआ था। इसमें बच्चे शिक्षक पर जबरन उर्दू पढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं। बच्चे कह रहे हैं कि शिक्षक उर्दू न पढ़ने वाले बच्चों को मुस्लिम बच्चों से पिटवाते हैं और नाम काटने की धमकी देते हैं। साथ ही मंदिर व भगवान पर भी टिप्पणी करते हुए कहते हैं कि भगवान और मंदिर कुछ नहीं होता है। क्या किसी ने भगवान को देखा है? हिंदू संगठनों ने भी शिक्षक के व्यवहार पर आपत्ति जताई थी।

इस्लाम स्वीकार नहीं करने पर घर में घुसकर महिला का गला रेता

- आरोपित शेख रईस गिरफ्तार, हत्या और एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज
- हिंदूवादी संगठनों ने बाजार बंद कराया, अतिरिक्त बल भेजा गया

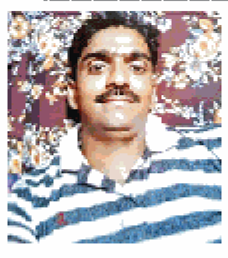
शेख रईस।

भाग्यश्री धानुक।

नईदुनिया प्रतिनिधि, बुरहानपुर : मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के नावरा गांव में मुस्लिम युवक ने इस्लाम स्वीकार कर निकाह नहीं करने पर अनुसूचित जाति की तलाकशुदा महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपित शेख रईस चाकू लहराते महिला के घर में घुसा और उसका गला रेतकर फरार हो गया। पुलिस ने घटना के कुछ समय बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ हत्या और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में केस दर्ज किया गया है।

घटना शुक्रवार रात 11 बजे की है। शेख रईस शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे भी हैं। उसने भाग्यश्री धानुक के घर पहुंचकर चाकू से कई वार किए। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। भाग्यश्री कुछ वर्ष पहले पति से तलाक के बाद मायके में रह रही थी। भाग्यश्री की बहन सुभद्रा ने बताया कि रईस पिछले काफी समय से उसकी बहन पर इस्लाम स्वीकार करने और निकाह करने का दबाव बना रहा था। उसने नेपानगर थाने में इसकी शिकायत भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उधर, घटना के विरोध में हिंदूवादी संगठनों ने बाजार बंद कराया।

श्री अमरनाथ यात्रा निर्धारित समापन से एक सप्ताह पहले निलंबित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा के पहलगाम व बालटाल दोनों मार्गों की मरम्मत व रखरखाव कार्य के चलते यात्रा को निर्धारित समापन से करीब एक सप्ताह पहले ही निलंबित कर दिया गया है। श्री अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी और नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन संपन्न होनी थी।

कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश और श्री अमरनाथ यात्रा के पहलगाम और बालटाल पर ट्रैक के रखरखाव की आवश्यकता के कारण दोनों रास्तों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रैक पर कर्मियों और मशीनरी की निरंतर तैनाती के कारण हम यात्रा को फिर से शुरू नहीं कर पाएंगे। इसलिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए दोनों मार्गों से तीन अगस्त से यात्रा निलंबित रहेगी।

शेष अवधि में भी अच्छी होगी बारिश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

जून से सितंबर के बीच चार महीने की मानसून अवधि का आधा हिस्सा बीत चुका है। इस दौरान सामान्य से सात प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। आमतौर पर मानसून के चारों महीनों में वर्षा की स्थिति एक समान नहीं रहती है। बीच में सूखे की स्थिति भी आती रहती है, लेकिन इस बार चारों महीने में सामान्य वर्षा का अनुमान है।

जून में सामान्य से 9% और जुलाई में 5% ज्यादा बारिश हुई है। किंतु इस दौरान बिहार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों को बारिश के लिए तरसना पड़ा है। बिहार में अब तक सामान्य से 40 प्रतिशत कम बारिश हुई है। अब इनका सूखा भी दूर होने जा रहा है। मानसून का ट्रैक दक्षिण एवं मध्य भारत से उत्तर की ओर खिसक गया है। मौसम की स्थितियां बता रही हैं कि अब तक जहां-जहां कम बारिश हुई है वहां अधिक वर्षा हो सकती है और जहां अधिक हुई है वहां मानसून कुछ दिन का ब्रेक ले सकता है। इस तरह सामान्य वर्षा का औसत बरकरार रह सकता है। मानसून ट्रैक के उत्तर की ओर खिसक जाने से हिमालय से निकलने वाली नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक अधिक बारिश का अनुमान है। ऐसा हुआ तो उत्तर बिहार को बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है। आइएमडी ने अगले एक हफ्ते के दौरान पूर्वोत्तर एवं आसपास के क्षेत्रों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा जारी रहने का अनुमान जताया है। तीन एवं चार अगस्त को उत्तरी बंगाल, बिहार, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

एटीएस को पता थी धमाके में प्रयुक्त बाइक की सच्चाई

मालेगांव विस्फोटकांड

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

- घटना के करीब दो साल पहले से कलसांगरा के कब्जे में थी बाइक
- संन्यास लेने के बाद प्रज्ञा ठाकुर ने वाहन का उपयोग कभी नहीं किया

पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी होने के बाद जमानती बांड पर हस्ताक्षर करने के बाद शनिवार मुंबई की एक अदालत से गाड़ी से बाहर निकलती हुईं। प्रेट्र

मुंबई : मालेगांव विस्फोटकांड की शुरुआती जांच एजेंसी एटीएस को शुरू से मालूम था कि जिस एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल को वह साध्वी प्रज्ञा की बता कर विस्फोटकांड के दस्तावेजों में स्थापित करने जा रही है, वह वास्तव में पिछले कुछ वर्षों से रामजी कलसांगरा के कब्जे में थी। इसके बावजूद एटीएस ने बाइक का रजिस्ट्रेशन 'एक साध्वी' के नाम पर होने भर से न सिर्फ प्रज्ञा ठाकुर को सबसे पहले गिरफ्तार किया, बल्कि उनके साथ कई और लोगों को जोड़कर एक ऐसी कहानी भी गढ़ दी, जिससे मालेगांव विस्फोटों को 'भगवा आतंकवाद' का रंग दिया जा सके।

मालेगांव विस्फोटकांड पर एनआइए कोर्ट का फैसला गुरुवार को आया है, जिसमें सभी सात आरोपितों को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया जा चुका है। शुक्रवार को सामने आई फैसले की पूर्ण प्रति में उस वाहन के स्वामित्व पर बड़े विस्तार से टिप्पणी की गई हैं, जिसके जरिये विस्फोट का आधार बनाकर एटीएस ने पूरा मामला खड़ा किया था। यह वाहन था एक मोटरसाइकिल, एलएमएल फ्रीडम (जीजे-05-बीआर-1920)। जज लाहोटी अपने फैसले में लिखते हैं कि इस मोटरसाइकिल के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। पहला स्वामित्व, और दूसरा जानबूझकर एवं विशेष कब्जा। जहां एक ओर एटीएस ने वाहन के स्वामित्व को लेकर भारी मात्रा में साक्ष्य जुटाए थे। एटीएस के अनुसार यह वाहन प्रज्ञा सिंह ठाकुर के नाम पंजीकृत था। जबकि एनआइए की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह मोटरसाइकिल प्रज्ञा के नाम पंजीकृत जरूर थी, लेकिन कुछ वर्षों से रामजी कलसांगरा के कब्जे में थी।

कोर्ट के अनुसार आरोपपत्र और गवाहों की गवाही से स्पष्ट है कि प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने संन्यास लेने के बाद उक्त वाहन का उपयोग नहीं किया था। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि साध्वी प्रज्ञा के संन्यास लेने के बाद मोटरसाइकिल उनके कब्जे में थी। एसीपी मोहन कुलकर्णी ने भी स्वीकार किया है कि वाहन 2007-08 में रामजी कलसांगरा के कब्जे में था। एक अन्य जांच अधिकारी अनिल दुबे ने भी कहा है कि वाहन विस्फोट से पहले के दो वर्षों में रामजी कलसांगरा के कब्जे में ही थी।

इस प्रकार एक तरफ तो मालेगांव विस्फोटकांड के दो-तीन वर्ष पहले से वाहन साध्वी प्रज्ञा के बजाय रामचंद्र कलसांगरा के कब्जे में था, तो दूसरी ओर ऐसा भी नहीं था कि कलसांगरा साध्वी के कहने पर कुछ कर रहा था। जज लाहोटी साफ लिखते हैं कि कोई भी साक्ष्य सिद्ध नहीं करता कि रामचंद्र कलसांगरा, साध्वी प्रज्ञा के कहने पर काम कर रहा था या प्रज्ञा ने जानबूझकर वाहन उसे सौंपा था। एनआइए साध्वी प्रज्ञा को आरोपों से मुक्त कर दिया है।

हाईकोर्ट जाने से बच सकती है एनआइए

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मालेगांव धमाके में ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने को लेकर एनआइए वैसे तो विधि विशेषज्ञों के साथ राय-मशवरा कर रही है, लेकिन जांच एजेंसी के कई वरिष्ठ अधिकारी हाईकोर्ट जाने के पक्ष में नहीं हैं। इन अधिकारियों का कहना है कि कमजोर साक्ष्यों और गवाहों के कारण हाईकोर्ट में भी मामला टिक नहीं पाएगा और एजेंसी की नए सिरे से किरकिरी अलग से होगी।

एनआइए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एटीएस की जांच के समय ही वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य नहीं जुटाए गए और गलत तरीके से संगठित अपराध से जुड़े कानून मकोका को लगा दिया। एनआइए ने उन्हीं साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया और अदालत में दलीलें पेश की। अधिकारी खुद स्वीकार करते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ जांच की प्रीमियम एजेंसी होने के बावजूद इस तरह के कमजोर साक्ष्यों के सहारे अदालत में आरोपों को साबित करना आसान नहीं था। उन्हें खुद पहले से ही ऐसे फैसले की आशंका थी।

श्रद्धा का महासावन

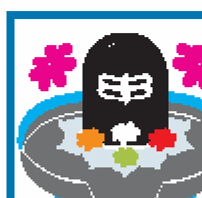

शिव सिखाते हैं, सादगी में ही है आत्मिक शांति

श्रावण मास हिंदू धर्म में एक ऐसा काल है जब प्रकृति भी मानो भक्तिभाव में लीन हो जाती है। आसमान से गिरती शीतल वर्षा की बूंदें, हरियाली से सजी धरती और गूंजते 'बोल बम' के स्वर, यह सब मिलकर एक अद्भुत आध्यात्मिक वातावरण रचते हैं। ऐसे समय में लाखों श्रद्धालु गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, वरन् आत्मा की शुद्धि और शिवत्व की खोज की यात्रा है। भगवान शिव भस्म रमाए, जटाधारी हैं। उनके पास कोई आभूषण नहीं, केवल सर्पों की माला और त्रिशूल है। यह सिखाता है कि विलासिता में नहीं, सादगी में ही आत्मिक शांति है। वे एक ओर गहन तपस्या में लीन हैं, तो दूसरी ओर एक आदर्श गृहस्थ भी हैं। पार्वती के पति, गणेश-कार्तिकेय के पिता शिव सिखाते हैं कि संन्यास और सामाजिक जिम्मेदारी का संतुलन जीवन का सच्चा मार्ग है। श्रावण मास में शिवलिंग पर जल चढ़ाना जितना पुण्यदायी है, उतना ही जरूरी है अपने आचरण में शिव के गुणों को उतारना। सच्ची भक्ति तब होती है, जब हम अपने भीतर के अहंकार, ईर्ष्या, क्रोध और आलस्य को त्यागकर शिव की तरह सहिष्णु, सरल और समदर्शी बनते हैं। जब भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकला विष पी लिया, तो उन्होंने पूरे जगत की रक्षा की। वे दुख सहकर भी शांत और करुणामय बने रहे। शिव में ही संसार है और शिव ही मोक्ष का द्वार हैं। जब सृष्टि में अंधकार छा गया था, जब जल ही जल था, तब भी भगवान शिव ही विद्यमान थे। यही कारण है कि शिव जी को अनादि और अनंत कहा गया है।

शैलबाला पण्ड्या
अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख हैं।

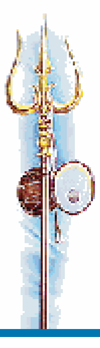

युवती की आत्महत्या में कांग्रेस महासचिव की पत्नी पर भी केस दर्ज

नईदुनिया प्रतिनिधि, चित्रकूट : कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व विधायक नीलांशु चतुर्वेदी के चित्रकूट स्थित आवास में 29 जुलाई को युवती सुमन निषाद की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उनकी पत्नी अर्चना चतुर्वेदी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। सुमन ने अर्चना की लाइसेंसी पिस्टल से ही आत्महत्या की थी। सुमन के प्रेमी अरविंद यादव को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर मुकदमा दर्ज किया गया है, जबकि लाइसेंसी पिस्टल को लापरवाहीपूर्वक रखने पर पूर्व विधायक की पत्नी आरोपित हैं। अरविंद का प्रेम प्रसंग सुमन से चल रहा था। सुमन की मां को इसका पता चला तो उसने कटनी निवासी युवक से उसकी शादी तय कर दी। इसके बाद भी अरविंद ने सुमन से मोबाइल फोन पर संपर्क बनाए रखा।

मस्जिद पक्ष की मांग, जन्मभूमि विवाद में प्रतिनिधि वाद ही सुना जाए

विधि संवाददाता, जागरण ● प्रयागराज : मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में मस्जिद पक्ष ने अर्जी दाखिल कर सिर्फ प्रतिनिधि वाद भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और चार अन्य पर सुनवाई करने एवं अन्य 17 वादों पर रोक लगाने की मांग की है।

शाही ईदगाह की इंतेजामिया कमेटी के सचिव तनवीर अहमद ने अधिवक्ता नसीरउज्जमा के माध्यम से दाखिल अर्जी में कहा है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर को लेकर कई भक्तों और संगठनों ने 18 वाद कर रखे हैं। गत 18 जुलाई को वाद संख्या 17 को प्रतिनिधि वाद बनाए जाने की अर्जी कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। मस्जिद पक्ष का कहना है कि सभी 18 वादों में मुद्दा एक ही है और सभी वादी स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का भक्त बताते हैं। ऐसे में एक जैसे मामलों की अलग-अलग सुनवाई से न्यायालय पर अनावश्यक दबाव पड़ेगा और एक ही मुद्दे पर अलग-अलग फैसले आने की आशंका बनी रहेगी। अर्जी में कहा गया है कि हाई कोर्ट ने पहले ही वाद संख्या 17 को प्रतिनिधि वाद घोषित कर दिया है। ऐसे में प्रतिनिधि वाद में जो भी फैसला आएगा, वह सभी भक्तों के लिए मान्य होगा। ऐसे में अन्य सभी 17 वादों की सभी कार्यवाही पर तत्काल रोक लगाई जाए ताकि प्रतिनिधि वाद बनाए जाने का उद्देश्य पूरा हो सके। हालांकि वाद संख्या 17 को प्रतिनिधि वाद बनाए जाने को अन्य वादकारियों ने चुनौती दी है।

वर्ग पहेली-3063

बाएं से दाएं-
2 दुष्ट (3)। 4 जिसे देखकर मन में दया उत्पन्न हो (4)। 5 आदत, स्वभाव (3)। 6 कारण, साधन (3)। 7 रस में डूबा (4)। 10 लथपथ होना (3)। 12 शरीर, देह (2)। 14 सेवा-सत्कार (4)। 16 साथी, संगी (4)। 18 सीमा, अंत (2)। 20 सैनिक विद्रोह (3)। 22 कुशलतापूर्वक (4)। 24 गबन, चोरी (3)। 25 मनमुटाव, वैमनस्य (3)। 26 विचलित, अस्थिरता (4)। 27 तपिश, सूर्य (3)।

ऊपर से नीचे-
1 बलपूर्वक (4)। 2 बुरी भावना, कुविचार (4)। 3 सलाह (4)। 4 व्याकुल, अधीर (3)। 8 रंगहीन, उजला (3)। 9 जिगर, तिल्ली (3)। 11 चतुर (3)। 13 टहनी, शाखा (2)। 14 दुखी, उदास (2)। 15 पस, पीब (3)। 16 डर, भय (3)। 17 संकट, खतरा (3)। 19 आतंक, भय (4)। 20 उदास (4)। 21 युद्धभूमि (4)। 23 लहर (3)।

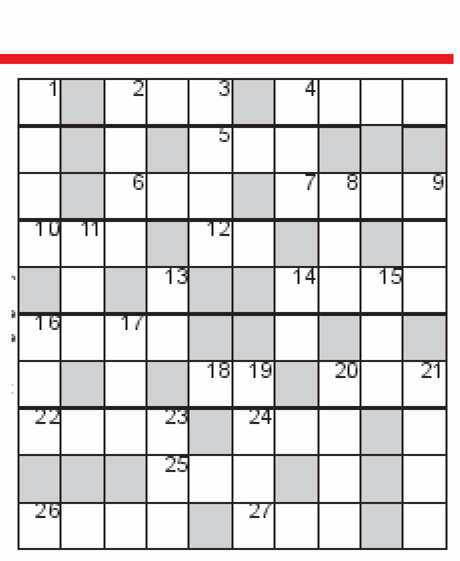

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

****

जागरण सुडोकू-3063

	2			1		8		
	9			7	2		1	
1			3		5			2
	7		5			4		1
		9		4	6		8	
3		4		8				9
	3		1				7	
		1		2			3	4
5				3	7	1		

कल का हल

9	4	3	1	6	8	2	5	7
6	1	5	9	7	2	4	3	8
7	2	8	5	4	3	9	6	1
8	6	7	2	1	9	3	4	5
3	9	4	8	5	7	6	1	2
1	5	2	4	3	6	7	8	9
2	3	9	6	8	1	5	7	4
4	7	1	3	9	5	8	2	6
5	8	6	7	2	4	1	9	3

आज का भविष्यफल: 3 अगस्त, 2025 रविवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रहस्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष नवमी। **राहुकाल**- सायं 4 :30 से 6 बजे तक। **दिशाशूल**- पश्चिम

कल 4 अगस्त, 2025 का पंचांग
दिशाशूल- पूर्व। **पर्व एवं त्योहार**- श्रावण सोमवार। **भद्रा**- रात्रि 12 :27 से 5 अगस्त को दोपहर 1 :13 तक।
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की दशमी 11 घंटे 43 मिनट तक, तत्पश्चात् एकादशी अनुराधा नक्षत्र, तत्पश्चात् ज्येष्ठा नक्षत्र ब्रह्म योग, तत्पश्चात् ऐंद्र वृश्चिक में चंद्रमा।

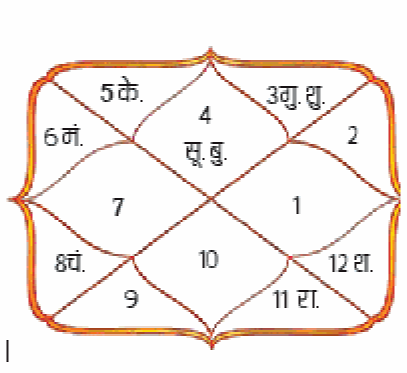

मेष : विभागीय परिवर्तन में सफलता मिलेगी। ससुराल का सहयोग रहेगा।
वृष : अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। महत्वाकांक्षा पूर्ण होगी।
मिथुन : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। सेहत के प्रति सचेत रहें।
कर्क : शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। जीवन सुखमय होगा।
सिंह : सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
कन्या : दूसरे से सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
तुला : दांपत्य जीवन में तनाव रहेगा। धन व्यय होगा।
वृश्चिक : पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।
धनु : व्यर्थ का तनाव रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
मकर : संतान से मतभेद हो सकते हैं। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
कुंभ : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक व्यस्तता बढ़ेगी।
मीन : जीवनसाथी सहयोग करेगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

31 जुलाई को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दिल्ली, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बंगाल के 15 स्कूलों में औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि तकनीक की मदद से उन स्कूलों की पहचान की गई, जहां नामांकन के आंकड़ों में भारी विसंगति पाई गई।

स्वच्छता का संस्कार सफलता का मुकाम

एक दशक पहले तक सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता की बात करना अपना उपहास उड़ाने जैसा था। जैसे लोगों ने गंदगी में रहना स्वीकार कर लिया था, लेकिन 2014 में शुरू स्वच्छ भारत अभियान ने पूरा परिदृश्य बदल दिया है। ऐसा जनांदोलन खड़ा हुआ कि महानगर ही नहीं, गांवों में भी सफाई प्राथमिकता बन गई। वर्ष 2017 में स्वच्छता सर्वेक्षण में 269 रैंक पर रहने वाला लखनऊ 2024-25 में देश में तीसरे पायदान पर आ गया तो प्रयागराज ने गंगा किनारे के शहरों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। तीन लाख तक की आबादी वाले शहरों में देवास पहली रैंकिंग पर आया है। आइये जानें इन शहरों ने कैसे गढ़ा स्वच्छता का प्रतिमान।

इंदौर से सीखा... देवास में अमल

ये देवास है... नया देवास। 50 हजार से तीन लाख तक की आबादी वाले इस शहर ने बीते दिनों घोषित स्वच्छता रैंकिंग में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। अध्यात्म इसकी आत्मा है और कला-संस्कृति इसकी पहचान। नवाचारों ने इसके माथे पर पांच सितारे सजाए हैं।

स्वच्छता मामले में मील का पत्थर बन चुके इंदौर के निकट स्थित देवास ने भी वह मुकाम हासिल किया है, जो गर्व की अनुभूति करा रहा है। लेकिन, यह सफर आसान नहीं था। अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन नवाचारों ने मार्ग प्रशस्त किया। इंदौर से मिली प्रेरणा ने देवास नगर निगम की टीम को यह समझने में मदद की कि स्वच्छता को कैसे आदत में बदला जा सकता है। कचरा संग्रहण और सेग्रीगेशन की प्रक्रियाओं को समझकर उन्हें लागू किया गया। 2023 में देवास ने हरियाली के लिए मध्य प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया और सिटी ब्यूटीफिकेशन श्रेणी में भी सम्मानित हुआ।

स्वच्छता सर्वेक्षण में देवास को पिछले तीन वर्षों से थ्री स्टार रेटिंग मिल रही थी। स्थिति को सुधारने के लिए नगर निगम ने एक कार्ययोजना बनाई। कचरा संग्रहण और निस्तारण को प्रभावी बनाने के लिए प्रयास किए गए। गारबेज फ्री सिटी (जीएफएस) बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। परिणाम स्वरूप देवास ने देश के 824 शहरों में पहले स्थान पर आकर 11,692 अंक प्राप्त किए। 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण में देवास की राष्ट्रीय रैंकिंग 25 और राज्य रैंकिंग 32 थी। तब सबसे ज्यादा डंप साइट्स रेमेडिएशन के बिंदु में पिछड़े थे। इससे सबक लेकर निगम के प्रयास का नतीजा रहा कि 2024 में तीन लाख तक की आबादी वाले शहरों की सूची में देवास देश में नंबर वन बना। (**देवास से चंद्रप्रकाश शर्मा**)

देवास में गीला व सूखा कचरा अलग-अलग कर डालती महिलाएं ● नगर निगम

हमने टीम वर्क के साथ काम कर प्रोसेसिंग व कलेक्शन पर फोकस किया। रोड डस्ट मैनेजमेंट और शत प्रतिशत डोर टू डोर कलेक्शन के जरिये पूरी तरह डिस्पोजल सुनिश्चित किया।
रजनीश कसेरा, निगम आयुक्त, देवास

वे नवाचार, जिन्होंने दिलाया शहर को पुरस्कार

- जनजागरण अभियान के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।
- वेस्ट से बेस्ट की थीम पर कार्य किया गया।
- सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूकता अभियान चलाए गए।
- जल वितरण और सीवरेज वाटर के उपचार में सुधार किया गया।
- डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को मजबूत किया।

मुस्कुराइये, क्योंकि आप लखनऊ में हैं

लखनऊ में आइआइएम रोड पर घैला के पास से जब आप दो साल पहले गुजरते थे, तो नाक बंद करनी पड़ती थी, लेकिन अब वहां बदलाव नजर आता है और कूड़े की जगह हरियाली दिखाई देती है। इस स्थान का नया नाम अटल स्मृति उपवन रखा गया है। यहां पर 6.5 लाख टन कूड़ा एकत्रित था। मोहान रोड शिवरी में कूड़े का पहाड़ अब आधा छंट चुका है। डेढ़ साल के अंतराल में करीब 18.50 लाख टन में से 12 लाख टन कूड़े का प्रबंधन किया गया, जिससे सीमेंट फैक्ट्रियों में काम आने वाले ईंधन को तैयार किया गया और खाद बनाई गई। हर दिन शिवरी प्लांट में पहुंच रहे दो हजार मीट्रिक टन कूड़े का भी प्रबंधन किया जा रहा है।

शहर को साफ रखने में नागरिकों का भी बड़ा योगदान रहा है, जिन्होंने कूड़े को इधर-उधर फेंकने के बजाय नगर निगम की गाड़ियों को दिया। सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों ने भी शहर की गंदगी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सभी बदलावों के कारण लखनऊ ने साफ शहरों में अपनी जगह बना ली है। कहते हैं कि कोशिश कभी बेकार नहीं जाती, यही कारण है कि वर्ष 2017 में स्वच्छ सर्वेक्षण में 269 रैंक पाकर देश के गंदे शहरों में शामिल होने के दाग को लखनऊ ने आठ साल तक मेहनत से मिटाने का कार्य किया है।

हर साल रैंक में सुधार और उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन लखनऊ को टाप टेन से दूर रहना पड़ा। 2020 और 2021 में 12वीं रैंक पाने के बाद लापरवाही ने नगर निगम को झटका दिया और 2023-24 में रैंक 44 पहुंच गई। महापौर सुषमा खर्कवाल और तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कूड़ा प्रबंधन और सफाई की दिशा में तेजी से काम किया। लखनऊ की छवि सफाई को लेकर बेहतर हुई। पहले नगर निगम कूड़े के कुप्रबंधन के कारण स्वच्छ सर्वेक्षण में पीछे रह जाता था, लेकिन अब स्थिति में सुधार हुआ है।

लखनऊ में मकानों के पीछे की गंदी गलियों को दिया गया नया रंग रूप ● जागरण

यह अच्छे काम भी हुए

- भवन मलबा से टाइल्स, गमले बनाए जा रहे हैं
- गंदगी से पटी 17 बैकलेन (घर के पीछे की गली) को सुंदर बनाया गया
- घर-घर से ही छंटाई के साथ ही कूड़े को एकत्र किया गया।
- आवासीय और बाजार क्षेत्रों की स्वच्छता पर खास ध्यान रखा गया
- एसटीपी के शोधित 25 प्रतिशत पानी का छिड़काव में उपयोग किया गया

जिस तरह वैज्ञानिक तौर तरीकों से कूड़ा प्रबंधन पर फोकस किया गया, उससे कूड़े के पहाड़ को खत्म किया गया। सड़कों पर एकत्र भवन के मलबों का उपयोग कर आय की जा रही है। घर-घर से कूड़ा उठाने पर अधिक जोर रहा।

इंद्रजीत सिंह, तत्कालीन नगर आयुक्त

दो साल पहले महापौर का पद संभालने के बाद एक ही नारा था कि शहर को साफ और सुंदर बनाना है और उसी दिशा में किए गए कार्यों से लखनऊ को तीसरी रैंकिंग मिली। आगे भी पहले नंबर पर आने की कोशिश की जाएगी।

सुषमा खर्कवाल, महापौर, लखनऊ

150 टन जैविक खाद व बायो-सीएजी संयंत्र से कचरे को आर्थिक संसाधन में बदला

9.6 टन प्रतिबंधित प्लास्टिक से दो किमी लंबी सड़क को बनाया गया

1,250 ई-वाहनों के जरिये घर-घर से कचरा एकत्र किया गया

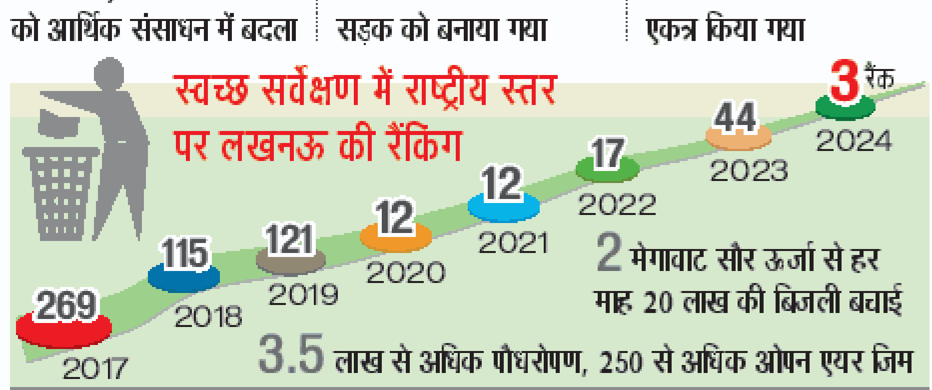

कूड़ा प्रबंधन की दिशा में किए गए कार्यों से नगर निगम पहली बार टाप टेन में शामिल हो पाया है और स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के प्रेसिडेंटल अवार्ड के लिए देश में तीसरे और प्रदेश में पहले पायदान पर खड़ा हुआ। इस प्रकार नगर निगम का पुराना नारा 'मुस्कराइए, आप लखनऊ में हैं' सच साबित हुआ है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में लखनऊ ने कुल 12,500 अंकों में से 12,001 अंक प्राप्त किए हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के प्रभारी और अपर नगर आयुक्त डा. अरविंद राव बताते हैं कि शिवरी प्लांट में पहाड़ जैसा कूड़ा तीन दशक से दाग बना हुआ था। उसे कम करने के साथ ही कोशिश रही कि सड़क पर कम से कम कूड़ा दिखाई दे। (**लखनऊ से अजय श्रीवास्तव**)

उत्कृष्ट प्रबंधन व पवित्र कर्म का संगम
प्रयागराज ने रचा स्वच्छता का इतिहास

यज्ञ की धरा, त्याग-तपस्या का केंद्र, न्याय, शिक्षा और साहित्य की नगरी प्रयागराज ने हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी जैसे शहरों को पीछे छोड़ते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में गंगा किनारे के शहरों में पहला स्थान प्राप्त किया है। वाराणसी दूसरे, कानपुर तीसरे और पटना चौथे स्थान पर रहा। प्रयागराज की उपलब्धि आस्था, प्रबंधन और जनभागीदारी से निर्मित स्वच्छता का महायज्ञ है। महाकुंभ की तैयारी के दौरान शहर ने केवल रंग-रोगन नहीं किया, बल्कि बुनियादी व्यवस्थाओं को भी स्वच्छता की दृष्टि से नया आकार दिया। नगर निगम के कुशल प्रबंधन और नागरिकों के सहयोग से शहर के हर घाट, गली और चौक पर साफ-सफाई का मंत्र जीवंत हो उठा। 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में प्रयागराज को 12वां स्थान मिला। पिछले वर्ष 71वें पायदान पर था।

संगम पर सफाई करती नगर निगम स्कीमर मशीन।

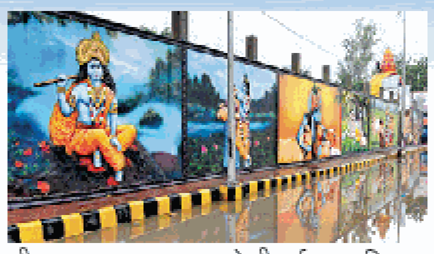
श्रीनारायण आश्रम पर उकेरी गई आकृति।

एयरपोर्ट रोड का रात्रिकालीन दृश्य ● जागरण

महाकुंभ में बना था विश्व कीर्तिमान

महाकुंभ के दौरान 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया था। उस दौरान 14 फरवरी को नदी स्वच्छता का रिकार्ड बनाया। मेला प्रशासन ने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड टीम की मौजूदगी में अपने विश्व रिकार्ड को तोड़ा। कुंभ 2019 में 10 हजार सफाई कर्मचारियों ने तो इस बार चार स्थान पर 15 हजार कर्मियों ने सफाई करके कीर्तिमान बनाया। मेला क्षेत्र की स्वच्छता के लिए 12 हजार एफआरपी टायलेट्स, 16,100 प्रीफैब्रिकेटेड स्टील टायलेट्स, 20 हजार सामुदायिक यूरिनल और 20 हजार कचरा डिब्बे लगाए गए। 1,500 'गंगा सेवा दूत' ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टर और जनसंवाद से स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया।

स्वच्छता सर्वेक्षण में गंगा किनारे के शहरों में प्रयागराज को पहला स्थान मिलना गौरवपूर्ण है। इसका श्रेय प्रयागराज के लोगों और हमारे स्वच्छता कर्मी भाई-बहनों को जाता है, जिन्होंने इसमें अतुलनीय योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत मुहिम को मैं आगे बढ़ाने को प्रयासरत हूं।
गणेश केसरवानी, महापौर प्रयागराज

उप्र का पहला सीएनजी प्लांट तैयार

नगर निगम ने नैनी क्षेत्र के जहांगीरा बाद में प्रदेश का पहला बायो सीएनजी प्लांट बना है। यहां 200 टन प्रतिदिन गीले कूड़े से बायो सीएनजी तैयार की जाएगी। क्षमता 343 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है। प्रतिदिन लगभग 21.5 टन गैस, 109 टन ठोस जैविक खाद और 100 टन तरल जैविक खाद का उत्पादन होगा। प्रथम चरण में गीले कचरे से गैस बनाने का कार्य शुरू है, जबकि शेष 143 टन क्षमता से पुआल व गोबर से गैस उत्पादन किया जाएगा। (**प्रयागराज से वीरेंद्र द्विवेदी**)

गुरुग्राम जमीन घोटाला मामले में वाड्रा को समन, 28 को कोर्ट में पेश होने का आदेश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- विशेष अदालत ने वाड्रा समेत अन्य आरोपितों को जारी किया नोटिस
- ईडी ने अपनी दलीलों में बताया था मनी लांड्रिंग का स्पष्ट मामला

राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने गुरुग्राम जमीन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाड्रा और अन्य आरोपितों को शनिवार को नोटिस जारी किया। ईडी की ओर से दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने सभी आरोपितों को समन भेजा और 28 अगस्त को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।

यह मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में हुए जमीन सौदे से जुड़ा है। ईडी का आरोप है कि इस डील में कागजों में 7.5 करोड़ की भुगतान राशि दिखाई गई, लेकिन असल में यह राशि बाद में दी गई, ताकि स्टांप ड्यूटी बचाई जा सके। यह भूमि स्काइलाइट हास्पिटैलिटी ने खरीदी थी, जिसमें वाड्रा की 99 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

ईडी ने अपनी दलीलों में कोर्ट को बताया था कि यह मनी लांड्रिंग का स्पष्ट और क्लासिक मामला है। अवैध रूप से कमाई गई राशि का इस्तेमाल संपत्तियों को खरीदने में हुआ।

जांच में यह भी सामने आया कि स्काइलाइट हास्पिटैलिटी ने जो तीन एकड़ जमीन खरीदी, वह बाद में डीएलएफ को ऊंचे दाम पर बेची गई। ईडी ने कहा कि इस डील में फर्जी दस्तावेज पेश किए गए और यह सब वाड्रा की कंपनियों के जरिये किया गया, जिनमें वे 98 से 99 प्रतिशत हिस्सेदार हैं। ईडी ने मामले में राबर्ट वाड्रा को व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों भूमिकाओं में जिम्मेदार ठहराया है।

राबर्ट वाड्रा। फाइल

43 संपत्तियां अटैच, जांच अब भी जारी

ईडी ने इस वर्ष 17 जुलाई को वाड्रा, उनकी कंपनी स्काइलाइट हास्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, ओंकारेश्वर प्रापर्टीज के निदेशक सत्यनंद याजी और अन्य 11 व्यक्तियों व संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दाखिल की थी। अब तक 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया जा चुका है, जिनकी अनुमानित कीमत 37.64 करोड़ रुपये है।

रक्षाबंधन पर पूरे दिन कच्चे धागों में बंधेगा भाई-बहन का प्रेम

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भाई-बहन के परस्पर प्रेम और उत्तरदायित्व का बोध कराने वाला पर्व रक्षाबंधन प्रति वर्ष श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार यह नौ अगस्त (शनिवार) को मनाया जाएगा। प्रातःकाल से लेकर पूरे दिन बहनें भाइयों की कलाइयों पर रक्षासूत्र बांध सकेंगी।

इस बार रक्षाबंधन की अवधि को लेकर कुछ भ्रम है। कुछ विद्वानों का मत है कि पूर्णिमा की अवधि नौ अगस्त को दोपहर 1:24 तक ही रहेगी, लेकिन श्रीकाशी विद्वत परिषद के संगठन मंत्री व काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय ने स्पष्ट किया कि रक्षाबंधन पर्व पूरे दिन मनाया जा सकेगा। इस वर्ष पूर्णिमा आठ अगस्त को दोपहर बाद 1:42 से आरंभ होकर नौ अगस्त को दोपहर बाद 1:24 बजे तक रहेगी। कहा कि रक्षाबंधन में 'संप्राप्ते श्रावणस्यांते पौर्णमास्यां दिनोदये' के अनुसार भद्रा से रहित पूर्णिमा उदयकाल ग्राह्य होती है।

इलाज के लिए मां को पीठ पर लादकर पांच किलोमीटर पैदल चली बेटी, नहीं बची जान

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर :

- ओडिशा के कंधमाल जिले की घटना, सर्पदंश के बाद बेहोश हो गई थी महिला
- जंगल से घिरे गांव में पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने के कारण नहीं पहुंच सकी एंबुलेंस

ओडिशा के कंधमाल जिले में अपनी मां की जान बचाने के लिए उसकी 15 वर्षीय बेटी उन्हें पीठ पर लादकर जंगल के रास्ते पांच किलोमीटर पैदल चली, फिर एक व्यक्ति के सहयोग से मोटरसाइकिल पर बिठाकर तीन किलोमीटर चलकर उन्हें एंबुलेंस तक पहुंचवाया, दुर्गम क्षेत्र से अस्पताल ले जाते-जाते रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। गांव में अभी तक सड़क नहीं बनी है। इस कारण वहां एंबुलेंस नहीं पहुंच सकती। गांव के लोग पगडंडी से आना-जाना करते हैं।

जानकारी के अनुसार डुमेरी पाड़ा गांव में बालामादु माझी नामक एक महिला को देर रात घर में सोते समय एक जहरीले सांप ने काट लिया था। परिवार ने महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस पास के सारामुंडी गांव तक ही पहुंच सका, जो महिला के गांव से आठ किलोमीटर दूर है। कोई और विकल्प न होने पर बेटी ने अपनी बेहोश मां को पीठ पर लादा और जंगल के ऊबड़-खाबड़ रास्ते से पैदल चलते हुए पांच किलोमीटर चलकर सारामुंडी इलाके में पहुंची। इसके बाद वहां से एक व्यक्ति के सहयोग से तीन किलोमीटर मोटरसाइकिल से चलकर एंबुलेंस तक पहुंची। फिर उन्हें एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां उनकी गंभीर हालत देखते हुए रेफर कर दूसरे अस्पताल भेज दिया गया, वहां पहुचने से पहले ही महिला की रास्ते में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव तक सड़क बनवाने की मांग की है।

मां को पीठ पर लाद पैदल अस्पताल लेकर जाती बेटी। वीडियो ग्रैब

पुलिस ने कहा, बगैर अनुमति एनजीओ ने तैयार किए पोस्टर

प्रथम पृष्ठ से आगे

महिला सशक्तीकरण के लिए गुजरात पुलिस के साथ मिलकर वज्र फाउंडेशन नामक अभियान चला रही सामाजिक कार्यकर्ता रुझान खंभाता का कहना है कि इस तरह के संदेश बीमार मानसिकता के परिचायक हैं। पुलिस का जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेना और फिर इसकी सामान्य शिकायत दर्ज कर लेना मामले की लीपापोती से अधिक कुछ नहीं है।

प्रेट्र के अनुसार पुलिस उपायुक्त (यातायात) नीता देसाई ने स्पष्ट किया कि शहर की यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पोस्टर प्रायोजित किए थे, न कि महिला सुरक्षा से संबंधित। उन्होंने दावा किया कि सतर्कता समूह नामक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने यातायात पुलिस की अनुमति के बिना विवादास्पद पोस्टर तैयार किए थे।

देसाई ने कहा, एनजीओ ने हमसे संपर्क कर कहा था कि वे स्कूलों और कालेजों में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं।

एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए इंतजार के पलों को अब पिल्ले के साथ बनाएं आरामदायक

- हैदराबाद एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए "थेरेपी डाग प्रोग्राम" शुरू
- टाय पूडल्स की मौजूदगी चिंता कम कर सकता है, मनोदशा हो सकेगी बेहतर

हैदराबाद, प्रेट्र : एयरपोर्ट पर भी कभी-कभी यात्रियों को कुछ ऐसी ही अनजानी परिस्थितियों से दो-चार होना पड़ता है जब उन्हें किसी कारणवश विमान के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। मगर, इंतजार के उन पलों को अब बोझिल बनने से रोकने एवं उन्हें रोचक तथा आनंददायक बनाने और उनकी यात्रा को यादगार बनाने के लिए हैदराबाद स्थित राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रबंधन करने वाले जीएमआर ग्रुप ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उनके अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से थेरेपी डाग प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस एयरपोर्ट में प्रवेश करने पर यदि आपका स्वागत एक मिलनसार पिल्ले द्वारा किया जाए या आपको उसे सहलाने का मौका मिले तो आपको आश्चर्यचकित होने की कोई आवश्यकता नहीं।

एयरपोर्ट के सूत्रों के अनुसार, यह पहल मन को सुकून प्रदान करती है, और अधिकारियों का ऐसा मानना है कि कुत्तों की उपस्थिति (इस मामले में टाय पूडल्स - एक प्रकार का सुंदर पिल्ला) यात्रा संबंधी चिंता को कम कर सकती है, मनोदशा को बेहतर बना सकती है और एयरपोर्ट के वातावरण को अधिक स्वागतयोग्य और शांतिपूर्ण बना सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस प्रोग्राम में चार अच्छी तरह से प्रशिक्षित टाय पूडल्स और पेशेवर हैंडलर शामिल हैं। यह प्रोग्राम अपने प्रारंभिक चरण में है और यात्रियों की प्रतिक्रिया और परिचालन व्यवहार्यता के आधार पर भविष्य में इसके विस्तार पर विचार किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया, "प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। यात्रियों ने उनकी शांत उपस्थिति की सराहना की है। इस पहल को एयरपोर्ट के अनुभव में एक विचारशील और आरामदायक अनुभव के रूप में सराहा गया है।" हालांकि ये टाय पूडल्स प्रमाणित 'थेरेपी पशु' हैं और शांत व्यवहार के लिए प्रशिक्षित हैं, फिर भी ये पेशेवर हैंडलरों की निगरानी में रहते हैं। ये हैंडलर किसी भी अप्रत्याशित व्यवहार को संभालने और पिल्लों एवं यात्रियों दोनों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं। इन्हें उन्हीं यात्रियों के साथ बातचीत करने की अनुमति है जो स्वेच्छा से उनके पास आते हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर थेरेपी डाग प्रोग्राम शुरू। फाइल

नागरी प्रचारिणी सभा के अभिलेखों में मिलीं प्रेमचंद की पांडुलिपियां

शैलेश अस्थाना ● जागरण

- 'पंच परमेश्वर' का अधूरा व 'ईश्वरीय न्याय' के 41 पृष्ठों का पूरा लेख मिला
- इनका जीर्णोद्धार कराकर सभा और भी धरोहरों की तलाश में जुटी

वाराणसी : इन दिनों नागरी प्रचारिणी सभा में उपेक्षित एवं तिरस्कृत पड़े अभिलेखों के एकत्रीकरण और छंटनी के दौरान उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की दो प्रसिद्ध कहानियों की हस्तलिखित पांडुलिपियां हाथ लगी हैं। पांडुलिपियां काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थीं, लेकिन उन्हें देखकर पढ़ते ही पहचान लिया गया कि ये मुंशी प्रेमचंद की हस्तलिखित पांडुलिपियां हैं जो उन्होंने हिंदी की कालजयी पत्रिका 'सरस्वती' के संपादक आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी को प्रकाशन के लिए भेजी थीं। इन पांडुलिपियों पर आचार्य द्विवेदी द्वारा किए गए संपादन के चिह्न भी अंकित हैं।

नागरी प्रचारिणी सभा के प्रधानमंत्री, साहित्यकार व्योमेश शुक्ल ने बताया कि मुंशी प्रेमचंद के ऐसे दो हस्तलेख मिले हैं। पहला हस्तलेख उनकी प्रसिद्ध कहानी 'पंच परमेश्वर' का है जो अधूरा है और चार पृष्ठों में है। दूसरा हस्तलेख 41 पृष्ठों का है, इसमें उनकी कहानी 'ईश्वरीय न्याय' पूरी तरह से सुरक्षित है। ये दोनों ही कहानियां हिंदी में आरंभिक कहानियों में से हैं। इन हस्तलिखित पांडुलिपियों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है ताकि उन्हें हिंद साहित्य प्रेमियों और साहित्य साधकों के लिए सुरक्षित रखा जा सके।

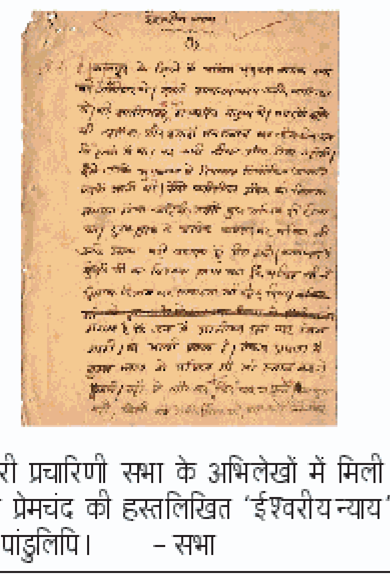
नागरी प्रचारिणी सभा के अभिलेखों में मिली मुंशी प्रेमचंद की हस्तलिखित 'ईश्वरीय न्याय' की पांडुलिपि। - सभा

बांग्लादेशी माडल की आइएसआइ से संबंधों की हो रही जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : कोलकाता पुलिस बांग्लादेशी माडल शांता पाल का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ से संबंधों की जांच कर रही है। पुलिस ने शांता को महानगर से फर्जी भारतीय प्रमाणपत्रों के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस निश्चित होना चाहती है कि शांता हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की तरह जासूस के तौर पर तो कहीं काम नहीं कर रही थी। पुलिस को शांता के इंटरनेट मीडिया अकाउंट से पता चला है कि वह भारत-चीन सीमा पर गईं थीं और वहां वीडियो रिकार्ड किया था।

पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि शांता ने इंटरनेट मीडिया पर 'आसन ट्रैवल्स कोलकाता एंड बांग्लादेश' नाम से एक पेज बनाया था, जहां वह अपने पर्यटन व्यवसाय का प्रचार कर रही थीं। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है कि शांता ने होटल खोलने के लिए भारत के किसी सरकारी बैंक से ऋण तो नहीं लिया था। शांता बंगाल व सिक्किम की कई जगहों की यात्रा कर चुकी है। वह सिक्किम के नाथू ला गई थी।

****

दैनिक जागरण
परहित के समान कोई धर्म नहीं

स्वदेशी का मंत्र

अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं। अब तो अनेक चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता भी संतोषजनक होने लगी है और वे स्वदेशी भारतीय उत्पादों से कम मूल्य की भी होती हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी चीनी वस्तुओं का आयात करना अधिक पसंद करते हैं। चीन अभी भी दुनिया का कारखाना बना हुआ है। जैसे दुनिया के अन्य देश चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम नहीं कर पा रहे हैं, वैसे ही भारत भी इस मामले में सक्षम नहीं। ऐसा क्यों हैं, इस पर हमारे नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना होगा।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी कई बार स्वदेशी उत्पाद खरीदने की जरूरत जता चुके हैं, लेकिन क्या हमारे नौकरशाह इसके लिए तत्पर हैं कि भारतीय कारोबारी इस आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक बन सकें। यह ठीक नहीं कि प्रधानमंत्री जिस बात पर बार-बार बल दें और लोगों को याद दिलाएं कि त्योहारों और शादी के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, उस पर नौकरशाह अपने स्तर पर कुछ करते नजर न आएं। यह एक सच्चाई है कि कारोबारी सुगमता के तमाम दावों के बावजूद हमारी नौकरशाही लालफीताशाही से बाहर नहीं आ पा रही है। छोटे-बड़े व्यापारी इसकी शिकायत भी करते रहते हैं। यह सही है कि कारोबारियों को भी अपनी कमर कसनी होगी, लेकिन सरकार को तो यह सोचना ही होगा कि आखिर वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश उत्पादकता एवं गुणवत्ता के मामले में भारत से आगे निकलते क्यों दिख रहे हैं?

पीड़ा की अभिव्यक्ति

उत्तर भारत की प्राणवायु का स्रोत माने जाते हिमाचल प्रदेश के प्रति उच्चतम न्यायालय की चिंता आंखें खोलने वाली है। कोर्ट ने हाल में एक मामले की सुनवाई के दौरान जो आकलन दिया है वह हिमाचल प्रदेश के बहाने सभी हिमालयी राज्यों से जुड़ती है। अदालत ने कहा है कि यदि प्रदेश में निर्माण कार्य और विकास योजनाएं इसी तरह अवैज्ञानिक दृष्टिकोण के चलती रहीं तो हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा। अदालत का यह कहना भी समस्या की गंभीरता को स्पष्ट बताता है कि राजस्व कमाना सब कुछ नहीं होता। पर्यावरण और पारिस्थितिकी के विनाश की कीमत पर कमाई की जाएगी तो हिमाचल को ही खतरा होगा। हिमाचल प्रदेश वास्तव में विकास के ऐसे माडल की तलाश में है जो इसके अस्तित्व को चुनौती न दे। कई निष्कर्ष यह कह चुके हैं कि मैदानों जैसी सुविधाएं और निर्माण पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उचित है न उपयुक्त। किंतु सरकार कोई भी हो, इस ओर ध्यान बहुत कम दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल प्रदेश जिन आपदाओं का शिकार बन रहा है, उन्हें प्राकृतिक कहा बेशक जाए, वे मानवनिर्मित अधिक हैं। पहाड़ भरभरा रहे हैं, बादल फट रहे हैं, अति विकास के कारण कंक्रीट का जंगल तैयार हो रहा है, पानी के स्रोतों का रास्ता रोकने का नुकसान सामने आ रहा है। पेड़ कटान अंतत. भूमि कटान का कारण बनता है और पानी के किनारे बसावट अलग पीड़ा देती है। आशा है, उच्चतम न्यायालय का आकलन प्रदेश को पथ दिखाएगा।

उच्चतम न्यायालय के आकलन से सीख लेकर प्रदेश को आगे बढ़ना चाहिए

एक चिढ़ा हुआ शासनाध्यक्ष

संजय गुप्त

भारत स्वतंत्र विदेश नीति पर चल रहा है और उसे यह तय करने का अधिकार है कि किसी देश से किन वस्तुओं को खरीदे और किन्हें नहीं

अवधेश राजपूत

आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत समेत 70 देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। उन्होंने भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा तब की थी, जब देश की संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो रही थी। ट्रंप ने भारत को अपना मित्र देश भी बताया और यह भी आरोप लगाया कि उसकी टैरिफ दरें दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। उसी समय उन्होंने भारत पर रूस से हथियार और तेल खरीदने के कारण जुर्माना लगाने की घोषणा भी की। हालांकि फिलहाल भारत पर जुर्माने के रूप में अतिरिक्त शुल्क लगाने का कोई आदेश जारी नहीं हुआ, पर भारत से आयात होने वाली सामग्री पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क यानी टैरिफ 7 अगस्त से लागू हो जाएगा। ट्रंप ने भारत के खिलाफ कठोर रवैया दिखाने के साथ ही एक विचित्र काम यह भी किया कि पाकिस्तान पर कहीं कम 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अलावा उन्होंने यह भी थोथा दावा किया कि पाकिस्तान के पास तेल के भंडार हैं और अमेरिका उनसे तेल निकालने में उसकी मदद करेगा। साफ है कि वे भारत को चिढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने भारत को सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश बताते हुए जैसी भाषा का इस्तेमाल किया और यहां तक कि भारत और रूस की अर्थव्यवस्था को मरती हुई अर्थव्यवस्था कहा, उसके बाद उन्हें भारत के हितैषी के रूप में नहीं देखा जा सकता। वे अपनी विचित्र भाषा के लिए जाने जाते हैं, पर उन्होंने मित्र देश भारत के प्रति जैसी भाषा बोली, वह अमेरिकी राष्ट्रपति को शोभा नहीं देती। उन्होंने कुछ और देशों के खिलाफ भी तीखी टिप्पणियां की हैं। चीन के प्रति तो तीखी टिप्पणियां समझ आती हैं, क्योंकि अमेरिका के साथ उसका व्यापार घाटा बहुत अधिक है, लेकिन वे कई मित्र देशों के खिलाफ भी उलटा-सीधा बोलते हैं। अब ऐसे देशों में भारत भी शामिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति एक लंबे समय से यह झूठा प्रचार करने में लगे हुए हैं कि भारत बहुत अधिक टैरिफ लगता है और इस कारण उससे व्यापार करना कठिन है, लेकिन यह सही नहीं। यदि भारत अपने किसानों, व्यापारियों आदि के हितों की रक्षा के लिए कुछ वस्तुओं पर ऊंची टैरिफ दरें रखता है तो ऐसा अमेरिका भी करता है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अमेरिका के मुकाबले भारत आर्थिक रूप से उतना सक्षम नहीं और यहां एक बड़ी आबादी निर्धन भी है।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति अधिक से अधिक अमेरिकी वस्तुएं भारत को बेचना चाहते हैं। इनमें कुछ वे भी हैं, जिन्हें भारत लेना नहीं चाहता अथवा उन्हें अपने लिए उपयुक्त नहीं पाता। भारत अमेरिका से वे सब लड़ाकू विमान भी नहीं लेना चाहता, जो अमेरिका बेचना चाहता है। भारत का अमेरिका के साथ जो व्यापार घाटा है, वह इतना अधिक नहीं कि ट्रंप आसमान सिर पर उठा लें। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर चल रहा है और उसे इसका अधिकार है कि किसी देश से किन वस्तुओं को खरीदे और किन्हें नहीं। ट्रंप चाहते हैं कि भारत वह सब कुछ खरीदे, जो वे उसे बेचना चाहते हैं। भारत इसके लिए तैयार नहीं, इसलिए ट्रंप चिढ़ गए हैं। उनकी चिढ़ का एक कारण भारत का रूस से तेल खरीदना भी है। वे इससे भी खफा हैं कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के खिलाफ जो सैन्य कार्रवाई की, उस पर विराम लगाने का श्रेय उन्हें देने के लिए तैयार नहीं। वे बार-बार यह दावा करने में लगे हुए हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच तथाकथित संघर्ष विराम कराया। भारत इसे मानने के लिए तैयार नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी नेताओं से हुई बातचीत का हवाला देकर दो टूक कहा कि आपरेशन सिंदूर रोकने के लिए किसी देश के शासनाध्यक्ष ने कुछ नहीं कहा। इसके बाद भी ट्रंप यही रट लगाए हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच खतरनाक हो सकने वाले युद्ध को रोका। वे यह फर्जी दावा 20-25 बार कर चुके हैं।

आपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की पाकिस्तान के नेताओं से क्या बात हुई, यह तो वही जानें, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इस सैन्य कार्रवाई को रोके जाने के मामले में वे झूठ बोल रहे हैं। हैरानी इस पर है कि भारत के कई विपक्षी दल ट्रंप के झूठ को सच मान रहे हैं। वे भारतीय प्रधानमंत्री से अधिक अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा कर रहे हैं। संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा में विपक्ष ने जैसा रवैया दिखाया, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इस बहस से उसे हासिल क्या हुआ? विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस ने आपरेशन सिंदूर पर बेवजह के सवाल उठाकर फजीहत ही कराई। राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के डेड इकोनमी होने की ट्रंप की बेतुकी बात को सही बताकर भी अपनी फजीहत कराई। ऐसा लगता है कि उन्हें यह समझ नहीं कि वे नेता विपक्ष हैं और अपने अजीबोगरीब बयानों से अपने साथ कांग्रेस को भी शर्मसार कर रहे हैं। उनका रवैया शायद ही बदले, लेकिन भारत को ट्रंप के आगे झुकना नहीं चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में भारत-अमेरिकी संबंध आगे बढ़े हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक के साथ सामाजिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। न जाने कितने भारतीय अमेरिका की नामी कंपनियों में शीर्ष पदों पर हैं। ट्रंप भारत और भारतीयों की महत्ता को स्वीकार करने से जानबूझकर इन्कार कर रहे हैं। फिलहाल यह कहना कठिन है कि व्यापार समझौते पर जारी बातचीत का क्या होगा, पर इतना तो है ही कि यदि ट्रंप टैरिफ पर रवैया नहीं बदलते तो कुछ भारतीय उद्योगों को नुकसान हो सकता है, क्योंकि इंडोनेशिया, वियतनाम जैसे देशों पर उन्होंने भारत से कम टैरिफ लगाया है। इससे भारतीय उद्योगों को विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारे कारोबारियों को यह भी समझना चाहिए कि उनके उत्पादों की उत्पादकता और गुणवत्ता वैसी नहीं, जैसी आवश्यक है। कारोबारियों के साथ भारत सरकार को भी देखना चाहिए कि अपने उद्योगों की उत्पादकता और गुणवत्ता कैसे बढ़े। भारत आर्थिक रूप से सक्षम होकर ही ट्रंप की ओर से पेश की जा रही चुनौतियों और अन्य समस्याओं का सामना कर सकता है।

response@jagran.com

संपत्ति, आपत्ति और विपत्ति का त्रिकोण

हास्य-व्यंग्य

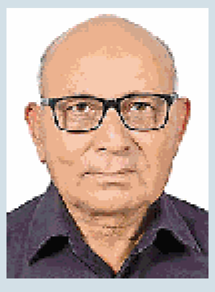

सूर्यकुमार पांडेय

महाभारत काल से जारी सभी लड़ाइयां संपत्ति पर आपत्ति का ही प्रमाण हैं, जिन्हें विपत्ति बनने में देर नहीं लगती

यदि आपके घर-परिवार में संपत्ति का विवाद नहीं है, तो आप या तो बहुत ही गरीब हैं या फिर बहुत समझदार। मेरे पड़ोस में एक सज्जन रहते हैं। सुनता हूं कि मेरे नगर में ही उनके तीन बेनामी फ्लैट और तमाम संपत्ति है। कमाल यह कि उनकी अपने नाम की कोई संपत्ति नहीं है। सब बेटे-बेटियों के नाम पर हैं। दो नंबर की कमाई भी त्याग सिखलाती है। कहते हैं कि संपत्ति अपने साथ आपत्ति और विपत्ति लेकर पैदा होती हैं। यह संपत्ति की जुड़वा बहनें हैं। यह संपत्ति चीज ही ऐसी है, जो कभी अकेले नहीं आती। उसके साथ हमेशा चलते हैं-झगड़ा, मुकदमा और एक वकील, जिसकी फीस सुनकर आप सोचते हैं कि इससे तो अच्छा है कि वह वकील ही सारी संपत्ति ले ले।

सकल संपन्नता के बावजूद मेरे वह पड़ोसी भी जब मिला करते हैं, परेशान रहते हैं। कहते हैं कि मेरे नाम कोई संपत्ति है ही नहीं, फिर भी भय बना रहता है। ले-दे कर यही एक मकान है, वह भी पिता जी के नाम से खरीदा था। वैसे तो मेरे पड़ोसी तमाम बाधाओं से मुक्ति पा चुके हैं, लेकिन अब संपत्ति के पीछे आपत्ति का पिशाच उनकी खोपड़ी पर सवार हो गया है। पिता जी रहे नहीं और वसीयत भी नहीं कर गए। मकान उनके ही नाम है। अब भाई तो भाई, बहनें तक इसमें हिस्सा मांग रही हैं। संपत्ति पर आपत्ति की मिसाइलें गिर रही हैं और उन्हें कोई ऐसा वकील भी नहीं मिल पा रहा है, जो उनकी संपत्ति को सुरक्षित बंकर में छुपाने की पक्की गारंटी ले ले।

यह भी अच्छा ही हुआ कि उनके पिता जी ने वसीयत नहीं लिखवाई, क्योंकि 'पापा की वसीयत" हमारे यहां कोई कागज नहीं, एक बम हुआ करती है, जिसके खुलते ही सारे भाई-बहन घर में नहीं, सिविल कोर्ट में मिलते हैं। भाई-बहन जब साथ में रहते हैं तो दीवाली पर एक-दूसरे को मिठाई देते हैं, लेकिन पिता का साया उठते ही मेल-मिलाप, मिठाई बंद और नोटिस चालू। राखी बंद, कचहरी शुरू। बाबूजी कब कह गए, कैसे कह गए, किसके सामने या किसके कान में क्या कह गए थे, यह सब किसी को नहीं पता, लेकिन केस तो दर्ज हो चुका है। वह संपत्ति भी क्या जो आपको कोर्ट-कचहरी के दर्शन न कराए! उधर आपत्ति घुसी, इधर संपत्ति फंसी। अगर जमीन के नाम पर आप अपनों को खो रहे हैं, तो समझिए असली संपत्ति जमीन नहीं, वही रिश्ते हैं।

मेरे पड़ोसी मुझसे खुलकर एक रोज कहने लगे, 'मैंने जितना भी कमाया होगा, वह सब दान कर चुका हूं।' अगले दिन भी यही बात। मैं उनकी दानवीरता के किस्से सुनते-सुनते पक गया। इस तरह पक जाना बहुत स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज का समय ही स्वार्थ भरा है। दानवीरता पर भरोसा ही नहीं होता। अब हर संपदा आपदा के घेरे में है। वह धन संपदा हो, वन संपदा हो या कि खनिज संपदा हो, सबका दोहन चालू है। हमारे यहां सार्वजनिक संपत्ति को निजी संपत्ति समझने की परंपरा है। पब्लिक प्रापर्टी को प्राइवेट प्रापर्टी बनाने की कला में दक्ष हैं हम लोग। चाहे वह पेड़ हो कि मेड़, हवा हो कि पानी। कब्जे में हम माहिर हैं। बस सकल तत्व बलवान का। हम जिन खेतों की मेड़ों पर चल रहे होते हैं, उनको अपने खेत में मिलाने के अरमान भी हमारे साथ चल रहे होते हैं। हर सड़क हमारे अतिक्रमण का शिकार है। पार्क, तालाब, खाली जमीन, सरकारी भवन, जहां कहीं पर भी 'यह सार्वजनिक संपत्ति है' का बोर्ड लगा मिलता है, वहीं पर भू-माफिया और बिल्डर विपत्ति बने लटके मिल जाते हैं। जब यह मसला देश के अंदर हो तो उसे झगड़ा कहा जाता है, दो देशों के बीच यही युद्ध कहलाता है। महाभारत काल से आज तक की सारी लड़ाइयां संपत्ति पर आपत्ति का ही प्रमाण हैं, जिन्हें विपत्ति बनने में देर नहीं लगती।

response@jagran.com

ऊर्जा

जीवन की अनिश्चितता

मानव जीवन अनिश्चितताओं से भरा है। हर समय मन में यह शंका बनी रहती है कि घर से निकलते समय हम सुरक्षित वापस लौटेंगे या नहीं। यदि हर क्षण शंका मन में बनी रहेगी, तो यह हमारे कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालने लगेगी। इसलिए सब कुछ नियति पर छोड़कर शंका-मुक्त होकर अपने कार्यों में लगे रहना ही उचित है। शंका की तपस मस्तिष्क को उलझाए रखती है। शंका की तपस का अर्थ है-हर क्षण संदेह में रहना, जो कभी-कभी एक मानसिक व्याधि का कारण बन जाता है। निराधार या पूर्वाग्रहित शंका मन में घर कर जाती है। आजकल दुर्घटनाएं और अपराध आम बात हो गए हैं, जिससे मन में दुविधा और भय होना स्वाभाविक है।

कहा जाता है कि चिंता चिता के समान होती है, इसलिए शंका किसी अग्नि-तपस से कम नहीं है। लोगों को सकारात्मक सोच अपना कर शंका दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इससे भय और आशंका भले ही कम न हों, लेकिन परिस्थितियों का सामना करने की ऊर्जा अवश्य प्राप्त होती है। संदेह की स्थिति में भी अपने मार्ग पर चलते रहना, कुछ सीखना और कुछ प्राप्त करना आवश्यक है। ईश्वर पर विश्वास रखकर कर्तव्य-पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन में सुख-दुख का चक्र चलता रहता है। दुखी होने पर ऐसा लगता है कि हमसे अधिक कष्ट किसी को नहीं है, लेकिन जब चारों ओर देखें, तो हम पाएंगे कि कई लोग हमसे अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। इसीलिए शंका करना व्यर्थ है, क्योंकि यदि सुख चला गया है, तो कष्ट भी एक दिन निश्चित रूप से समाप्त होगा। जिस समस्या का समाधान आज नहीं है, वह कल अवश्य आएगा। भविष्य के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना ही बुद्धिमत्ता है। हम मानव हैं, त्रुटियां होती हैं, लेकिन उन्हें सुधारने के अवसर भी मिलते हैं। इस तथ्य को जितनी जल्दी स्वीकार करें, उतना ही बेहतर होगा।

छाया श्रीवास्तव

मनुष्य में भी होते हैं 'शीतनिद्रा' जीन

मुकुल व्यास

बहुत से जीव सर्दियों के मौसम में गहरी निद्रा में चले जाते हैं। इस अवस्था में ये महीनों बिना भोजन-पानी के जीवित रह सकते हैं

बहुत से जीव-जंतुओं को शीतनिद्रा में रहने की अद्भुत क्षमता प्राप्त है। ये जीव सर्दियों के मौसम में गहरी निद्रा में चले जाते हैं, जिसमें उनकी शारीरिक क्रियाएं न्यूनतम स्तर पर होती हैं। इस अवस्था में ये कई महीनों तक बिना भोजन या पानी के जीवित रह सकते हैं। उनकी मांसपेशियां मजबूत बनी रहती हैं और शरीर का तापमान लगभग शून्य हो जाता है। ये जानवर अपनी दिल की धड़कन को कम कर सकते हैं और ऊर्जा के लिए अपने शरीर में जमा वसा का उपयोग करते हैं। इस प्रक्रिया को शीतनिद्रा या हाइबरनेशन कहा जाता है। शीतनिद्रा एक ऐसी अवस्था है जिसमें शरीर का मेटाबालिज्म धीमा हो जाता है। इस दौरान शीतनिद्रा में लीन जानवर स्वस्थ रहते हैं और वे उन स्थितियों से उबर जाते हैं, जो मनुष्यों में अल्जाइमर, स्ट्रोक या डायबिटीज जैसी बीमारियों से मेल खाती हैं। अब शोधकर्ताओं का मानना है कि मनुष्यों में भी यह क्षमता हो सकती है। उनका कहना है कि शीतनिद्रा को बढ़ावा देने वाले जीन मानव डीएनए में मौजूद हो सकते हैं, जो हमारे भीतर निष्क्रिय अवस्था में हो सकते हैं। इन जीनों को समझने से मेटाबालिज्म संबंधी रोगों और स्नायु विकारों का उपचार हो सकता है।

शीतनिद्रा में रहने वाले जानवर विशेष जीन का उपयोग कैसे करते हैं, यह जानने के लिए विज्ञानियों ने वसा द्रव्यमान और मोटापे से जुड़े जीन समूह पर ध्यान केंद्रित किया। ये जानवर सर्दियों के दौरान वसा भंडारण और ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए इन जीनों का उपयोग करते हैं। इस जीन समूह की सबसे खास बात यह है कि यह आनुवंशिक दृष्टि से मानव मोटापे का सबसे प्रबल रिस्क फैक्टर है। शोधकर्ताओं ने आसपास के डीएनए क्षेत्रों की पहचान की, जिनका उपयोग शीतनिद्रा में रहने वाले जानवर जीन की गतिविधि को चालू या बंद करने के लिए करते हैं। ये नियंत्रण स्वयं जीन को नहीं बदलते, बल्कि जीन के व्यवहार को नियंत्रित करते हैं, जैसे किसी आर्केस्ट्रा में ध्वनि को नियंत्रित किया जाता है। ये क्षेत्र शीतनिद्रा में रहने वालों को सर्दियों से पहले वजन बढ़ाने और सोते समय वसा को जलाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं ने इन डीएनए क्षेत्रों को चूहों में प्रविष्ट किया। कुछ चूहों का वजन आहार के आधार पर बढ़ा या घटा, जबकि अन्य के शरीर के समग्र मेटाबालिज्म में परिवर्तन देखा गया।

शीतनिद्रा के जीन वसा और ऊर्जा को नियंत्रित करते हैं। शीतनिद्रा में रहने वाले जानवर शायद कुछ बाधाओं को दूर करने के लिए विकसित हुए हैं, जिससे वे सक्रिय और निष्क्रिय अवस्थाओं के बीच आसानी से बदलाव कर सकते हैं। विज्ञानियों का कहना है कि यदि हम अपने जीनों को थोड़ा नियंत्रित कर सकें, तो शायद हम डायबिटीज पर उसी तरह काबू पा सकते हैं, जैसे शीतनिद्रा में रहने वाला जानवर शीतनिद्रा से सामान्य मेटाबालिज्म अवस्था में लौटता है।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

किस्सा कुर्सी का

राज्यसभा में बीते हफ्ते आपरेशन सिंदूर पर चर्चा चल रही थी। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की सांसद रेणुका चौधरी अपने समय पर बोलने के लिए खड़ी हुईं। उस समय आसन पर विराजमान पीठासीन अधिकारी भाजपा सांसद भुवनेश्वर कलिता सदन चला रहे थे। जब रेणुका चौधरी बोल रही थीं, उसी बीच कलिता उनसे कुछ कहने लगे, कुछ नसीहत देने लगे। बोलने के क्रम के बीच में आसन से टोका-टाकी तथा नसीहत पर रेणुका चौधरी खीझ उठीं। साथ ही बेलाग यह कहने में देर नहीं लगाई कि किस्सा ही कुछ ऐसा है कि इस कुर्सी पर जो भी बैठता है, उसे ज्यादा बोलने की बीमारी हो जाती है। रेणुका की इस टिप्पणी पर सदन में विपक्षी दलों के सांसद ठहाका लगाए बिना नहीं रहे। इशारे-इशारे में रेणुका ने इस कुर्सी पर बैठकर सदन चलाने वाले राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ की ओर इशारा किया, जो कई बार खासतौर से विपक्षी सदस्यों को बीच-बीच में टोकते एवं नसीहत देते नजर आते थे। धनखड़ के इस्तीफे के बाद विपक्ष इसमें बदलाव की उम्मीद कर रहा है, मगर राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। तभी खीझ उठी विपक्षी सांसद ने कहा, यह माजरा कुर्सी का है।

राजरंग

विपक्ष में भी विपक्ष

संसद में सिर्फ सत्ता-पक्ष और विपक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष में भी विपक्ष दिखाई दे सकता है। पिछले दिनों आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में यह देखने को मिला। आपरेशन सिंदूर पर चर्चा का जवाब जब गृह मंत्री अमित शाह ने देना शुरू किया, तो विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से जवाब देने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया और बाद में विरोध में सभी विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले गए। विपक्ष की सारी सीटें खाली हो गईं, लेकिन उन खाली सीटों के बीच में एक सदस्य ने अपनी सीट पर बैठकर अमित शाह का पूरा भाषण सुना। ये आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल थीं। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से मालीवाल का झगड़ा जगजाहिर है। वह दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी के खिलाफ खुलकर प्रचार कर रही थीं। सदस्यता जाने की मजबूरी में मालीवाल ने भले ही सांसद पद से इस्तीफा नहीं दिया हो, लेकिन यह जरूर साफ हो गया कि वे विपक्ष में होते हुए भी उसके ही विपक्ष में हैं।

हौवा खत्म, अब भिड़ंत

डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा से पहले तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि भारत इस सेक्टर में अमेरिका को राहत दे सकता है, उस सेक्टर को पूरी तरह खोल सकता है। मंत्री से लेकर वरिष्ठ अधिकारी अमेरिका के साथ चल रही वार्ता पर कभी खुलकर बात नहीं कर रहे थे, क्योंकि उन्हें इसका डर था कि पता नहीं कौन-सी बात अमेरिकी सरकार को खराब लग जाए, जिसका उलटा असर भारत के साथ चल रही ट्रेड वार्ता पर न पड़ जाए, लेकिन यह सतर्कता भी काम नहीं आई। इसलिए ट्रंप के शुल्क लगाते ही सभी के दिल से टैरिफ और ट्रंप, दोनों का हौवा खत्म हो चला है। अब महकमे में सभी खुलकर कह रहे हैं, यह तो राष्ट्रहित की लड़ाई है। खुलकर लड़ेंगे, झुकेंगे नहीं। अब जो भी होना है, इसमें बेहतर ही होगा, फिर डर काहे का।

व्यवस्था का सवाल

संसद के मानसून सत्र में विपक्ष किसी न किसी मुद्दे पर प्रारंभ से ही आक्रामक है। संसद में हंगामा-नारेबाजी का क्रम जारी है। ऐसे में, कई मौकों पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संयम टूटता दिखा। शुक्रवार को भी सदन में विपक्ष का रुख नहीं बदला, तो बड़ी चतुराई से स्पीकर ने विपक्षी खेमे के मुखर सदस्य फैजाबाद-अयोध्या से सपा के सांसद अवधेश प्रसाद को सदन चलाने के लिए आसन पर बैठा दिया। अब सदन का दृश्य देखने लायक था, जब व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले खुद व्यवस्था बहाली की बात कह रहे थे। आक्रामक विपक्षी सदस्यों से 'शांति' बनाए रखने का वही आग्रह करने लगें। यह अलग बात है कि उनके आग्रह से भी विरोध के तेवर पर कोई फर्क नहीं पड़ा और आखिर में उन्हें भी कहना पड़ा कि सदन की कार्यवाही स्थगित रहेगी।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस.बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

332 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं फीचर फिल्म श्रेणी में, शुक्रवार को घोषित किए गए वर्ष 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के लिए, जिनमें से एक फिल्म '12वीं फेल' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

लोकप्रिय फिल्मों–कलाकारों को सम्मान

वर्ष 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा शुक्रवार को कर दी गई। हालांकि कोरोना के बाद से ये पुरस्कार देर से दिए जा रहे हैं। शाह रुख खान को फिल्म 'जवान' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। यह निर्णय काफी हद तक चौंकाने वाला भी है। वस्तुत: राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के चयन के लिए फिल्म की कहानी और समाज पर उसके प्रभाव आदि की भी चर्चा की जाती है। इस फिल्म ने भले ही बाजार में कारोबार बढ़िया किया, परंतु यह एक ऐसी फिल्म है जो संवैधानिक व्यवस्थाओं पर भी चोट करती है

फिल्म 'जवान' में शाह रुख खान। फाइल

फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नार्वे' में रानी मुखर्जी। फाइल

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई। कोरोना महामारी के चलते राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार देर से घोषित हो रहे हैं। शुक्रवार को घोषित पुरस्कार 2023 के लिए है। पुरस्कारों में कई प्रकार की विविधता देखने को मिली। शाह रुख खान को पहली बार किसी फिल्म में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार देने की घोषणा की गई। उनको फिल्म 'जवान' के लिए और विक्रांत मैसी को '12वीं फेल' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का साझा पुरस्कार दिया जाएगा। अभिनेत्री रानी मुखर्जी को भी पहली बार उनकी फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नार्वे के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया जाएगा। रानी मुखर्जी ने इसके पहले भी कई बेहतरीन फिल्में की हैं, जिनपर उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिया जा सकता था। 'ब्लैक' और 'हिचकी' में उनका अभिनय शानदार रहा था। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार कई मानदंडों पर आधारित होता है। संभव है कि जिस वर्ष रानी की ये फिल्में आई हों, उस वर्ष किसी और फिल्म में किसी और अभिनेत्री ने बेहतर अभिनय किया हो। ब्लैक और हिचकी दो ऐसी फिल्में हैं जो रानी मुखर्जी की अभिनय प्रतिभा के लिए और फिल्म की विषयवस्तु व ट्रीटमेंट के लिए याद किया जाता है। फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नार्वे' एक तरह से रानी मुखर्जी की दूसरी पारी की बेहतरीन फिल्म है। हिचकी में भी रानी मुखर्जी ने जिस विषय पर काम किया था वह लगभग अनजाना था। यह ब्रैड कोहेन की आत्मकथा 'फ्रंट आफ द क्लास, हाउ टौरेट सिंड्रोम मेड मी टीचर आई नेवर हैड' पर आधारित है। कहा जाता है कि इस फिल्म में अभिनय के पहले रानी घंटों तक इस सिंड्रोम को समझने का प्रयास करती थी। कहना न होगा कि फिल्म की जूरी के सदस्यों का चयन रेखांकित करने योग्य है।

शाह रुख खान को फिल्म जवान के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अवश्य कई प्रश्न खड़े करता है। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के चयन के समय अभिनय तो आधार होता ही है, फिल्म की कहानी और समाज पर उसके प्रभाव पर भी चर्चा की जाती है। जवान एक ऐसी फिल्म है जो सिस्टम को चुनौती देती है। संवैधानिक व्यवस्थाओं पर भी चोट करती है। फिल्म में देश की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर करने के लिए मंत्री का अपहरण करने जैसी घटनाएं हैं। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर है। जनता ने इस फिल्म को खूब पसंद किया था। बताया गया था कि इस फिल्म ने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। उन चर्चाओं के दौरान शाह रुख खान के अभिनय की बहुत प्रशंसा हुई हो, ऐसा याद नहीं पड़ता। पर जूरी के अध्यक्ष आशुतोष गोवारिकर और अन्य सदस्यों को शाह रुख खान के अभिनय में वो तत्व अवश्य दिखे होंगे जो अन्य समीक्षक भांप नहीं पाए। शाह रुख शानदार अभिनेता हैं, उन्होंने वर्षों तक अपने अभिनय से इसको साबित भी किया था।

वर्ष 2004 में जब उनकी फिल्म स्वदेश आई थी तो उनके अभिनय की जमकर सराहना हुई थी। उस वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सैफ अली खान को दिया गया था। एक अवसर पर शाह रुख का दर्द झलका भी था। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा भी था कि स्वदेश के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना चाहिए था। फिल्म 'स्वदेश' और फिल्म 'हम तुम' या यों कहें कि शाह रुख और सैफ के साथ दो संयोग हैं। जब सैफ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला था, तब उनकी मां शर्मिला टैगोर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की अध्यक्ष थीं। शाह रुख को नेशनल अवार्ड मिला है तो जूरी के अध्यक्ष आशुतोष गोवारिकर हैं जो स्वदेश के निर्देशक थे। इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर इन दो संयोगों की खूब चर्चा हो रही है। पर स्वदेश के लिए शाह रुख को अवार्ड नहीं मिलने का कारण अलग था। स्वदेश रिलीज हुई थी तब निर्देशक टी. एस. नागबर्ना ने आरोप लगाया था कि स्वदेश उनकी फिल्म चिगुरिदा कनासू की नकल है। वर्ष 2004 के राष्ट्रीय अवार्ड की जूरी के चेयरमैन सुधीर मिश्रा थे। अन्य सदस्यों के साथ नागबर्ना भी उस समिति में थे। जूरी के सामने स्वदेश का प्रदर्शन हुआ तो नागबर्ना ने वहां बताया था कि स्वदेश उनकी फिल्म की नकल है। उसके बाद जूरी के सदस्यों को चिगुरिदा कनासू दिखाई गई। सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि स्वदेश के लिए शाह रुख खान को पुरस्कार नहीं दिया जा सकता है। पहली बार ऐसा नहीं हुआ था। पहले भी और 2004 के बाद भी इस आधार पर कई फिल्मों और अभिनेताओं को पुरस्कार के योग्य नहीं माना गया। इसलिए सैफ अली खान के राष्ट्रीय पुरस्कार को शर्मिला टैगोर से जोड़ना गलत है।

'12वीं फेल' के लिए विक्रांत मैसी का चयन अच्छा है। विक्रांत मैसी ने अपने अभिनय कौशल से ध्यान खींचा है। हाल ही में आई उनकी फिल्म 'साबरमती रिपोर्ट' में भी उनका अभिनय शानदार है। 'द केरल स्टोरी' के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने भी धारा के विपरीत जाकर फिल्म बनाई। द केरल स्टोरी को लेकर काफी विवाद हुए। मामला कोर्ट में भी गया। कई राज्यों में उसको अघोषित प्रतिबंधित भी झेलना पड़ा। पर इस फिल्म ने भारतीय समाज में धीरे-धीरे जगह बनाते लव जिहाद के खतरों से दर्शकों को अवगत करवाया था। निर्देशक के तौर पर सुदीप्तो सेन ने इस फिल्म से अपनी पहचान स्थापित की। उनको पुरस्कार देना वैकल्पिक धारा की फिल्मों का स्वीकार है। एक और फिल्म ने ध्यान खींचा वह है हिंदी फिल्म- कटहल। छोटे बजट की इस फिल्म की खूब चर्चा रही थी। कहानी और उसके ट्रीटमेंट को लेकर। सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन का पुरस्कार असम के उत्पल दत्ता को मिला। वह काफी लंबे समय से फिल्मों पर असमिया और अंग्रेजी में लिख रहे हैं। इस श्रेणी में किसी पुस्तक का चयन नहीं होना चौंकाता है। चयन समिति के सामने अंबरीश रायचौधरी की श्रीदेवी पर लिखी अंग्रजी की पुस्तक, अमिताव नाग की सौमित्र चटर्जी पर लिखी पुस्तक, यतीन्द्र मिश्र की गुलजार पर लिखी पुस्तक के अलावा अन्य भाषाओं की दो दर्जन से अधिक पुस्तकें थीं। घोषणा के समय अन्यत्र व्यस्तता के कारण रायटिंग जूरी के चेयरमैन गोपालकृष्ण पई उपस्थित नहीं थे। मंत्री को जूरी की अनुशंसा के समय की जो तस्वीरें जारी हुई हैं उसमें भी रायटिंग जूरी के चेयरमैन या सदस्य दिख नहीं रहे। ऐसा कम ही होता है कि किसी श्रेणी की जूरी के चेयरमैन या उसके सदस्य मंत्री को अपनी अनुशंसा देने और पुरस्कार की घोषणा के समय अनुपस्थित रहें। जूरी चेयरमैन या उनके प्रतिनिधि को यह बताना चाहिए था कि किन कारणों से किसी पुस्तक का चयन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए नहीं किया गया। कोरोना महामारी के बाद भी एक बार बेस्ट क्रिटिक का अवार्ड घोषित नहीं किया गया। तब उसका कारण यह बताया गया था कि जूरी ने किसी भी प्रविष्टि को पुरस्कार के योग्य नहीं माना। उस वर्ष वैध एंट्री की संख्या बहुत ही कम थी। अब पुरस्कारों की घोषणा हो गई है। वर्ष 2024 के पुरस्कारों का चयन भी जल्द हो, ताकि 2025 के पुरस्कारों की घोषणा समय से हो सके।

खरी खरी

रुपया गिरने से बचाने का प्रयास

राजेंद्र कुमार सिंह

हमारे मोहल्ले के ठोकानंद बहुत ही पापुलर या फिर कहें कि फेमस आदमी हैं। ऐसा शायद ही कोई व्यक्ति होगा हमारे मोहल्ले में जो उन्हें नहीं जानता हो। हमेशा अन्याय के विरुद्ध लड़ाई लड़ते रहे हैं। वह मीन-मेख निकालने में बहुत ही माहिर हैं और यह बात जगजाहिर भी है। उनके करतूत को प्रस्तुत क्या करना। उनके बारे में क्या कहना। सभी वाकिफ हैं। वह सलाह मशविरा देने और मीन-मेख निकालने में काफी हुनरमंद हैं यानी उनका यह दोनों पक्ष मजबूत है। सबूत के तौर पर उनका एक नमूना यहां पर हम पेश कर रहे हैं।

दरअसल एक सप्ताह पहले एक सज्जन लड़का जिसका नाम विवेकानंद है, माता-पिता की इकलौता संतान है, उसकी जेब से पांच सौ रुपये का एक नोट न जाने कैसे उसके ही मोहल्ले में गिर गया। जब उसने अपने घर में यह बात बताई तो उसे सुनकर उसके पिताजी तुरंत अपना आपा खो बैठे। उसके बाद तो उन्होंने उसे बहुत खरी-खोटी भी सुनाई। उस दिन शाम को लड़के के पिताजी ने उसे इतना सुनाया कि लड़का बिना खाए-पिए ही सो गया, उसका पेट पिता की डांट-फटकार से ही भर गया और जाकर अपने पलंग पर लेट गया। विवेकानंद बेरोजगार है और वह नौकरी की तैयारी में अभी भी लगा हुआ है। न जाने उसे किस तरह की बीमारी ने जकड़ रखा है, क्योंकि वह कहता है कि यदि नौकरी करेगा तो सरकारी वरना नहीं करेगा। भला ऐसी भी कोई जिद करता है।

विवेकानंद का बाप नौकरी में है और बेटा बेरोजगार है। इसलिए उनको डांटने का पूरा-पूरा अधिकार है। क्योंकि उनकी जेब से पैसा निकलता है। यह बाप को खूब खलता है, भीतर से वह जलता है। इस बीच विवेकानंद की जेब से जो पांच सौ रुपये का नोट गिर गया था, उसके मिलने की सूचना भी मिली। दरअसल पता चला कि विवेकानंद के तीन-चार दोस्त उसी रास्ते से जा रहे थे, उसी में से एक दोस्त को वह नोट मिल गया, जिससे उसका चेहरा खिल गया। लेकिन जो और दो दोस्त थे, उन दोनों ने कहा कि हमलोग साथ जा रहे हैं तो उसमें तीनों का हिस्सा होना चाहिए, लेकिन उनके मन लायक निर्णय नहीं हो पाया। इसलिए दोस्ती की नींव हिल गई, दोस्ती टूटकर धूल में मिल गई।

यह बात मोहल्ले में सबको मालूम हो गई। जब यही बात ठोकानंद जी के पास पहुंची तो वह एक पल सकुचाए, लेकिन इस विषय पर वह कुछ विशेष कह नहीं पाए। क्योंकि इस पर वह पहले ही बेटे को भला-बुरा थोक भाव में सुना चुके थे। तब ठोकानंद ने विवेकानंद को बुलाया और अपने वक्तव्य को दोहराया कि सुनने में आया है कि तुम्हारी जेब से पांच सौ रुपये को जो नोट गुम हो गया था, उसे पाकर तीन दोस्तों का दिमाग घूम गया। तुम्हारे कारण आज उनकी बरसों से चली आ रही दोस्ती पर ग्रहण लग गया। वे जहां जाते, सटकर चलते थे, आज अलग-अलग हटकर चल रहे हैं, भटक रहे हैं। यदि तुम्हारा रुपया नहीं गिरा होता तो आज तीनों की दोस्ती नहीं टूटती, एक दूसरे का साथ नहीं छूटता। अब तुम्हीं यह बताओ कि इसमें गलती किसकी है।

यह सुनकर विवेकानंद ने कहा- मेरी गलती है पिताजी। न मेरा पैसा गिरता और न उनमें से एक को मिलता और न ही दोस्ती टूटती।

ठोकानंद ने कहा- अपने नाम के अनुरूप काम करो, आनंद से रहो। लेकिन विवेक से काम लो। समझ गए विवेकानंद। विवेकानंद ने कहा, जी पिताजी, समझ गया आपकी बात। विवेक और आनंद दोनों ही का उपयोग अब सलीके से करूंगा, आप को किसी तरह की हानि नहीं पहुंचाऊंगा, समाज में किसी की आपस में दोस्ती न टूटे, इसलिए रुपये को गिरने से निरंतर बचाने का प्रयास करूंगा। (लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

चीन, जापान और भारत पर्याप्त मजबूत स्थिति में हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ धमकियों का बखूबी सामना कर सकें।
हुसैन हक्कानी @husainhaqqani

हाल के दौर में किसी नाइट वाचमैन की ऐसी पारी याद नहीं आती, जैसी ओवल टेस्ट में आकाश दीप ने खेली। उनकी पारी ने भारत के लिए शृंखला बराबर करने का एक बढ़िया अवसर बनाया।
विक्रम चंद्रा @vikramchandra

जो लोग इस दुनिया से चले जाते हैं, उन पर लांछन लगाना भारत की परंपरा नहीं है। हालांकि ऐसे व्यक्तियों पर भी आरोप लगाना कांग्रेस का न्यू नार्मल है। जब भारत के लोग इस छिछोरेपन पर चिढ़ेंगे तो दोष चुनाव प्रक्रिया को देंगे।
संजय निरुपम @sanjaynirupam

विपक्ष सरकार से सवाल कर सकता है, लेकिन जब विदेशी ताकतें भारत को गाली दें, तो देश को एक स्वर में उसका विरोध करना चाहिए। चाहे भारत-पाकिस्तान संघर्ष हो या ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत घोषित करना। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ने एक स्वर में नहीं बोला।
डी. मुथुकृष्णन@dmuthuk

गांधी जी चाहते थे कि जेल अपराधियों के सुधार के केंद्र बनें। हमने जेल के नाम तो बदल लिए हैं, पर किस हद तक वे अपराधियों को सुधार पा रही हैं, इसकी नियमित जांच-परख होनी चाहिए।
आरके विज@ipsvijrk

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले के बाद भगवा आतंक का जुमला उछालने वालों को माफी मांगनी चाहिए?

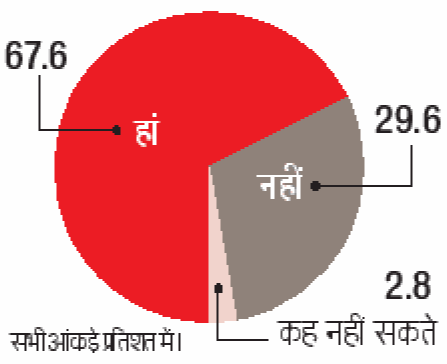

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या भारत को रूस से अधिक से अधिक मात्रा में तेल खरीदना चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

'टैरिफ वार' न जानिए ये है 'कैलिफ वार',
बनें खलीफा विश्व के चाह रहे सरकार।
चाह रहे सरकार किसी को जी भर डांटें,
कहें किसी को मित्र और फिर नस भी काटें!
काश मौसमी तंत्र ट्रंप पर दे सकता टिप,
तो शायद रुक जाय लग रहा है जो टैरिफ!!
– ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

वैश्विक समाधान के प्रखर स्वर

सुजाता शिवेन

बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की शक्ति क्या है? भारत की वैश्विक नीति इतनी समरस क्यों है? हम अपने साथ-साथ दुनिया भर में समावेशी और समरस दृष्टिकोण की स्थापना क्यों चाहते हैं? ऐसा क्या हो, जिससे भारत की तेज, गतिशील विकास यात्रा के साथ अफ्रीका और एशिया ही नहीं, दुनिया के ऐसे देश भी कदमताल कर सकें, जो अपेक्षाकृत पिछड़ गए हैं। ज्ञान, विचार, विज्ञान और विकास का बंटवारा दुनिया के हर हिस्से में समान हो। इन्हीं विश्व दृष्टि के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में भारत ने दशक भर पहले 'रायसीना डायलाग' की शुरुआत की थी। दशक भर की इस महती यात्रा की उपलब्धि भरी चर्चाओं को अब विदेश मंत्री एस जयशंकर, जो शुरुआत से ही इस संवाद-यात्रा से जुड़े हैं और आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने एक पुस्तक का रूप दिया है।

'रायसीना क्रानिकल्स : इंडियाज ग्लोबल पब्लिक स्क्वायर' इस एक दशक की अनूठी यात्रा में व्यक्त विशेष संवादों का संकलन है। यह पुस्तक दुनिया भर के नेताओं और विचारकों की उन आवाजों को एक साथ लाने का प्रयास करती है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और उनके समाधान की तलाश में इस संवाद प्रक्रिया से जुड़े थे। पुस्तक की भूमिका में एस. जयशंकर स्पष्ट करते हैं कि 'रायसीना डायलाग' राजनीति, व्यापार, मीडिया और नागरिक समाज के प्रमुख व्यक्तियों के साथ ही राष्ट्राध्यक्षों और विदेश मंत्रियों को इंजीनियरों और व्यावसायिक अध्ययन में रुचि रखने वाले स्नातकों के साथ बैठने का अवसर मुहैया कराता है। यह वार्षिक सम्मेलन विविध लोगों, दृष्टिकोणों और विषयों के लिए एक मिलन स्थल है। नई दिल्ली में आयोजित होने वाला यह भारत का प्रमुख भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक सम्मेलन है, जो एक वैश्विक सार्वजनिक मंच के रूप में विश्व द्वारा स्वीकार लिया गया है।

जयशंकर, जो इस संवाद के संरक्षक भी हैं, उनका तर्क है कि रायसीना संवाद इस विश्वास को दर्शाता है कि हमारी यात्राएं सभी के लिए खुली होनी चाहिए। यह शासन और नीति के लिए एक खुले ढांचे की वकालत करता है। भारत का मानना है कि हर सफलता और असफलता, हर अनुभव और नवाचार, दुनिया में कहीं न कहीं, किसी न किसी के लिए प्रासंगिक है। रायसीना डायलाग भारत की अंतर्निहित बहुलतावाद को प्रतिबिंबित करता है। इस पुस्तक के संपादकद्वय का मानना है कि विविधता, मतभेद और विचारों में भिन्नता एक स्थायी भविष्य के लिए आवश्यक तत्व हैं। अपनी स्थापना के दस साल में ही 'रायसीना संवाद' विभिन्न संस्कृतियों, विविध व्यक्तित्वों और विचारों की अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया है।

यह पुस्तक दुनिया भर के नेताओं और विचारकों की उन आवाजों का संकलन है, जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और उनके समाधान की तलाश में रायसीना डायलाग से जुड़े...

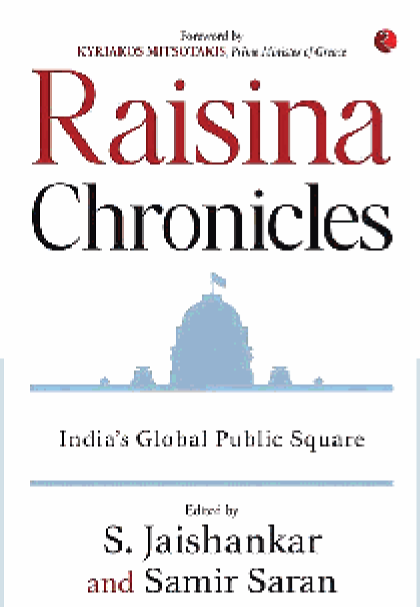

पुस्तक : रायसीना क्रानिकल्स : इंडियाज ग्लोबल पब्लिक स्क्वायर
संपादन : एस. जयशंकर और समीर सरन
प्रकाशक : रूपा पब्लिकेशंस
मूल्य : 595 रुपये

पुस्तक की प्रस्तावना में ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस लिखते हैं कि आज की दुनिया पश्चिम और पूर्व, दक्षिण और उत्तर के बीच तेजी से विभाजित होती जा रही है। भारत इन विभाजनों के चौराहे पर खड़ा है। खुली चर्चा से विभाजनों को रोका जा सकता है और अगर रोका न भी जा सके तो उन्हें कम तो अवश्य किया जा सकता है। सही मायने में दुनिया को एक ऐसे नए युग की आवश्यकता है, जहां विचारों को एक-दूसरे के विरुद्ध परखा जा सके।

यह पुस्तक विश्व मामलों के एक रिपोर्ट कार्ड की तरह है, जिसमें इस संवाद के दौरान व्यक्त मूल निबंध और चयनित संबोधनों को शामिल किया गया है, जो इस आयोजन की सामूहिक स्वरूप को अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। पुस्तक बताती है कि समावेशिता रायसीना की भावना के मूल में है। यह संवाद दुनिया भर के उन विचारों का स्वागत करता है, जिन्हें पारंपरिक और स्थापित क्षेत्रों में जगह नहीं मिली है।

युवाओं के लिए सफलता के सूत्र

कन्हैया झा

सफलता मिलती नहीं, बल्कि प्राप्त करनी पड़ती है। इसके लिए परिश्रम तो आवश्यक है ही, सतत प्रयास करने की भी बड़ी भूमिका है। हार मान लेने से काम नहीं चल सकता है। मंजिल स्वयं चलकर अपने पास नहीं आती, मंजिलों तक हमें जाना होता है। एक रास्ता चूक गया तो दूसरा बनाना होता है। मूर्ति बनाई नहीं जाती, पत्थर से तराशी जाती है। जो पत्थर स्वयं को तराशे जाने का दर्द सहन कर लेता है, वह मंदिर में प्रतिष्ठित होकर पूजनीय बन जाता है। अपने व्यक्तित्व में निखार लाने के लिए तराशे जाने का दर्द तो सहना ही पड़ेगा। दृढ़ संकल्प, तीव्र इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, लगन, उत्साह, कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं लक्ष्य के प्रति सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है।

पुस्तक : सफलता के सोपान
लेखक : डा. अशोक कुमार गदिया
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन
मूल्य : 450 रुपये

यह सच है कि स्वाध्याय से मनुष्य में आत्मानुशासन की भावना का विकास होता है। लेखक ने छात्रों एवं युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने और अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए तमाम बिंदुओं पर विचार के रूप में सैकड़ों चिंतन-प्रधान विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान की है। यह पुस्तक 27 अध्यायों में है, जो भारतीय जीवन-दर्शन के अनुरूप है। इसके साथ ही, यह पुस्तक छात्रों एवं युवाओं को 21वीं शताब्दी के अनुरूप सफल जीवन व्यतीत कर सकने योग्य एक अच्छा मनुष्य बनाने में सक्षम है।

चूंकि किसी लक्ष्य का जन्म आकांक्षा के विचार से उत्पन्न होता है, अत: आकांक्षा ही मनुष्य में उत्साह की जननी है। इसके लिए युवा सदैव अपना उत्साह किस प्रकार बनाए रख सकते हैं, इस बारे में भी चर्चा की गई है। विचारों के भटकाव को रोकने के लिए भी इसमें उपाय सुझाए गए हैं। जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपने विचार और व्यवहार में सहनशीलता जैसे पहलुओं की भी चर्चा की गई है। कुल मिलाकर, युवाओं को जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में पुस्तक में व्यापक सुझाव दिए गए हैं, जो उनके लिए हितकर साबित हो सकते हैं।

औपनिवेशिक पंजाब की स्त्रियों का मौन राग

यतीन्द्र मिश्र

इतिहास विजेताओं की कथा कहता है और दुर्भाग्य से, विजेताओं में महिलाओं की भूमिका को अक्सर अनदेखा कर दिया गया। विशेषकर औपनिवेशिक पंजाब जैसे क्षेत्र में, जिसे ब्रिटिश हुकूमत ने 'स्वार्ड आर्म आफ इंडिया' (शूरवीरों की भूमि) कहा था। मर्दानगी, युद्धप्रियता और सैन्य परंपरा के बीच स्त्रियों की उपस्थिति को या तो उपेक्षित किया गया या केवल पुरुषों के संबंध में देखा गया। हरलीन सिंह की 'द लास्ट हीर : वीमन इन कोलोनियल पंजाब' इसी ऐतिहासिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त हस्तक्षेप है, जिसमें औपनिवेशिक पंजाब की गुमनाम और विस्मृत महिला नायिकाओं की जीवनगाथाओं को सामने लाने का दुर्लभ प्रयास है। प्रारंभिक औपनिवेशिक दौर की प्रभावशाली महिलाओं- जैसे आस कौर, माई फत्तो और बीबी साहिब कौर- से लेकर मनमोहिनी जुत्शी और रघबीर कौर जैसी बाद की पीढ़ियों की हस्तियों तक, तथा डा. प्रेमदेवी (पंजाब की पहली महिला चिकित्सक) और खदीजा बेगम फिरोजुद्दीन (पंजाब की पहली महिला एम.ए.) तक- पुस्तक रेखांकित करती है कि सामाजिक न्याय और ऐतिहासिक पुनर्पाठ के लिए किन आवाजों को सुना जाना आवश्यक है।

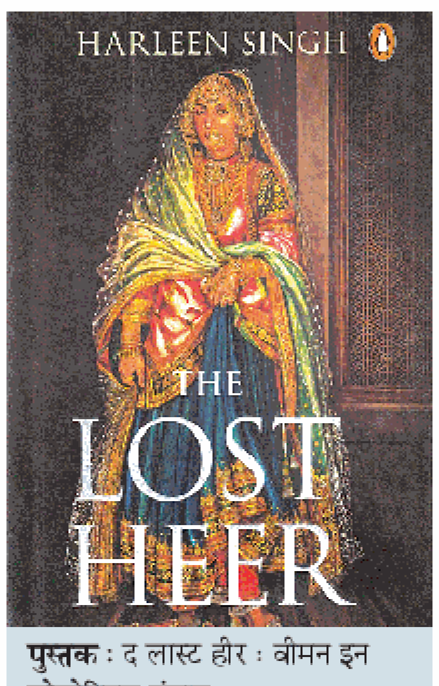

पुस्तक : द लास्ट हीर : वीमन इन कोलोनियल पंजाब
लेखक : हरलीन सिंह
प्रकाशक : पेंगुइन रैंडम हाउस
मूल्य : 1,299 रुपये

अभिलेखागारों, मौखिक साक्ष्यों, क्षेत्रीय साहित्य और संस्मरणों के माध्यम से आधुनिक पंजाब के निर्माण में पंजाबी महिलाओं की एक सदी की भूली-बिसरी भागीदारी सामने आती है।

'द लास्ट हीर' इतिहास से लोककथाओं तक और फिर लौटकर इतिहास में पंजाब की महिलाओं के सांस्कृतिक, सामाजिक ताने-बाने की गहराइयों में उतरती है, जहां पर्दा, पारंपरिक वेशभूषा और घरेलू भूमिकाएं उनकी सीमाएं थीं- वहीं इन स्त्रियों ने इन्हीं सीमाओं के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य, लेखन और राजनीति में चुपचाप क्रांति रची, अपनी आवाज और नेतृत्व को आकार दिया। सरला देवी और यमुना बाई जैसे प्रभावशाली चेहरों ने लाहौर और पंजाब की नारी चेतना को समृद्ध किया। विद्रोही कूका महिलाओं, त्यागमयी माताओं और युद्ध विधवाओं से लेकर आजाद हिंद फौज की झांसी की रानी रेजिमेंट की साहसी नायिकाओं तक, पंजाबी महिलाओं की फिरंगियों से पहली अंतरंग भेंट से लेकर राज की समाप्ति तक, उत्कृष्ट शोध और रोचक किस्सागोई से ये पात्र इतिहास से निकलकर जीवंत हो उठते हैं।

चंद्रमा की रोशनी को हृदय तक आने देना

अपने समय से अनुपस्थित किसी दूसरी टाइम मशीन में पहुंचा हुआ ऐसा स्मृतिलोक, जो कविता में एक प्रतिसंसार बनाते हुए कवि के यहां उतरता है। ऐसी ही भावनाओं को रंग देता हुआ दीपक जायसवाल का संग्रह 'बुद्ध और फराओ' पठनीय होने के साथ बहुत सारे तथ्यों, स्थितियों, दृश्यों और सपनों को रेखांकित करने के लिए आपको कुरेदता है। यहां नए कवि से यह अपेक्षा अधिक नहीं है कि वह नए प्रश्नों और नई संभावनाओं के साथ कुछ अनसुनी आवाजों को साधने की कोशिश करेगा, बल्कि यह संग्रह इस मायने में अलग सा बन जाता है कि वह स्मृतियों के गुंजलक को विस्तार देता हुआ, दरअसल कविता का एक अलग ही संसार विस्तृत करता है। संग्रह की प्रतिनिधि कविता 'बुद्ध और फराओ' मिस्र के फराओ शासकों से लेकर कपिलवस्तु के उस संन्यासी तक आती है, जिसने वीणा के तारों को कसा। इस कविता में अज्ञेय की महान कविता 'असाध्य वीणा' की अनुगूंजें सुनाई देती हैं, परंतु यहां प्रश्न और दृश्यांकन सभी वर्तमान चेतना के साथ दीप्त हैं, जो दीपक जायसवाल की इस कविता को प्रासंगिक बनाती है। 'वैतरणी नदी' में आत्मा के दुख का संगीत बसता है, तो 'मां और सुरुज देव' में यह बाल कौतुक प्रश्न कि घोर आस्तिक मां कभी सूर्य को एक तारे की तरह नहीं देख पाईं। 'पाब्लो नेरुदा की छत से', 'युद्ध और तितलियां' और 'नानी की संदूक' जैसी हृदयस्पर्शी कविताओं में जादुई किस्म का आशय छिपा है, जो विरासत को प्रश्नांकित करने के भाव से उपजता है। वरिष्ठ कवि उदय प्रकाश इस कविता में एक ऐसी कायनात का स्वप्न देखते हैं, जिसमें अनगिनत किरदार अपने भरे-पूरे परिवारों और भरी-पूरी गलियों के साथ मौजूद हैं। इस संग्रह के अंत:पाठ में कविताओं की संवेदनात्मक प्रतीति, कृतज्ञता ज्ञापन की तरह उपस्थित है, मगर वहां एक जिज्ञासु युवा के प्रश्न उन्हें ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सुलझाने में आनंद पाते हैं। मनुष्य की प्रज्ञा, उसके जीवनानुभव और विरासत में पाई हुई आस्था की घुट्टी- यह सब मिलकर किसी जलडमरूमध्य में एकत्र हैं, जहां से कवि मुक्ति की आस में दुनिया के सबसे बड़े सत्य को ढूंढने की कोशिश करता है। इसी संदर्भ में बहुत सारे बिंब, परिप्रेक्ष्य, संदर्भ, यातनाएं और परिस्थितियां अपना जीवन जीती हैं, जैसे कोई हाथ थामता है। ये कविता पंक्तियां देखने लायक हैं- 'जब धरती ने नदी के हाथ थामे/ हाथों को लगा कोई पुच्छल तारा/ उसने पकड़ लिया हो/ किसी टूटते तारे ने बुझने से पहले/ अपना हृदय हमारी आंखों को सौंप दिया हो।'

पुस्तक : बुद्ध और फराओ
लेखक : दीपक जायसवाल
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 595 रुपये

****

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का आइपीओ सात को खुलेगा

नई दिल्ली : सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाले जीएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू सीमेंट का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए 7-11 अगस्त तक खुलेगा। ताजा दस्तावेजों के अनुसार, अब इस आइपीओ का आकार घटाकर 3,600 करोड़ रुपये किया गया है। पहले कंपनी की योजना चार हजार करोड़ का आइपीओ लाने की थी। दस्तावेजों के अनुसार, इस आइपीओ में 1,600 करोड़ रुपये के नए शेयर और दो हजार करोड़ रुपये के प्रमोटर शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। (प्रेट्र)

वित्त मंत्रालय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की साप्ताहिक पूंजी समीक्षा कर रहा है और ऐसी रणनीतियों पर काम कर रहा है जो भारतीय आर्थिकी को भू-राजनीतिक जोखिमों से बचा सकें।
— अरुणीश चावला, दीपम सचिव

सरकार-निर्यातक मिलकर कर सकते हैं क्षतिपूर्ति

सात अगस्त से लगने वाले ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ से निपटने के लिए रणनीति बनाने पर काम शुरू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ का मुकाबला सरकार और निर्यातक दोनों मिलकर करेंगे, ताकि अमेरिका के बाजार में भारतीय निर्यात में कमी नहीं आए। शनिवार को वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मुंबई में टेक्सटाइल व इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यातकों से मुलाकात की। सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित सेक्टर से जुड़े एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल को मदद के लिए प्रस्ताव देने को कहा है। मुख्य रूप से गारमेंट, लेदर उत्पाद, फुटवियर, जेम्स व ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स जैसे सेक्टर को वित्तीय मदद की जरूरत दिख रही है। ये सेक्टर रोजगारपरक है और शुल्क की वजह से इनका निर्यात प्रभावित होने से रोजगार पर असर पड़ेगा। पिछले तीन सालों से इन सेक्टर का निर्यात अमेरिका के बाजार में लगातार बढ़ रहा है।

- केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने टेक्सटाइल व इंजीनियरिंग निर्यातकों से की मुलाकात
- निर्यातक बोले- शुल्क की भरपाई के लिए घटा सकते हैं अपना मार्जिन

25 अरब डालर तक घट सकता है अमेरिका को भारतीय निर्यात नए शुल्क से

15 प्रतिशत के अंतर की भरपाई के लिए सरकार से मदद चाहते हैं निर्यातक

जुर्माने पर स्थिति साफ न होने से नए आर्डर में परेशानी

अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने बताया कि ट्रंप ने 25 प्रतिशत शुल्क के साथ भारत पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी घोषणा की थी, लेकिन जुर्माने को लेकर स्थिति साफ नहीं होने से अमेरिकी खरीदार नए आर्डर नहीं दे रहे हैं। अमेरिकी खरीदारों को डर है कि ट्रंप कभी भी जुर्माने की दर का ऐलान कर सकते हैं। ऐसे में, उन्हें भारतीय वस्तुओं की खरीदारी पर जुर्माना भी देना पड़ेगा और उनकी लागत बढ़ जाएगी। सात अगस्त तक नए शुल्क से छूट है, लेकिन इतने कम समय में वे नए आर्डर को लेकर उसकी डिलिवरी नहीं कर सकते है।

ट्रंप के 25 प्रतिशत टैरिफ से अमेरिका होने वाले वस्तु निर्यात में 25 अरब डालर तक की कमी आने की आशंका है। काउंसिल फार लेदर एक्सपोर्ट के चेयरमैन आरके जालान ने बताया कि अभी भारतीय वस्तु पर 10 प्रतिशत शुल्क लग रहा है जो सात अगस्त से 25 प्रतिशत हो जाएगा। वर्तमान शुल्क और सात अगस्त से लगने वाले शुल्क में 15 प्रतिशत का अंतर है। हम सरकार से इस 15 प्रतिशत की भरपाई में वित्तीय सहायता चाहते हैं। उन्होंने बताया कि निर्यातक अपने मार्जिन को कम कर सकता है और कुछ बोझ खरीदार उठा सकता है। ऐसे में सरकार को बहुत अधिक वित्तीय सहायता देने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जालान ने बताया कि चार अगस्त को वाणिज्य मंत्रालय ने टैरिफ के प्रभाव को कम करने के उपाय को लेकर लेदर काउंसिल के साथ बैठक बुलाई गई है। जेम्स व ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के पदाधिकारी भी वाणिज्य मंत्री से मिलने वाले हैं। निर्यातकों का कहना है कि वह अमेरिका के अपने खरीदारों को खोना नहीं चाहते हैं। शुल्क को लेकर एक-दो महीने की परेशानी है क्योंकि अक्टूबर तक भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) का पहला चरण पूरा होने पर इस 25 प्रतिशत शुल्क के कोई मायने नहीं रह जाएंगे।

भारत के आटो उपकरणों पर एशियाई प्रतिस्पर्धियों से ज्यादा शुल्क : इक्रा

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा है कि अमेरिका ने भारत से आने वाले भारतीय आटोमोबाइल व टायर पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। यह भारत के एशियाई प्रतिस्पर्धियों-जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया के मुकाबले अधिक है। इससे भारतीय आटोमोबाइल और टायर उद्योग की स्थिति चिंताजनक हो गई है। इक्रा के अनुसार, अमेरिका की भारतीय आटो उपकरण निर्यात में 27 प्रतिशत और टायर निर्यात में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में बढ़े हुए टैरिफ भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित कर सकते हैं।

80 डालर तक जा सकता है कच्चा तेल

मुंबई, आइएएनएस : अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच विश्लेषकों का मानना है कि कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतें 2025 के अंत तक 80-82 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इस समय ब्रेंट क्रूड की कीमत 72.07 डालर प्रति बैरल है।

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए 10-12 दिन की समय सीमा दी थी। यदि ऐसा नहीं होता है, तो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध और टैरिफ लगाए जा सकते हैं। इससे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। वेंचुरा सिक्योरिटीज के एनएस रामास्वामी का कहना है कि यह तेल बाजार में एक नाटकीय बदलाव ला सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत के रूस से कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हुई है, जो अब 35 से 40 प्रतिशत है। हालांकि, ट्रंप ने तेल की कीमतें कम करने की इच्छा व्यक्त की है।

बीमा के लिए हों एकजुट

हाल ही में एक महिला ने लिखा कि उसने जो पालिसी 'टर्म इंश्योरेंस' समझकर ली थी, वह वास्तव में एक महंगा एंडोमेंट प्लान निकला। उसे 'रिटर्न' और 'बेनेफिट्स' का झांसा देकर बेचा गया था। इसके बाद आई प्रतिक्रियाएं एक जानी-पहचानी तस्वीर पेश करती हैं। लोगों ने साझा किया कि कैसे उन्हें गुमराह किया गया, जरूरत से ज्यादा पैसे ऐंठे गए या कुछ ऐसा बेचा गया जो उन्होंने कभी चाहा ही नहीं था।

धीरेंद्र कुमार, संपादक, हिंदी डाट वैल्यूरिसर्चआनलाइन डाट काम

बोनस

इन घटनाओं में सारी बातें लगभग एक जैसी थीं। हर केस में एक असमानता स्पष्ट दिखती है, जो केवल जानकारी की नहीं, बल्कि अनुभव और इरादे की भी होती है। इंश्योरेंस एजेंट या कंपनियों के प्रतिनिधि इस पूरे 'धोखे का ड्रामा' सैकड़ों, शायद हजारों बार दोहरा चुके होते हैं। वे बातचीत को मुश्किल सवालों से बचाकर बातें तोड़ना-मरोड़ना जानते हैं। तकनीकी शब्दावली का इस्तेमाल उलझाने के लिए करते हैं और ग्राहक के भरोसे व आर्थिक असुरक्षा की भावना का पूरा फायदा उठाते हैं।

दूसरी ओर, ग्राहक अक्सर पहली या दूसरी बार इस जाल में कदम रखता है। वह इस उम्मीद से आता है कि सामने बैठा व्यक्ति ईमानदारी से उसे बताएगा कि वह क्या खरीद रहा है। जो प्रोडक्ट उसे बेचा जा रहा है, वह वही करेगा जिसका वादा किया जा रहा है। ये उम्मीदें जितनी वाजिब हैं, उतनी ही उन्हें एक ऐसे सिस्टम के सामने कमजोर बना देती हैं जो इन्हीं मासूम अपेक्षाओं को शोषण का जरिया बनाता है।

यह केवल 'खरीदार सावधान रहो' वाली बात नहीं है। यह दशकों से जारी रेगुलेशन और कारपोरेट गवर्नेंस की असफलता की सुनियोजित तस्वीर है। बीमा नियामक इरडा के पास इन शोषणकारी प्रथाओं को रोकने के कई मौके रहे हैं, लेकिन ये प्रथाएं आज भी धड़ल्ले से जारी हैं। कंपनियों की भूमिका और भी चिंताजनक है। वे जानती हैं कि उनके एजेंट फील्ड में क्या कर रहे हैं। उन्होंने अपने इंसेंटिव स्ट्रक्चर को इस तरह डिजाइन किया है कि इन्हीं गलत तरीकों से उन्हें ज्यादा कमीशन मिलता है। जब ग्राहक शिकायत करते हैं, तो कंपनियां 'एजेंट बुरा है' का बहाना बनाकर बच निकलती हैं।

सालों इस सिस्टम को देखने के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि अब तक बताए जाने वाले उपाय- बेहतर रेगुलेशन, इंडस्ट्री का आत्म-अनुशासन और ग्राहक जागरूकता जैसे अभियान नाकाफी हैं। असल दिक्कत यह है कि आम ग्राहक इंश्योरेंस जैसी चीज कभी-कभार ही खरीदता है और बिना विशेषज्ञता के एक ऐसे सिस्टम से भिड़ता है, जो उसकी जेब ढीली करने में दक्ष है।

शायद अब जो काम कर सकता है, वह है- संगठित ग्राहक शक्ति। सोचिए अगर ग्राहक एकजुट होकर अपनी जानकारी और सौदेबाजी की ताकत को उसी तरह इकट्ठा कर लें, जैसे बीमा कंपनियां जोखिम को लेकर करती हैं। आज के समय में यह सब तकनीकी रूप से पूरी तरह संभव है। वही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म जो आज सिर्फ शिकायतें जमा कर रहे हैं, वे कल संगठन और सामूहिक कार्रवाई के टूल बन सकते हैं। ग्राहक सिर्फ अपना गुस्सा ही नहीं, बल्कि रणनीतियां भी साझा कर सकते हैं कि कैसे एजेंट से डील करें। यह किसी लड़ाई की बात नहीं है। यह उस सच्चाई को स्वीकार करने की बात है कि अगर बार-बार एक आम ग्राहक, एक पेशेवर एजेंट से हार जाता है तो इसका हल सामूहिक ताकत में ही है। बीमा इंडस्ट्री ने ग्राहकों पर अपनी पकड़ मजबूत करने में दशकों लगाए हैं। अब शायद वक्त आ गया है कि ग्राहक भी अपनी ताकत बढ़ाना शुरू करें।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

महिंद्रा ने एसएमएल इसुजु की हिस्सेदारी खरीद प्रक्रिया पूरी की

मुंबई, प्रेट्र : महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को बताया कि उसने वाणिज्यिक वाहन निर्माता एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी की खरीदारी सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। अब एसएमएल इसुजु का नाम बदलकर एलएमएल महिंद्रा लिमिटेड (एसएमएल) रखा गया है।

महिंद्रा ने बताया कि उसने कंपनी के बोर्ड का पुनर्गठन किया है। महिंद्रा समूह के अनुभवी विनोद सहाय को एसएमएल का कार्यकारी चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, वेंकट श्रीनिवास को एसएमएल का कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया गया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इसी वर्ष अप्रैल में जापान की सुमिटोमो कारपोरेशन और इसुजु मोटर्स लिमिटेड से एसएमएल इसुजु की हिस्सेदारी के लिए 555 करोड़ रुपये का समझौता किया था।

अगस्त में रेपो रेट 25 आधार अंक घटा सकता है आरबीआइ

नई दिल्ली, एएनआइ : आरबीआइ पांच से सात अगस्त के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की घोषणा कर सकता है। एसबीआइ ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त में एक और दर कटौती ''जल्दी दिवाली'' ला सकती है। इससे खासतौर पर त्योहारी सीजन के दौरान क्रेडिट वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट में आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि दिवाली से पहले की गई कोई भी रेपो दर कटौती से क्रेडिट में उच्च वृद्धि होती है। उदाहरण के लिए, अगस्त 2017 में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की गई थी। इससे दिवाली के अंत तक 1,956 अरब रुपये की अतिरिक्त क्रेडिट वृद्धि हुई। इसमें पर्सनल लोन की करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

- एसबीआइ ने कहा, एक और कटौती से जल्दी आएगी दिवाली
- इस वर्ष में रेपो रेट में एक प्रतिशत की हो चुकी है कटौती

रिपोर्ट ने कहा गया है कि कई महीनों से महंगाई आरबीआइ के लक्षित दायरे में है। ऐसे में एक प्रतिबंधात्मक नीति बनाए रखना उत्पादन हानि का कारण बन सकता है और अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है। आरबीआइ इस वर्ष अब तक रेपो रेट में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस समय रेपो रेट 5.5 प्रतिशत है।

आनलाइन विज्ञापन में गूगल के एकाधिकार की होगी जांच

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ) ने आनलाइन डिस्प्ले विज्ञापन बाजार में गूगल के एकाधिकार की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। सीसीआइ ने अलायंस आफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआइएफ) की शिकायत के आधार पर यह आदेश दिया है।

सीसीआइ ने शुक्रवार को पारित आदेश में कहा कि उसने इस शिकायत को समान मामलों में चल रही जांचों के साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। साथ ही महानिदेशक को आनलाइन डिस्प्ले विज्ञापन सेवा इकोसिस्टम में गूगल के आचरण की समेकित जांच करने का निर्देश दिया है। एडीआइएफ ने आरोप लगाया है कि गूगल अपनी विज्ञापन प्रौद्योगिकी के विभिन्न स्तरों पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं में संलग्न किया है। वहीं गूगल ने कहा है कि वह आदेश की समीक्षा कर रही है।

एफपीआइ ने जुलाई में शेयरों से 17,741 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, एएनआइ : लगातार तीन महीने तक निवेश के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआइ) पिछले महीने शुद्ध बिकवाल रहे हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में एफपीआइ ने भारतीय शेयर बाजारों से शुद्ध रूप से 17,741 करोड़ रुपये की निकासी की है। इसके साथ कैलेंडर वर्ष 2025 में अब तक एफपीआइ की कुल निकासी 1,01,795 करोड़ रुपये हो गई है।

जुलाई के अंतिम सप्ताह में अचानक बिक्री में वृद्धि ने बाजार की भावना में तेज उलटफेर किया है। आंकड़ों के अनुसार, 28 जुलाई से एक अगस्त के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 17,390.6 करोड़ रुपये निकाले, जिसने कुल मासिक आंकड़ों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला और जुलाई के निवेश को नकारात्मक कर दिया।

लगातार तीन महीने तक शुद्ध निवेश के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजारों में की बिकवाली

अकेले एक अगस्त को एफपीआइ ने 6,153 रुपये के शेयरों की शुद्ध बिक्री की है। विश्लेषकों का कहना है कि एफपीआइ की बिक्री के दबाव का मुख्य कारण अमेरिका की ओर से लगाया गया ताजा टैरिफ शुल्क है। इसके भारत समेत कई अन्य देशों को प्रभावित किया है। इन शुल्कों ने वैश्विक व्यापार स्थिरता और निवेशक भावना को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिसने एफपीआइ को अपनी स्थिति के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित किया है। एफपीआइ ने इससे पहले जून में 14,590 करोड़, मई में 19,860 करोड़ और अप्रैल में 4,223 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

राष्ट्रीय फलक

कश्मीर में एक चश्मे से सदियों पुराने 15 शिवलिंग और मूर्तियां मिलीं

राज्य ब्यूरो, जागरण • श्रीनगर

- अनंतनाग के सलिया गांव में करकूट नाग की सफाई के दौरान मजदूरों को मिली यह प्राचीन धरोहर
- जिला प्रशासन ने पुरातत्व विभाग को किया सूचित, मूर्तियों की आयु पता लगाई जा रही

अनंतनाग जिला में मिले प्राचीन शिवलिंग व मूर्तियां। सौ : इंटरनेट मीडिया

कश्मीर सदियों से शैव और सनातन संस्कृति का वाहक है। यह तथ्य शनिवार को एक बार फिर उजागर हुआ, जब दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में एक चश्मे से सदियों पुराने 15 शिवलिंग और मूर्तियां मिलीं। इन मूर्तियों और शिवलिंग के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने के लिए संबंधित प्रशासन ने पुरातत्व विभाग को सूचित कर दिया है।

बता दें कि कश्मीर में बावड़ियों और चश्मों को नाग कहा जाता है। अनंतनाग के सलिया गांव से मिली जानकारी के अनुसार, करकूट नाग में जलस्तर कम हो गया है। लोगों ने इसकी सफाई का फैसला किया। सुबह चश्मे की सफाई कर रहे तीन मजदूरों रियाज अहमद खान, आदिल अजीज बटाना और बशीर अहमद बिंथ ने चश्मे के तल पर जमी गाद के नीचे 15 शिवलिंग और मूर्तियां देखीं। मजदूरों ने इसकी जानकारी तुरंत सलिया पंचलपोरा नागबल समिति के अध्यक्ष सतरू जी को दी।

कश्मीरी हिंदुओं का है विशेष स्थल : करकूट नाग कश्मीरी हिंदुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। कई इसे करकोटा (करकूट) राजवंश से जोड़ते हैं, जिसने 7वीं से 9वीं शताब्दी के दौरान कश्मीर पर शासन किया था। इतिहासकारों के अनुसार, यह चश्मा उन स्थानों में से एक है, जहां करकोटा राजवंश के शासक प्रार्थना करते थे और यह आने वाली पीढ़ियों तक आध्यत्मिक महत्व का स्थल बना रहा। इस क्षेत्र के एक कश्मीरी पंडित सन्नी रैना ने कहा कि यह सिर्फ एक चश्मा नहीं है, यह हमारे जीवंत इतिहास का हिस्सा है।

लंदन बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में दर्ज हुआ सैंड आर्टिस्ट का नाम

जासं, मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) : बिहार में पूर्वी चंपारण जिला निवासी सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार का नाम लंदन बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स में दर्ज किया गया है। उन्हें यह सम्मान ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन में आयोजित समारोह के दौरान दिया गया। समारोह में लंदन बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अविनाश डी. सकुंडे व यूरोपीय संघ के प्रमुख डा. इवान गैसीना ने प्रशस्तिपत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र के साथ मेडल पहनाकर मधुरेंद्र को सम्मानित किया।

लंदन बुक आफ वर्ल्ड रिकाड्र्स के लिए टीम ने जून 2025 के सर्वे में मधुरेंद्र का नाम चयनित किया था। मधुरेंद्र को 95 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है। यह सर्वे 10 जून से 17 जून के बीच कई देशों में किया गया था। रिपोर्ट में मधुरेंद्र ने पांच हजार से अधिक रचनाओं से ग्लोबल आर्टिस्टों में पहला स्थान हासिल किया।

अनिल अंबानी से जुड़े फर्जी बैंक गारंटी रैकेट में पहली गिरफ्तारी

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- ईडी ने ओडिशा की बिस्वाल कंपनी के एमडी को भुवनेश्वर से किया गिरफ्तार
- पार्थसारथी की कंपनी चला रही थी व्यापारिक समूहों के लिए फर्जी बैंक गारंटी जारी करने का रैकेट

अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ तीन हजार करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी केस में ईडी ने पहली गिरफ्तारी करते हुए ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक के एमडी पार्थसारथी बिस्वाल को फर्जी गारंटी जमा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पार्थसारथी पर आरोप है कि वह संगठित तौर पर व्यावसायिक समूहों के लिए फर्जी बैंक गारंटी जारी करने का रैकेट चला रहा था, जिसमें रिलायंस समूह की एक कंपनी के लिए कथित तौर पर 68 करोड़ रुपये का आश्वासन प्रदान करना भी शामिल था। पार्थसारथी की कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन पर फर्जी बैंक गारंटी जारी कर देती थी। इन फर्जी बैंक गारंटियों से सरकार को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा था। ईडी ने शुक्रवार को भुवनेश्वर स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक नामक कंपनी के खिलाफ धन शोधन के मामले में छापेमारी शुरू की थी। इसमें कंपनी के भुवनेश्वर स्थित तीन परिसरों और कोलकाता स्थित एक सहयोगी इकाई की तलाशी ली गई थी। इसी क्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक पार्थसारथी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुक्रवार को भुवनेश्वर से हिरासत में लिया गया था। बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने पार्थसारथी को छह अगस्त तक के लिए हिरासत में भेज दिया है। बिस्वाल ट्रेडलिंक कंपनी को पहले महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

सोनम, राज व अन्य तीन की न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ी

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपित पत्नी सोनम, उसके प्रेमी राज कुशवाहा, सुपारी किलर विशाल चौहान, आकाश और आनंद की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाई गई है। शासकीय अधिवक्ता तुषार चंदा ने बताया कि शिलांग कोर्ट में सभी की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोपितों को पिछली बार भी 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था। यह समयावधि खत्म हो रही थी। सोनम, राज व विशाल की 14 दिन की न्यायिक हिरासत एक अगस्त से और आकाश व आनंद कुर्मी की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई से बढ़ाई गई है।

इस मामले में मेघालय पुलिस द्वारा घटनास्थल से बरामद सोनम की जैकेट, हथियार व आकाश की शर्ट सहित अन्य साक्ष्यों की फोरेंसिंग लैब की जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

सिक्किम में सात साल बाद दो रेड पांडा शावकों का जन्म

जासं, गंगटोक : सिक्किम के हिमालयन जूलाजिकल पार्क में सात साल बाद रेड पांडा के दो शावकों का जन्म हुआ। सिक्किम के रेड पांडा संरक्षण और प्रजनन कार्यक्रम के तहत यह एक बड़ी सफलता है। शावकों को सुरक्षित स्थान पर रखा गया है और एक साल बाद सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए लाया जाएगा।

संरक्षण कार्यकर्ताओं ने इसे लुप्तप्राय प्रजाति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह सिक्किम का राज्य पशु है। यह प्रजाति मुख्य रूप से पूर्वी हिमालय, भूटान, नेपाल और दक्षिणी चीन में पाई जाती है। बताया गया है कि रेड पांडा की आबादी पिछले कुछ दशकों में तेजी से घटी है, जिसके कारण यह प्रजाति अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लुप्तप्राय सूची में शामिल है। चिड़ियाघर प्रशासन ने बताया कि नवंबर से जनवरी तक रेड पांडा का प्रजनन काल होता है। इसके बाद जून से अगस्त के बीच गर्म और शांत वातावरण में शावकों का जन्म होता है। रेड पांडा को 'फायर फाक्स' के नाम से भी जाना जाता है।

एकतरफा प्यार बना पटना में भाई और बहन की हत्या का कारण

जागरण संवाददाता, पटना

- पटना में सिरफिरे युवक ने अकेले ही दिल दहलाने वाली घटना को दिया था अंजाम
- मामले का आरोपित और चचेरा भाई गिरफ्तार, 15 दिन पहले रची थी हत्या की साजिश

पटना जिले के जानीपुर के नगवां में भाई-बहन की हत्या कर शवों को जलाने की कोशिश एक सिरफिरे युवक ने अकेले ही की थी। किशोरी का कसूर बस इतना था कि उसने उस पूर्व परिचित युवक के एकतरफा प्यार का प्रस्ताव ठुकरा दिया था। किशोरी व उसके छोटे भाई के घर में अकेले होने की बात जानकर वह बोतल में केरोसिन लेकर हत्या की पूरी तैयारी के साथ पहुंचा।

दरवाजा खटखटाने पर जैसे ही किशोरी ने खोला, वह अंदर घुस गया। किशोरी के साथ जबरदस्ती करने लगा तो उसने विरोध किया, इसपर वह उसका गला दबाने लगा। शोर सुनकर छोटे भाई की नींद खुल गई तो वह बहन को बचाने की कोशिश करने लगा। इसपर सिरफिरे ने उसके सिर पर पास पड़ी ईंट दे मारी, जिससे वह निढाल होकर गिर पड़ा। इसके बाद उसने किशोरी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और गला दबाकर हत्या कर दी। फिर केरोसिन छिड़ककर दोनों के शवों में आग लगा दी। आग की लपटें उठने पर वह दरवाजा बाहर से बंदकर भाग गया। पुलिस ने आरोपित शुभम कुमार उर्फ सन्नी और साथ देने वाले उसके चचेरे भाई रौशन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों की उम्र 19 वर्ष है। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने और शव को जलाने के लिए वह जिस बोतल में केरोसिन ले गया था, पुलिस ने उसे भी बरामद कर लिया है। एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि घटना में संलिप्त दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का मुख्य कारण एकतरफा प्रेम है। पूर्व से दोनों की दोस्ती थी, फिर अलगाव हो गया था। आरोपित को पता चला कि वह किसी और से बात करती है तो लड़की के घर गया और लड़की के साथ उसके भाई की हत्या कर भाग निकला था।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 3 अगस्त, 2025 से शनिवार 9 अगस्त, 2025 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) कार्य में सफलता, धनागम अच्छा, विशेष व्यक्ति से मिलन एवं लाभ, क्रोध पर नियंत्रण, वाहन में सावधानी, सहयोगीजनों से सावधान, मन में असंतोष, भवन, भूमि कार्य में प्रगति, चयन में सफलता, मित्रों से सावधान, रक्षा साधन कार्य में सफलता, शुभ अंक 5

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो) व्यापारिक कार्य में प्रगति, नये कार्य क्षेत्र का विस्तार, भविष्य की योजना, क्रोध पर नियंत्रण, साझेदारी में तनाव, विदेश से अच्छे समाचार, भौतिक साधनों की वृद्धि, संतान से संतुष्टि, वाद विवाद से बचें, तनाव से बचें, आय में सुधार, शुभ अंक 6

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा) कार्य में प्रयास से सफलता, धनागम में सुधार, धन निवेश में सावधानी, निर्णय सलाह से करे, वाहन योग, निर्माण कार्य में प्रगति, संतान से अनबन, चयन में देरी, खानपान पर ध्यान रखें, यात्रा में सावधानी, राज्यपक्ष से सावधान, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) कार्य में सहयोग से सफलता, अर्थसाधन ठीक, दिनचर्या व्यस्ततम, निर्णय सलाह से करे, विदेश व्यापार में प्रयास, सन्तान के प्रति योजना, मित्रों से सावधान, नये साथी का मिलन, जीवन साथी का मिलन, अपने लक्ष्य का ध्यान रखे, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) कार्य में सफलता, धनागम में सुधार, सामाजिक कार्य का योग, क्रोध पर नियंत्रण, साझेदारी में अनबन, कार्य करने वालों से सतर्क, सनतान की सफलता, चयन में देरी, ईर्ष्या से बचें, प्रणय में सुख, अनुबन्ध की प्राप्ति, रुके कार्य संपन्न, व्यय अधिक, शुभ अंक 9

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) कार्य में श्रम से सफलता, नये व्यक्ति से मिलन, व्यापार सम्पर्क विस्तार, विदेश कार्य के प्रति योजना, भूमि में विवाद, निर्णय सलाह से करे, कार्य क्षेत्र में विस्तार, महिला से सहयोग, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, अनुबंध की प्राप्ति, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) कार्य क्षेत्र में प्रगति हेतु उत्साह युक्त रहें, निजी संबंधों में सुधार, निर्माण कार्य में देरी, शत्रुपक्ष प्रभावी, व्यस्ततम् दिनचर्या, विदोक व्यापार में प्रयास, क्रोध में वृद्धि, अनुबंध की प्राप्ति, सामाजिक कार्य में यश, वाद विवाद से बचें, ससुराल से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) साधनों की वृद्धि, विदेश से समाचार, प्रतिस्पर्धा से चिन्ता, रुके कार्य संपन्न, शिक्षा में रुचि, वाहन, आभूषण योग प्रभावी, क्रोध पर नियंत्रण, समय का सदुपयोग करें, शत्रुपक्ष से सावधान, मन में असंतोष, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 3

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) अर्थसाधन का प्रयास सार्थक, कार्य क्षेत्र में संपर्क बढ़ेगा, शिक्षा में अवरोध, क्रोध पर नियंत्रण, प्रणय में सुख, महिला से सहयोग, साझेदारी में सावधानी, शिक्षा में एकाग्रता, वैचारिक मतभेदों से बचें, विशेष व्यक्ति से सहयोग, मन में एकाग्रता रखे, व्यय अधिक, शुभ अंक 4

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी) निर्णय सलाह से करें, धनागम में सफलता, समाज में यश, क्रोध पर नियंत्रण, नकारात्मक विचारों से बचें, संतान से सहयोग, दांपत्य में सुख, रक्षा साधन कार्य मे प्रगति, माता-पिता का ध्यान रखे, आय में सुधार, शुभ अंक 7

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा) मन प्रसन्न रहेगा, जीवन में सुख योग, सकारात्मक सोच से कार्य क्षेत्र में लाभ, नये व्यापारिक क्षेत्र में लाभ, संतान के लिये योजना, चयन में सफलता, कठिन कार्यो में सफलता, व्यापारिक क्षेत्र में प्रयास सार्थक, पूंजी निवेश में सलाह, भूमि, भवन में अवरोध, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची) आशा-निराशा के विचारों का योग प्रभावी, विपरीत परिस्थिति में संघर्ष से सफलता, सामाजिक एवं व्यापारिक कार्यो में सफलता, ससुराल से सहयोग, वाणी पर संयम रखे, त्वचा विकार, रक्त विकार का योग, नौकरी कार्य में प्रगति, आय में सुधार, शुभ अंक 1

****

2 अगस्त को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुरानी मोर्टार शेल के साथ खेलने के दौरान उसमें विस्फोट हो गया। हादसे में पांच बच्चों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

ट्रंप की योजनाएं राजनीतिक जुआ, दे रही चेतावनी भरे संकेत

स्पष्ट होते जा रहे नीतियों के प्रभाव, कम हो रहे हैं रोजगार के अवसर

- देश में मुद्रास्फीति बढ़ रही है और पिछले साल की तुलना में विकास दर धीमी हुई है

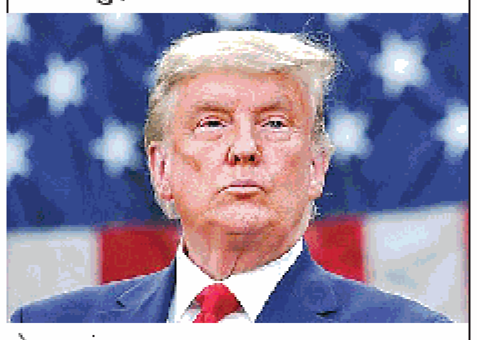
डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक ''स्वर्ण युग'' के तमाम वादों के बावजूद इस हफ्ते कमजोर संकेतकों की बाढ़ ने एक चिंताजनक कहानी बयां की है क्योंकि उनकी नीतियों के प्रभाव अब स्पष्ट होते जा रहे हैं। रोजगार के अवसर कम हो रहे हैं। मुद्रास्फीति बढ़ रही है। पिछले साल की तुलना में विकास दर धीमी हुई है।

अपने कार्यकाल के छह महीने से भी ज्यादा समय बाद ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ोतरी और उनके नए कर एवं व्यय विधेयक ने अमेरिका की व्यापार, विनिर्माण, ऊर्जा और कर प्रणालियों को अपनी पसंद के अनुसार नया रूप दिया है। इसके बाद भी अगर वित्तीय स्थिति डगमगाने लगे तो किसी और को दोष देने की तलाश में हैं। लेकिन फिलहाल, यह वह तेजी नहीं है जिसका राष्ट्रपति ने वादा किया था। किसी भी आर्थिक चुनौती के लिए अब पूर्व डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडेन को जिम्मेदार ठहराने की उनकी क्षमता कम हो गई है क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब उनके हर शब्द और इंटरनेट मीडिया पोस्ट पर टिकी है। जब शुक्रवार की रोजगार रिपोर्ट बेहद निराशाजनक निकली तो ट्रंप ने आंकड़ों में दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और मासिक रोजगार के आंकड़े तैयार करने वाली एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने कहा, 'इस तरह के महत्वपूर्ण आंकड़े निष्पक्ष और सटीक होने चाहिए। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इनमें हेरफेर नहीं किया जा सकता। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।'' यह संभव है कि ये निराशाजनक आंकड़े ट्रंप द्वारा लाए गए तेज बदलाव से उपजी पीड़ा का परिणाम हों या ये आने वाले और भी बड़े व्यवधानों का पूर्वावलोकन हों।

रिपब्लिकन रणनीतिकार एलेक्स कोनेंट ने कहा, हम ट्रंप के कार्यकाल में शुरुआती दौर में हैं। उनकी आर्थिक योजनाएं एक 'राजनीतिक जुआ' हैं। अर्थव्यवस्था पर पहले से ही असामान्य रूप से बड़ा प्रभाव पड़ा है।

ऐसे में यदि ट्रंप मध्यम वर्ग की समृद्धि सुनिश्चित करने में असमर्थ रहते हैं तो टैरिफ, कार्यकारी कार्रवाइयों, खर्च में कटौती व कर संहिता में बदलावों का आक्रामक उपयोग बड़ा राजनीतिक जोखिम पैदा कर सकता है।

न्यूयार्क टाइम्स से

पैरोल पर अमेरिका आए प्रवासियों के शीघ्र निर्वासन पर रोक

वाशिंगटन : एक संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन को उन लाखों प्रवासियों को तुरंत वापस भेजने पर रोक लगा दी, जिन्हें अपने देश में अस्थिरता या हिंसा के कारण भागकर पैरोल पर अमेरिका आना पड़ा था। इस प्रकार अन्य देशों के नागरिकों को निर्वासित करने के लिए गृह सुरक्षा विभाग की आक्रामक कोशिशों पर रोक लग गई। कोलंबिया की जिला न्यायाधीश जिया एम. कोब ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने प्रशासन द्वारा बाइडेन-काल के उस कार्यक्रम को समाप्त करने पर रोक लगा दी, जिसके तहत क्यूबा, निकारागुआ, वेनेजुएला और हैती से भागे प्रवासियों को दो साल तक अमेरिका में रहने की अनुमति दी गई थी। ट्रंप प्रशासन ने मार्च में इस कार्यक्रम को समाप्त करने की घोषणा की थी। इसके बाद से उसने आव्रजन एजेंटों द्वारा निष्कासन के लिए कई निर्देश जारी किए हैं। साथ ही उन कार्यक्रमों को निलंबित या समाप्त कर दिया है, जिनके तहत अन्य देशों के नागरिकों को अस्थायी आधार पर अमेरिका में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। कोब ने कहा कि यह मामला निष्पक्षता का प्रश्न उठाता है। कहा कि ट्रंप प्रशासन की इच्छा के कारण प्रवासियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति के दावे को झुठला रहे उनके ही एआइ प्लेटफार्म

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क

- अमेरिकी एआइ प्लेटफार्मों ने एकमत से की भारतीय आर्थिकी की तारीफ
- ट्रंप ने निशाना साधते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को बताया था मृतप्राय

भारतीय अर्थव्यवस्था को मृतप्राय बताने संबंधी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को उनके ही देश के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) प्लेटफार्म झुठला रहे हैं। भारतीय आर्थिकी पर ट्रंप के दावे को लेकर जब अमेरिकी एआइ प्लेटफार्मों से सीधा सवाल किया गया तो सभी एआइ प्लेटफार्मों ने एकमत से अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को गलत करार दिया।

क्या भारतीय अर्थव्यवस्था मृतप्राय हो गई है? यह प्रश्न पांच प्रमुख अमेरिकी एआइ प्लेटफार्मों - चैटजीपीटी, ग्रोक, जेमिनी, मेटा एआइ और कोपायलट से पूछा गया। इसके जवाब में चैटजीपीटी ने जवाब दिया, भारत की अर्थव्यवस्था मृतप्राय नहीं, डायनेमिक या गतिशील है। भारतीय अर्थव्यवस्था महत्वाकांक्षी है। ग्रोक ने कहा, नहीं, भारतीय अर्थव्यवस्था मृतप्राय नहीं है। यह वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनी हुई है। जेमिनी ने कहा, तीव्र विकास भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। मेटा एआइ ने भी कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था मृतप्राय नहीं है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कोपायलट ने और भी स्पष्ट रूप से उत्तर दिया: भारतीय अर्थव्यवस्था बिल्कुल भी मृतप्राय नहीं है। दरअसल ट्रंप ने मास्को के साथ नई दिल्ली के व्यापारिक रिश्तों पर निशाना साधते हुए ट्रुथ सोशल पर लिखा था, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे दोनों अपनी मृत अर्थव्यवस्था को एक साथ डुबा सकते हैं। मुझे इसकी कोई चिंता नहीं। हमने भारत के साथ बहुत ही कम कारोबार किया है। उसका टैरिफ बहुत ज्यादा है।

ट्रंप के इस बयान की पृष्ठभूमि में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद को बताया था कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और कुछ वर्षों में इसके तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। यह दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण है, जो कि देश की संभावनाओं को दर्शाता है।

ब्रिटिश परिवारों को स्वजनों के पार्थिव अवशेषों के डीएनए मिलान का इंतजार

- एअर इंडिया-171 विमान दुर्घटना में मारे गए 241 यात्रियों में 52 ब्रिटिश नागरिक भी थे
- अंतिम संस्कार के लिए ब्रिटेन भेजे गए 12 ताबूतों में से दो की पहचान पाई गई थी गलत

अहमदाबाद विमान हादसा। फाइल

लंदन, प्रेट्र : अहमदाबाद हवाई अड्डे से लंदन के लिए उड़ान भरने के तुरंत बाद एअर इंडिया-171 विमान हादसे में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के पार्थिव अवशेषों के डीएनए मिलान की जानकारी का इंतजार उनके रिश्तेदार अभी तक कर रहे हैं। अपने रिश्तेदारों के अवशेषों का इंतजार कर रहे ब्रिटिश परिवारों को भारत-ब्रिटेन सरकार के बीच उच्च स्तरीय वार्ता के बाद डीएनए मिलान की पुष्टि की उम्मीद है। उनकी कानूनी टीम ने यह जानकारी दी है।

12 जून के इस दुखद हादसे में अपने स्वजनों को खोने वाले कई परिवारों की सहायता के लिए विमानन विशेषज्ञों के साथ काम कर रहे 'कीस्टोन ला' नामक फर्म ने इस प्रक्रिया में तत्परता दिखाने का आह्वान किया है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान डाउनिंग स्ट्रीट ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान विमान दुर्घटना पर चर्चा की थी। यह चर्चा ब्रिटेन में लाए गए कुछ पार्थिव अवशेषों पर गलत लेबल लगाने की मीडिया रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में हुई थी।

कीस्टोन ला ने कहा कि भारत से ब्रिटेन वापस भेजे गए 12 ताबूतों के नमूनों में से दो पर "गलत लेबल लगाए गए थे, उन्हें ठीक से नहीं संभाला गया था और उनकी पहचान गलत थी"। कीस्टोन ला के एविएशन पार्टनर जेम्स हीली-प्रैट ने कहा, "इस समस्या के अंतरराष्ट्रीय मीडिया कवरेज के परिणामस्वरूप ब्रिटेन और भारत सरकारों ने उच्च-स्तरीय वार्ता की है।" उन्होंने कहा, "ऐसा माना जा रहा है कि कुछ मेल खाते डीएनए अवशेष अब भारत में पाए गए हैं। इसकी पुष्टि की प्रतीक्षा है।"

गौरतलब है कि इस विमान दुर्घटना में मारे गए 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में 52 ब्रिटिश नागरिक भी थे। अंतिम संस्कार के लिए ब्रिटेन भेजे गए 12 ताबूतों में से दो की पहचान गलत पाई गई थी। विदेश मंत्रालय ने ब्रिटेन की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि "सभी पार्थिव अवशेषों को अत्यंत पेशेवर तरीके से और मृतक की गरिमा का पूरा ध्यान रखते हुए संभाला गया था।"

भारत को स्पेन से दो महीने पहले मिला एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमान

- पांच से दस टन परिवहन क्षमता, 11 घंटे तक भर सकता है उड़ान
- वायु सेना के पुराने एवरो विमानों का लेगा स्थान, 16 विमानों में से अंतिम

एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमान। फाइल

लंदन, प्रेट्र : भारत को स्पेन से मिलने वाला 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का अंतिम विमान शनिवार को मिल गया। यह देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। सी-295 पांच से दस टन क्षमता वाला परिवहन विमान है। यह आधुनिक तकनीक से लैस है। यह वायु सेना के पुराने एवरो विमानों का स्थान लेगा। इसकी डिलीवरी समय से दो महीने पहले की गई है।

स्पेन में भारतीय राजदूत दिनेश के पटनायक ने वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सेविले में एयरबस डिफेंस एंड स्पेस असेंबली लाइन पर 16 एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमानों में से अंतिम विमान प्राप्त किया।

11 घंटे तक की उड़ान क्षमता वाला यह विमान एक बहुमुखी सामरिक परिवहन विमान है। भारत ने सितंबर 2021 में वायु सेना के लिए 56 सी-295 एमडब्ल्यू परिवहन विमानों की खरीद के लिए एयरबस डिफेंस एंड स्पेस स्पेन के साथ अनुबंध किया था। कुल 56 विमानों की डिलीवरी की जानी है, जिनमें से 16 विमानों की डिलीवरी सीधे एयरबस द्वारा स्पेन से की जानी थी और शेष 40 का निर्माण भारत में किया जाएगा।

स्पेन ने शनिवार को 16 विमानों में से अंतिम विमान सौंपकर उस प्रतिबद्धता को पूरा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के समकक्ष पेड्रो सांचेज ने पिछले साल अक्टूबर महीने में गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सी-295 विमानों के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट काम्प्लेक्स का संयुक्त उद्घाटन किया था।

टीएएसएल भारत में इन 40 विमानों को बनाने के लिए जिम्मेदार है। यह भारत में सैन्य विमानों के लिए पहला निजी क्षेत्र का फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) बन गई है।

यह पूरी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में शामिल होगा, जिसमें निर्माण से असेंबली, परीक्षण, डिलीवरी और विमान के पूरे जीवनचक्र के रखरखाव तक का कार्य शामिल होगा। टाटा के अलावा, भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड जैसी अग्रणी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, साथ ही निजी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भी इस कार्यक्रम में योगदान देंगे।

अमेरिका में आठ नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र खोले गए

न्यूयार्क, प्रेट्र : भारत ने अमेरिका में आठ नए वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र खोले। इससे वीजा, पासपोर्ट और अन्य सेवाओं की पहुंच में महत्वपूर्ण विस्तार होगा। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को बोस्टन, कोलंबस, डलास, डेट्राइट, एडीसन, आरलैंडो, रैले और सैन जोस में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्रों (आइसीएसी) का वर्चुअल उद्घाटन किया। एक अतिरिक्त आइसीएसी जल्द ही लास एंजिलिस में खोला जाएगा।

एक अगस्त 2025 से सभी वाणिज्यिक सेवाएं, जिसमें पासपोर्ट, वीजा, ओसीआइ, सरेंडर सर्टिफिकेट, जीवन प्रमाण पत्र, जन्म/विवाह प्रमाण पत्र, पुलिस क्लियरेंस और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, केवल वीएफएस ग्लोबल केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी। अमेरिका में आइसीएसी की कुल संख्या 17 हो गई है, जिससे देश में भारतीय और अमेरिकी नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अधिक सुलभ हो गई हैं। क्वात्रा ने इसे अमेरिका में वाणिज्यिक सेवाओं की पहुंच का महत्वपूर्ण विस्तार बताया।

ट्रांसशिपमेंट पर 40 प्रतिशत शुल्क के जरिये अमेरिका का चीन पर निशाना

न्यूयार्क टाइम्स से

- ट्रंप-1.0 में शुल्क से बचने के लिए दूसरे देशों के रास्ते माल भेजती थीं चीनी कंपनियां
- नए आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रांसशिपमेंट पर लगाया है अतिरिक्त 40 प्रतिशत शुल्क

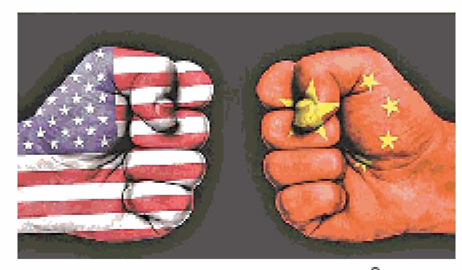
प्रतीकात्मक

बीजिंग : अमेरिका अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब अपने पहले कार्यकाल में चीन से आने वाले सामानों पर शुल्क बढ़ाना शुरू किया था, तब चीन की कंपनियों ने दक्षिण-पूर्व एशिया, मेक्सिको और अन्य जगहों पर गोदाम और कारखाने स्थापित करने शुरू कर दिए थे। चीन की कंपनियों का इसके पीछे मकसद दूसरे देशों के रास्ते अमेरिकी बाजार में माल भेजकर शुल्क से बचना था।

लेकिन ट्रंप ने अपने नए कार्यकारी आदेश में सभी अप्रत्यक्ष अमेरिकी आयातों पर निशाना साधा है जिन्हें वह 1.2 लाख करोड़ डालर के अमेरिकी व्यापार घाटे के लिए जिम्मेदार मानते हैं। ट्रंप ने तथाकथित ट्रांसशिपमेंट पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जो एक हफ्ते में लागू हो जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि इस पर काम चल रहा है जिससे अप्रत्यक्ष शिपमेंट की परिभाषा काफी व्यापक हो सकती है। नए नियम में सिर्फ चीन से ही नहीं, बल्कि कहीं से भी होने वाले अप्रत्यक्ष शिपमेंट को कवर किया गया है। लेकिन चीन अपने कारखानों के अपने विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण ऐसे शिपमेंट के लिए वैश्विक नेटवर्क विकसित करने वाला प्रमुख देश है।

इस कारण विशेषज्ञों का मानना कि इस नियम से चीन ही सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। पूर्व अमेरिकी व्यापार वार्ताकार और वर्तमान में सिंगापुर स्थित एक शोध समूह आइएसईएएस-यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट में वरिष्ठ फेलो स्टीफन ओल्सन ने कहा, "व्यापार के ये प्रविधान चीन को घेरने की एक छिपी हुई कोशिश हैं। चीन इन्हें इसी रूप में देखेगा और अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में भी इसका असर दिखाई देगा।"

ट्रंप के कार्यकारी आदेश ने आयात की एक नई श्रेणी बनाई है जिसमें उन सामान को शामिल किया गया है जो सीधे मूल देश से आने के बजाय दूसरे देशों के जरिये भेजे जाते हैं। इन सामानों पर 40 प्रतिशत शुल्क उन शुल्क के अतिरिक्त होगा जो उस देश से सीधे आने वाले सामान पर लागू होते जहां वे मूल रूप से बनाए गए हैं। ट्रांसशिपमेंट की कानूनी परिभाषा काफी संकीर्ण है।

इसके अनुसार एक ऐसा सामान जिसका उस देश में "उल्लेखनीय बदलाव" नहीं आया है जहां से उसे अप्रत्यक्ष रूप से भेजा गया है।

ईरान के राष्ट्रपति पजेश्कियन दो दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान पहुंचे

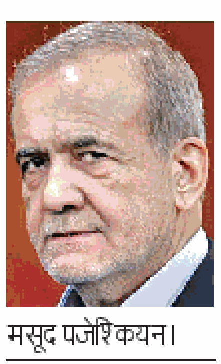
मसूद पजेश्कियन।

इस्लामाबाद, प्रेट्र : ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन शनिवार को अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे हैं। इसका उद्देश्य दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाना है। लाहौर पहुंचने पर उनका स्वागत पाक के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने की।

विदेश कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आमंत्रण पर पजेश्कियन यह यात्रा कर रहे हैं। उनके साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद है, जिसमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। यात्रा में वह राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी मुलाकात करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे।

बांग्लादेश अंतरिम सरकार पांच अगस्त को जारी करेगी 'जुलाई घोषणापत्र'

- छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह को संवैधानिक मान्यता देना मकसद
- पिछले वर्ष इसी दिन हसीना सरकार को सत्ता से बेदखल किया गया था

मुहम्मद युनूस। फाइल

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि वह पांच अगस्त को ''जुलाई घोषणापत्र'' जारी करेगी, जो तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर होगा।

अंतरिम सरकार ने जुलाई घोषणापत्र के मसौदे को अंतिम रूप दे दिया है। इसे सभी दलों की उपस्थिति में राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। जुलाई विद्रोह के मास्टरमाइंड सूचना सलाहकार महफूज आलम ने कहा कि बहुप्रतीक्षित जुलाई घोषणापत्र अब वास्तविकता है। मैं इस मुद्दे को जनता के जहन में जिंदा रखने और इसके कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करने में मदद करने वालों का धन्यवाद करता हूं। आलम स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) के शीर्ष नेताओं में से एक थे। एसएडी ने पिछले साल हिंसक अभियान का नेतृत्व किया था जिसके कारण हसीना को पांच अगस्त 2024 को देश छोड़ना पड़ा था।

बांग्लादेश सीमा पर मिले मेड इन चाइना ड्रोन की जांच करेगी बीएसएफ

अगरतला, आइएएनएस : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भारत-बांग्लादेश सीमा के पास मिले मेड इन चाइना ड्रोन की जांच करेगी। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि त्रिपुरा पुलिस दो हाई-रेजोल्यूशन कैमरों से लैस ड्रोन उन्हें सौंपेगी और फिर अध्ययन के लिए दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय भेजा जाएगा।

प्रवासी विरोधी व नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारी लंदन में आमने-सामने आए

लंदन, एपी : शरणार्थियों के ठहरने वाले होटलों के बाहर विरोध प्रदर्शनों के तहत शनिवार को लंदन में प्रवासी विरोधी और नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हो गए। यूनियन जैक लहराते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारी मध्य लंदन स्थित थिसल सिटी बारबिकन होटल के बाहर इकट्ठा हुए और शरणार्थियों के आवास के रूप में इस होटल को बंद करने की मांग की।

उन्होंने होटल के सामने ''गंदगी'' और ''ब्रिटेन भरा हुआ है'' जैसे नारे लगाए। उसी समय 'शरणार्थियों का यहां स्वागत है'' का नारा लगाते हुए प्रदर्शनकारियों का दूसरा समूह वहां पहुंच गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के दोनों गुटों को एक दूसरे से अलग कर दिया। इस दौरान होटल के अंदर मौजूद लोग खिड़कियों से बाहर का दृश्य देख रहे थे।

हाल के दिनों में लंदन के बाहरी इलाके में स्थित एपिंग शहर में और ब्रिटेन के कुछ अन्य शहरों में भी प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

यूक्रेन का रूस पर जवाबी हमला, तीन लोगों की मौत

- रिफायनरी, हवाई पट्टी और कारखाने को बनाया निशाना
- कीव पर रूस के बड़े ड्रोन हमले के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 31

यूक्रेन के डोनेट्स्क के द्रुज्खिवका के बाजार में शनिवार को रूसी ड्रोन के हमले के बाद अग्निशमन दल आग बुझाते हुआ। एपी

कीव, रायटर : यूक्रेन ने कीव पर रूसी हमले के जवाब में शनिवार को रूस के भीतर बड़ा ड्रोन हमला किया है। यूक्रेन के दावे के अनुसार इस हमले में रूस की एक बड़ी तेल रिफायनरी, सैन्य हवाई पट्टी और इलेक्ट्रानिक सामान का एक कारखाने को निशाना बनाया गया। हमलों में तीन लोगों के मारे जाने की भी सूचना है। इस बीच गुरुवार तड़के कीव पर रूसी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है, 150 से ज्यादा घायल हैं। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि रूस ने यूक्रेन में 53 ड्रोन भेजे थे जिनमें से 45 को नष्ट कर दिया गया। रूस ने एक और गांव पर कब्जे का दावा किया है।

यूक्रेन में हथियारों की आपूर्ति को नई व्यवस्था : यूक्रेन में हथियारों की आपूर्ति के लिए अमेरिका, नाटो, यूरोपीय देशों ने व्यवस्था बनाई है। इस व्यवस्था में यूक्रेन हथियारों की आवश्यकता बताएगा।

फलस्तीन राष्ट्र गठन से पहले हथियार नहीं डालेगा हमास

यरुशलम, रायटर : हमास ने साफ कर दिया है कि स्वतंत्र फलस्तीन राष्ट्र की स्थापना से पहले वह हथियार नहीं डालेगा। राष्ट्र का अधिकार न मिलने तक हम सशस्त्र संघर्ष नहीं रोकेंगे। हम संप्रभु फलस्तीन राष्ट्र चाहते हैं जिसकी राजधानी यरुशलम हो। विदित हो कि गाजा में 22 महीने से युद्ध छेड़े इजरायल की स्थायी युद्धविराम के लिए हमास को निशस्त्र करने की शर्त है। युद्धविराम के लिए मध्यस्थता कर रहे मिस्र और कतर ने हाल ही में हमास से हथियार डालने की अपील की थी, लेकिन फलस्तीनी संगठन ने हथियार डालने से इन्कार कर दिया है।

इजरायली फायरिंग में 44 लोग मारे गए : इजरायली सैनिकों की फायरिंग और हवाई हमलों में शनिवार को 44 लोग मारे गए। इनमें से 10 लोग दो राहत सामग्री वितरण केंद्रों के नजदीक फायरिंग में मारे गए जबकि 19 लोग राहत सामग्री के ट्रकों के इंतजार में खड़ी भीड़ में शामिल थे। दोनों घटनाओं में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में रह रहे अफगानों को तुरंत पाक छोड़ने का निर्देश

पेशावर, प्रेट्र : पाकिस्तानी सरकार ने अफगान नागरिकों सहित अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को निर्वासित करने की प्रक्रिया पुनः शुरू करने की घोषणा की है। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रहने वाले अफगान नागरिकों को बिना किसी देरी के देश छोड़ने का निर्देश दिया है, क्योंकि उनके पंजीकरण प्रमाण पत्र की अवधि 30 जून को समाप्त हो गई है। इसे लेकर खैबर पख्तूनख्वा सरकार के गृह विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी की है।

अधिसूचना में कहा गया कि 30 जून 2025 को समाप्त हो चुके पीओआर कार्ड वाले अफगान नागरिकों का पाकिस्तान में रहना अवैध माना जाएगा। गृह मंत्रालय ने 31 जुलाई को पीओआर कार्डधारकों के प्रत्यावर्तन के निर्णय को अंतिम रूप दे दिया था और उनके प्रवास में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा।

समुद्र के शिकारी

इनके दम पर दुनिया में है अमेरिका-रूस का दबदबा

रूस और अमेरिका के बीच अब जुबानी जंग तेज हो चुकी है। इसकी शुरुआत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और भारत की अर्थव्यवस्था को डेड बताए जाने से हुई। इसको लेकर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने ट्रंप पर तंज कसा और कहा उनको याद रखना चाहिए कि 'डेड हैंड' कितना खतरनाक हो सकता है। उनका इशारा शीतयुद्ध के दौरान रूस की परमाणु हमले की नीति को लेकर था। इसके जवाब में, ट्रंप ने कहा कि मेदवेदेव के भड़काऊ बयानों के मद्देनजर उपयुक्त क्षेत्र में दो परमाणु पनडुब्बियों की तैनाती के आदेश दिए गए हैं। इस बीच रूस के एक वरिष्ठ सांसद विक्टर वोडोलात्स्की ने चेतावनी दी है कि महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिकी पनडुब्बियों से कहीं अधिक है और जिन पनडुब्बियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उचित क्षेत्रों में भेजने का आदेश दिया है, वे लंबे समय से हमारे निशाने पर हैं। आइये जानते हैं समुद्र में अमेरिका और रूस में कौन ज्यादा ताकतवर है...

अमेरिकी नौसेना के पास हैं 71 पनडुब्बियां

बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां (ओहायो-क्लास): अमेरिकी नौसेना की ओहायो श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां (एसएसबीएन) अपनी गुप्त क्षमता और सटीक परमाणु हमले के लिए जानी जाती हैं। बूमर कहलाने वाली कम से कम 14 पनडुब्बियां वर्तमान में सेवा में हैं। ये 20 पनडुब्बी-प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलों तक ले जाने की क्षमता रखती हैं। इनका मुख्य हथियार ट्राइडेंट डी5 एसएलबीएम है।

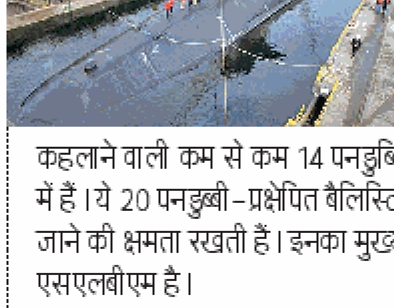

तेज हमलावर पनडुब्बियां: अमेरिका तीन प्रकार की परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों (एसएसएन) का संचालन करता है, वर्जीनिया-श्रेणी, सीवुल्फ-श्रेणी और लास एंजिल्स-श्रेणी (जिसे 688 श्रेणी भी कहा जाता है)। टामहाक मिसाइलों, हार्पून मिसाइलों और एमके-48 टारपीडो से लैस, ये हमलावर पनडुब्बियां दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन की गई हैं। ये अपनी मौजूदगी को छिपा कर खुफिया निगरानी करती हैं और टोही अभियानों को अंजाम देने के साथ-साथ बारूदी सुरंगों से भी निपट सकती हैं।

वर्जीनिया-श्रेणी: अमेरिका के पास 24 वर्जीनिया-श्रेणी की एसएसएन हैं, जिनमें यूएसएस हवाई, यूएसएस नार्थ कैरोलिना, यूएसएस मिसौरी आदि शामिल हैं। यह अमेरिकी नौसेना का सबसे नया अंडरसी वारफेयर प्लेटफार्म है। इसमें विशेष आपरेशन बलों की सहायता के लिए विशेष सुविधाएं हैं और गोताखोरों के लिए लाक-इन/लाक-आउट चैंबर भी है।

सीवुल्फ-श्रेणी: अमेरिकी बेड़े में तीन सीवुल्फ-श्रेणी की पनडुब्बियां हैं, पहली यूएसएस सीवुल्फ 1997 में कमीशन की गई थी। सीवुल्फ-श्रेणी की पनडुब्बियों में ऊर्ध्वाधर प्रक्षेपण तंत्र का अभाव है। इसमें आठ टारपीडो ट्यूब हैं और इसके टारपीडो कक्ष में 50 हथियार रखे जा सकते हैं।

688-श्रेणी: यह अमेरिकी पनडुब्बी फ्लीट की रीढ़ है। इस श्रेणी की कम से कम 24 सेवा पनडुब्बियां सेवा में हैं। सोवियत संघ से खतरों का मुकाबला करने के लिए 1976 में निर्मित, ये पनडुब्बियां अपनी प्रभावी गति और गुप्त क्षमता के कारण अत्यधिक प्रभावी साबित हुई हैं।

रूस के पास है 64 पनडुब्बियों का बेड़ा

बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां: रूस के पास एक विशाल पनडुब्बी बेड़ा है, जिसमें लगभग 64 पनडुब्बियां शामिल हैं। लगभग 14 बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां (एसएसबीएन) सुरक्षा रणनीति में अहम भूमिका निभाती हैं। इनमें बोरेई-क्लास और डेल्टा 4-क्लास की पनडुब्बियां शामिल हैं। रूसी नौसेना के पास आठ बोरेई श्रेणी की एसएसबीएन हैं, जो 16 बुलावा एसएलबीएम और छह 533 मिमी टारपीडो लांचर से लैस हैं। ये पनडुब्बी रोधी राकेट और बाटम माइंस भी दाग सकत हैं। बोरीस, डेल्टा 4-श्रेणी की पनडुब्बियों की जगह लेंगी, जिन्हें टाइफून-श्रेणी के साथ बनाया गया था। कम से कम छह डेल्टा पनडुब्बियां वर्तमान में सेवा में हैं। 16 सिनेवा एसएलबीएम से लैस, ये पनडुब्बियां समुद्र में रूस की परमाणु निवारक क्षमता की रीढ़ हैं।

तेज हमलावर पनडुब्बियां: रूसी नौसेना के पास चार यासेन-श्रेणी की परमाणु हमलावर पनडुब्बियां हैं। ये अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में छोटी हैं और इनमें चालक दल के कम सदस्यों की आवश्यकता होती है। इस श्रेणी की पनडुब्बियां पांच 3एम54-1 कलिब्र मिसाइलों या चार पी-800 32-40 ओनिक्स मिसाइलों को धारण कर सकती हैं, जिससे इन पनडुब्बियों को लंबी दूरी तक जमीनी हमला करने और जहाज-रोधी क्षमताएं प्राप्त होती हैं। अकुला-क्लास की पांच पनडुब्बियां सेवा में हैं। इस क्लास की पनुडुब्बियां रूसी नौसेना की मूक मारक मशीन है, जिसे शार्क (रूसी में अकुला का अर्थ शार्क होता है) के नाम से भी जाना जाता है। अमेरिकी लास एंजिल्स-क्लास की प्रतिद्वंदी, ये रूसी पनडुब्बियां कलिब्र, ओनिक्स या ग्रेनाइट मिसाइलों और टारपीडो का संचालन कर सकती हैं।

जागरण रिसर्च

****

अपने ही घर में फंसे अंग्रेज

- इंग्लैंड को जीत के लिए चाहिए 324 रन
- भारतीय टीम को नौ विकेट की दरकार

भारतीय टीम ने इंग्लैंड को उसके घर में ही घेर लिया है। यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक की बदौलत भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बनाकर इंग्लैंड को 374 रनों का लक्ष्य दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने एक विकेट खोकर 50 रन बना लिए हैं। उसे अब जीत के लिए 324 और भारत को नौ विकेट की दरकार है। इंग्लैंड को यह मैच और तेंदुलकर-एंडरसन ट्राफी जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी क्योंकि उसे ऐसा करने के लिए अपने टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करना होगा। वैसे तो इंग्लैंड ने 1939 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध मैच की चौथी पारी में पांच विकेट पर 654 रन बनाए थे लेकिन वह मुकाबला ड्रा रहा था। इंग्लैंड ने एक जुलाई 2022 को बर्मिंघम में भारत के विरुद्ध ही तीन विकेट खोकर 378 रन बनाए थे। यह उसका टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा सफल लक्ष्य है। यही नहीं अगर इंग्लैंड को यह मैच जीतना है तो उसे ओवल का भी रिकार्ड बदलना होगा। ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाकर जीत हासिल करने का रिकार्ड इंग्लैंड के नाम है। इंग्लैंड ने 1902 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध चौथी पारी में 263 रन बनाकर जीत हासिल की थी। अच्छी बात यह है कि मोहम्मद सिराज ने दिन की आखिरी गेंद पर ओपनर जैक क्राउली को आउट कर दिया। अब बेन डकेट को और आउट कर दिया तो जीत मिलना आसान हो जाएगी। इसी के साथ भारतीय टीम रविवार को 2-2 से सीरीज बराबर करके घर जाना चाहेगी।

भारत की बेहतरीन बल्लेबाजी : बैजबाल के विरुद्ध भारत के युवा बल्लेबाजों ने वह कारनामा कर दिखाया, जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। एक छोर पर यशस्वी जायसवाल टिके थे तो दूसरे छोर पर नाइटवाचमैन आकाश दीप।

भारत-इंग्लैंड के बीच द ओवल में चल रहे मैच को देखने पहुंचे भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ● बीसीसीआइ

जायसवाल ने मैच के दूसरे दिन ही अपना अर्धशतक जड़ दिया था, जिसको अगले दिन उन्होंने शतक में बदला। गेंदबाज आकाश दीप ने भी अपने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक जड़ा। रवींद्र जडेजा (53) और वाशिंगटन सुंदर (53) ने भी उनका साथ दिया। यशस्वी ने सीरीज के पहले टेस्ट की पहली पारी में शतक जड़कर शुरुआत की थी और आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में शतक के साथ इसे खत्म किया। उन्होंने लीड्स में 101 रन बनाने वाले जायसवाल शनिवार को अपना छठा टेस्ट शतक लगाकर टंग की गेंद पर 118 रन पर आउट हुए। इस युवा बल्लेबाज को इंग्लैंड के गेंदबाज ज्यादा भाते हैं क्योंकि उन्होंने अब तक जो छह शतक मारे हैं उनमें से चार इंग्लैंड के विरुद्ध जड़े हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के एक बेहद कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त किया। क्रिस वोक्स की अनुपस्थिति में इंग्लैंड को दूसरे सत्र के लंबे समय तक तीन तेज गेंदबाजों गस एटकिंसन, जोश टंग और जैमी ओवर्टन के बीच गेंदबाजी करनी पड़ी। पार्टटाइम स्पिनर जो रूट और बेथल ने दूसरी पारी में कुछ गेंदबाजी की लेकिन वह यहां सिर्फ तेज गेंदबाजों के लिए आराम का समय बढ़ा रहे थे। भारत ने सुबह चार रन प्रति ओवर से ज्यादा की रफ्तार से बल्लेबाजी की। एक तरफ से विकेट गिर रहे थे लेकिन जायसवाल ने दबाव बनाए रखा और बैकवर्ड प्वाइंट पर एक रन लेकर अपना शतक पूरा किया। उनके शुरुआती 100 रनों में से 72 रन आफ साइड में स्क्वायर के पीछे से आए। उन्होंने अपनी किस्मत का फायदा उठाते हुए इंग्लैंड की तेज गेंदों को स्लिप कार्डन के ऊपर से कट, डैब, स्टीयर और स्लैश करके रन बनाए।

यशस्वी-आकाश की शानदार साझेदारी : शुक्रवार को केएल राहुल और सुदर्शन के सस्ते में आउट होने के बाद कुछ ओवर बचे थे। ऐसे में कप्तान शुभमन गिल ने खुद उतरने की जगह नाइटवाचमैन आकाश को भेजा जिन्होंने कमाल ही कर दिया। उन्होंने यशस्वी के साथ शतकीय साझेदारी कर लड़खड़ाई टीम को संभाला। यह इस सीरीज में 18वीं शतकीय साझेदारी है, जो वर्ष 2000 के बाद किसी भी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा है। इसने 2003-04 की बार्डर-गावस्कर ट्राफी में बनी 17 शतकीय साझेदारियों का रिकार्ड तोड़ दिया। आकाश ने 94 गेंदों पर 70.21 की स्ट्राइक रेट से 12 चौके की मदद से कुल 66 रन बनाए। उन्हें लंच से कुछ समय पहले जैमी ओवरटन ने आउट किया। वह 2011 में इसी प्रतिद्वंद्वी और इसी मैदान पर अमित मिश्रा (84 रन) के बाद 50 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय नाइटवाचमैन बने। आकाश इससे पहले कभी टेस्ट में दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाए थे।

जडेजा-वाशिंगटन चले : पिछले मैच की तरह यहां भी रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने भारत को 350 के पार जाने में मदद की। हालांकि कप्तान शुभमन गिल असफल रहे। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए गिल एटकिंसन की गेंद को नहीं पढ़ पाए। वह पहली पारी में भी कुछ खास नहीं कर पाए थे। करुण नायर का बल्ला एक बार फिर शांत रहा।

500 से ज्यादा रन गिल, राहुल, रवींद्र जडेजा ने इस सीरीज में बनाए हैं। यह पहली बार है कि किसी टेस्ट सीरीज में तीन भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा किया है

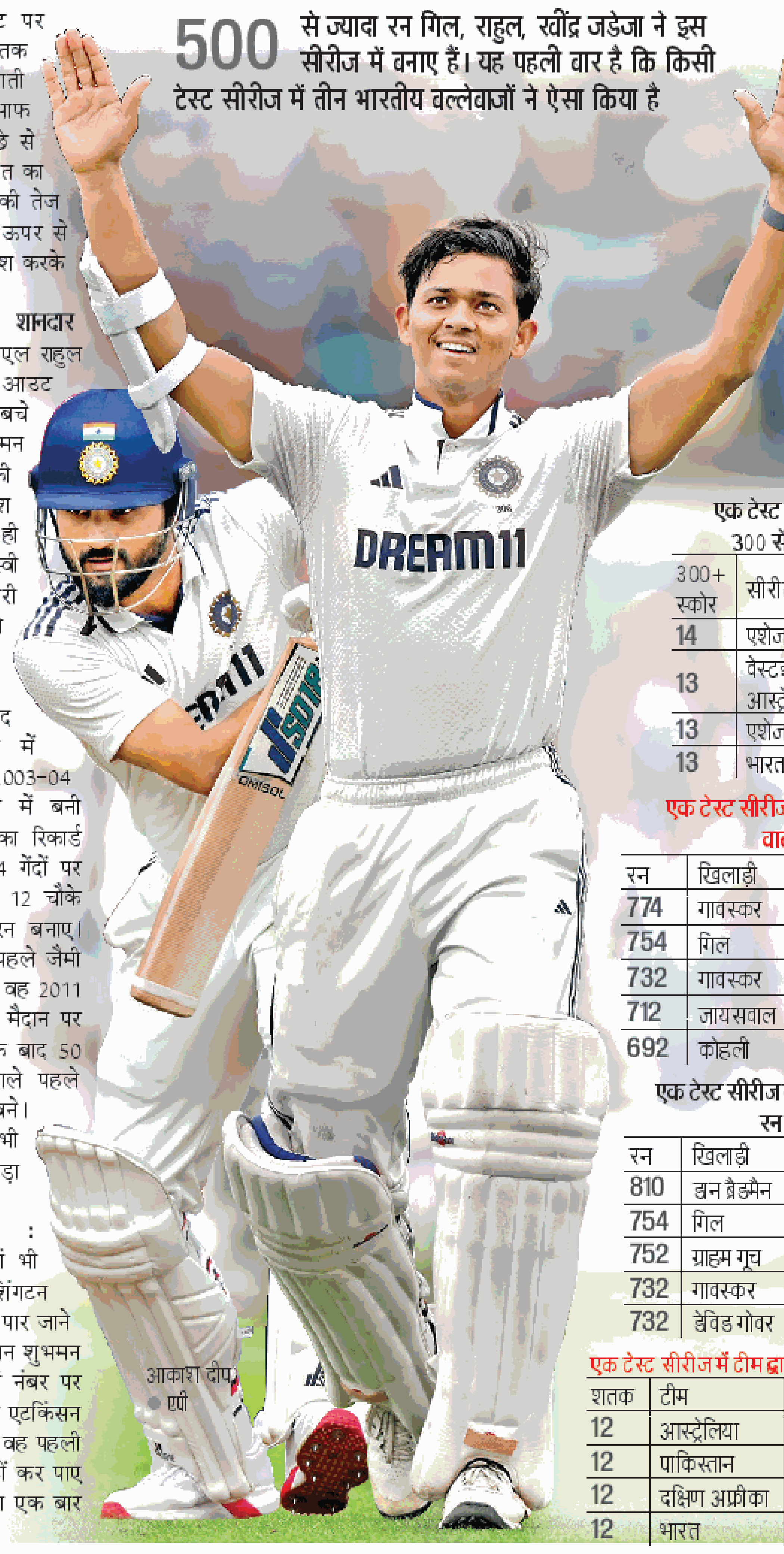
शतक जड़ने के बाद युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ● रायटर

आकाश दीप ● एपी

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक बार 300 से अधिक रन के स्कोर

300+ स्कोर	सीरीज	वर्ष
14	एशेज	1928/29
13	वेस्टइंडीज बनाम आस्ट्रेलिया	1975/76
13	एशेज	1993
13	भारत बनाम इंग्लैंड	2025

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय

रन	खिलाड़ी	बनाम	साल
774	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1971
754	गिल	इंग्लैंड	2025
732	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1978/79
712	जायसवाल	इंग्लैंड	2024
692	कोहली	आस्ट्रेलिया	2014/15

एक टेस्ट सीरीज में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन बनाने वाले

रन	खिलाड़ी	बनाम	साल
810	डान ब्रैडमैन	इंग्लैंड	1936/37
754	गिल	इंग्लैंड	2025
752	ग्राहम गूच	भारत	1990
732	गावस्कर	वेस्टइंडीज	1978
732	डेविड गोवर	इंग्लैंड	1985

एक टेस्ट सीरीज में टीम द्वारा बनाए गए सर्वाधिक शतक

शतक	टीम	बनाम	साल
12	आस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज	1955
12	पाकिस्तान	भारत	1982/83
12	दक्षिण अफ्रीका	वेस्टइंडीज	2003/04
12	भारत	इंग्लैंड	2025

जो रूट को चिढ़ाना भारत की रणनीति का हिस्सा था : प्रसिद्ध

विशेष संवाददाता ● जागरण

प्रसिद्ध कृष्णा

लंदन: भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने जो रूट के साथ पांचवें और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन हुई नोंकझोंक का पूरा मजा लिया और उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के इस अनुभवी बल्लेबाज को गुस्सा दिलाना टीम की रणनीति का हिस्सा था। प्रसिद्ध और रूट के बीच तनाव के कारण अंपायरों को दखल देना पड़ा। आम तौर पर शांत रहने वाले रूट 22वें ओवर में चौके बाद प्रसिद्ध की टिप्पणी से खुश नहीं थे। प्रसिद्ध ने कहा कि यह छोटी सी बात थी। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने की वजह से ऐसा हो जाता है। हम मैदान से बाहर अच्छे दोस्त हैं। यह हल्की नोंकझोंक थी और हम दोनों ने इसका मजा लिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रूट को चिढ़ाना अनायास नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि यह हमारी रणनीति थी। लेकिन मैंने सोचा नहीं था कि मेरे कुछ शब्दों पर वह इतनी कड़ी प्रतिक्रिया देंगे। जैसा कि मैंने कहा कि मुझे वह बहुत पसंद है और वह खेल के लीजेंड हैं।

प्रसिद्ध ने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। बल्लेबाज से हल्की फुल्की बात होते रहने पर गेंदबाजी में मुझे मजा आता है। इससे और मदद मिलती है जब बल्लेबाज भी आवेश में आकर प्रतिक्रिया देता है। उन्होंने कहा कि एक टीम के तौर पर हमें पता था कि लंच के पहले क्या हुआ। तीनों तेज गेंदबाजों ने एक कोने में जाकर आपस में बात की और तय किया कि जो हुआ, वह हो गया। अब हमें सही लाइन और लैंग्थ से गेंदबाजी करके वापसी करनी होगी। इंग्लैंड के बेन डकेट को आउट करने के बाद आकाश दीप ने मुस्कुराते हुए उनके कंधे पर हाथ रखा जो बल्लेबाज को पसंद नहीं आया। इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेसकोथिक ने कहा कि आकाश को ऐसा करने की जरूरत नहीं थी। मेरे समय में अधिकांश बल्लेबाज उसे कोहनी लगा देते या कुछ अलग करते।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 224/10 (69.4 ओवर) इंग्लैंड पहली पारी : 247/10 (51.2 ओवर)

भारत दूसरी पारी: 396/10 (88 ओवर), (75/2 से आगे)

	रन	गेंद	4/6
जायसवाल का. ओवरटन बा. टंग	118	164	14/2
आकाश का. एटकिंसन बो. ओवरटन	66	94	12/0
गिल. एलबीडब्ल्यू एटिकंसन	11	9	2/0
करुण का. स्मिथ बो. एटकिंसन	17	32	3/0
जडेजा का. ब्रूक बो. टंग	53	77	5/0
जुरैल एलबीडब्ल्यू ओवरटन	34	46	4/0
वाशिंगटन का. क्राउली बो. टंग	53	46	4/4
सिराज एलबीडब्ल्यू टंग	0	3	0/0
प्रसिद्ध अविजित	0	2	0/0

अतिरिक्त : 26 (बा:13, लेबा: 5, वा: 6, नोबा: 2), विकेटपतन : 3-177 (आकाश, 42.1), 4-189 (गिल, 44.1), 5-229 (करुण, 54.3), 6-273 (जायसवाल, 64.2), 7-323 (जुरैल, 76.2), 8-357 (जडेजा, 83.2), 9-357 (सिराज, 83.5), गेंदबाजी : एटकिंसन 27-3-127-3, टंग 30-4-125-5, ओवरटन 22-2-98-2, बेथल 4-0-13-0, रूट 5-1-15-0

इंग्लैंड दूसरी पारी 50/1 (13.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
क्राउली बा. सिराज	14	36	2/0
डकेट अविजित	34	48	4/0

अतिरिक्त : 2 (लेबा:1, नोबा:1)

विकेटपतन : 1-50 (क्राउली, 13.5) गेंदबाजी : आकाश 5-1-15-0, प्रसिद्ध 5-1-23-0, सिराज 3.5-0-11-1

खेल डायरी

लेडेकी ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल में जीता स्वर्ण

सिंगापुर, रायटर : अमेरिकी केटी लेडेकी ने शनिवार को सिंगापुर में विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 800 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में अपना दबदबा जारी रखते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं, आस्ट्रेलिया की लानी पैलिस्टर ने रजत जीता और कनाडा की दिग्गज समर मैकिंटोश को कांस्य से संतोष करना पड़ा। मैकिंटोश का यहां पांच व्यक्तिगत खिताब जीतकर अमेरिका के पूर्व दिग्गज तैराक माइकल फ्लेप्स के रिकार्ड की बराबरी करने का सपना टूट गया। विश्व चैंपियनशिप में लेडेकी का यह सातवां स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 23वां विश्व खिताब रहा। 28 वर्षीय लेडेकी ने 8:05.62 मिनट का समय निकाला। वहीं पैलिस्टर ने 8:05.98 मिनट और मैकिंटोश ने 8:07.29 मिनट का समय निकाला।

युवा क्रिकेटर की जिम में दिल के दौरे से मौत

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में प्रियजीत घोष (22) नामक युवा क्रिकेटर की शुक्रवार को जिम में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। प्रियजीत 2018-19 सत्र में इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बंगाल क्रिकेट संघ की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रियजीत बोलपुर के मिशन कम्पाउंड एरिया में स्थित जिम में वर्कआउट के लिए गए थे। फिटनेस को लेकर गंभीर रहने वाले प्रियजीत जिम में पसीना बहा रहे थे। तभी उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। मौके पर मौजूद लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रियजीत के दोस्तों ने बताया कि वह बंगाल रणजी टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा था। उसका सपना भारतीय टीम में खेलने का था।

दुबई में खेला जाएगा भारत-पाक मैच

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, आइएएनएस : पुरुष एशिया कप 2025 के मैच दुबई और अबू धाबी में खेले जाएंगे। शनिवार को मेजबान शहरों की आधिकारिक घोषणा की गई। नौ से 28 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में दुबई फाइनल सहित 11 मैचों की मेजबानी करेगा, जबकि अबू धाबी में आठ मैच होंगे। टूर्नामेंट में भारत अपने ग्रुप ए में 10 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात और 14 सितंबर को पाकिस्तान के विरुद्ध मुकाबला खेलेगा, जबकि ओमान के विरुद्ध भारत का मुकाबला 19 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और हांगकांग शामिल हैं। यह पहली बार है जब टी-20 प्रारूप के इस एशिया कप में आठ टीमें होंगी। भारत एशिया कप का मेजबान है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को कहा कि हमें विश्वास है कि एशिया कप का 2025 का संस्करण उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेगा और महाद्वीप भर के लाखों समर्थकों को जोड़ेगा।

एशिया कप में भारत के ग्रुप मैच

दिन	बनाम	स्थान
10 सितंबर	यूएई	दुबई
14 सितंबर	पाकिस्तान	दुबई
19 सितंबर	ओमान	अबू धाबी
28 सितंबर	फाइनल	दुबई

सीएसके की बल्लेबाजी में अब समस्या नहीं : धौनी

महेंद्र सिंह धौनी

चेन्नई, प्रेट्र: दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी ने शनिवार को कहा कि रुतुराज गायकवाड़ की वापसी आइपीएल के अगले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स की बल्लेबाजी को मजबूत करेगी। गायकवाड़ पिछले सत्र में कोहनी की चोट के कारण आइपीएल के शुरुआती मैचों से बाद ही बाहर हो गए थे। गायकवाड़ की जगह धौनी ने चेन्नई सुपरकिंग्स की कप्तानी संभाली थी लेकिन पांच बार की चैंपियन टीम की बल्लेबाजी लगातार संघर्ष करते रही। टीम 14 मैचों में से सिर्फ चार जीत के साथ तालिका में 10वें स्थान पर रही थी।

लक्ष्य-तरुण मकाऊ ओपन अंतिम-4 में हारे

मकाऊ, प्रेट्र: भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया, जब लक्ष्य सेन और तरुण मन्नेपल्ली पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल मुकाबले हारकर बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य को इंडोनेशिया के अलवी फरहान ने 39 मिनट में 21-16, 21-9 से हराया। वहीं, तरुण मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह ने तीन गेम के मुकाबले में मात दी। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज मन्नेपल्ली ने मजबूत शुरूआत की, लेकिन कई गलतियों के कारण एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 16-21 से हार गए। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य के लिए यह सत्र कठिन रहा है जो सात बार पहले और दो बार दूसरे दौर से बाहर हो गए। कंधे, कमर और टखने की चोटों से जूझ रहे लक्ष्य ने पेरिस में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले आत्मविश्वास हासिल करने के लिए यह टूर्नामेंट खेला था। 2003 विश्व जूनियर चैंपियन फरहान ने शानदार प्रदर्शन करके उन्हें फाइनल में जगह नहीं बनाने दी।

कनाडा ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं अनास्तासिया सेवास्तोवा

गत चैंपियन पेगुला को सेवास्तोवा ने हराया

टेनिस डायरी

अनास्तासिया सेवास्तोवा ● एपी

मांट्रियल, एपी: दो बार की गत चैंपियन जेसिका पेगुला कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में अनास्तासिया सेवास्तोवा से 6-3, 4-6, 1-6 से हार गईं। इसी जीत के साथ उन्होंने प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। लाटविया की 35 वर्ष की सेवास्तोवा 2018 में 11वीं रैंक पर थी, लेकिन अब 386वें स्थान पर खिसक गईं। अब उनका सामना जापान की नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने लाटविया की येलेना ओस्टापेंको को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। अन्य मैचों में विंबलडन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराया। अब उनका सामना डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा जिन्होंने यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से मात दी। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने इंग्लैंड का एमा राडुकानू को 6-2, 6-1 से हराया।

टेलर फ्रिट्ज तीसरे दौर में

टोरंटो, एपी : दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने कनाडा के छह फुट आठ इंच लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। फ्रिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा, जिन्होंने फ्रांस के 15वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से मात दी। अब वह इटली के फ्लावियो कोबोली से खेलेंगे।

नागल को झेलनी पड़ी हार

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के शीर्ष सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल जूनियर फ्रेंच ओपन चैंपियन और गैर वरीय नील्स मैकडोनाल्ड से जर्मनी में चल रहे प्लातजमैन ओपन एटीपी 75 चैलेंजर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हार गए। नागल को दस साल छोटे प्रतिद्वंद्वी ने 6-2, 4-6, 6-4 से हराया।

महासंघ चुनावों से पहले अजय सिंह का इस्तीफा

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय मुक्केबाजी की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने महासंघ के आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। चुनावों में विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) के अध्यक्ष बोरिस वान डर वोर्स्ट पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लेंगे। अंतरिम समिति द्वारा 21 अगस्त को चुनाव कराए जाने की औपचारिक घोषणा के बाद शुक्रवार को सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अजय ने पत्र में लिखा कि मैं आगामी चुनाव में लड़ना चाहता हूं, इसलिए निष्पक्षता और पारदर्शिता के मेरा पद से इस्तीफा देना उचित है। अंतरिम समिति ने शनिवार को सिंह का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह अंतरराष्ट्रीय संस्था ने सिंगापुर मुक्केबाजी के अध्यक्ष फैरुज मोहम्मद को अंतरिम समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

इंडियन ग्रां पि में जीते शाटपुट खिलाड़ी तूर

लुधियाना, प्रेट्र: दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शाटपुट खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर ने शनिवार को इंडियन ग्रांड प्रिक्स के तीसरे चरण में 18.93 मीटर थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के दम पर तूर ने इस माह के अंत में चेन्नई में होने वाली इंटर स्टेट सीनियर नेशनल चैंपियनशिप के लिए शीर्ष स्थान तय बना लिया है। 30 वर्षीय तूर ने गुरु नानक स्टेडियम में 18.93 मीटर की दूरी तक आयरन बाल फेंकी। अब वह 20-24 अगस्त को चेन्नई मीट के जरिए सितंबर में होने वाली टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अंतिम क्वालीफिकेशन का प्रयास करेंगे। इंडियन ग्रांड प्रिक्स में हांगझो एशियाई खेलों की पदक विजेता तमिलनाडु की विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ का खिताब जीता, जबकि महाराष्ट्र के सर्वेश अनिल कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में आसान जीत हासिल की।

कलम से

सुनील गावस्कर

शानदार क्रिकेट के लिए याद की जाए सीरीज

लंबे समय बाद ऐसा हुआ है जब दो बराबरी की टीमें आमने-सामने आई हैं और एक-दूसरे को पूरी ताकत से टक्कर दी है। बल्लेबाजी का स्तर बेहतरीन रहा है। हालांकि यह भी सच है कि दोनों टीमों के पास विकेट लेने वाले गेंदबाजों की थोड़ी कमी रही है और पहले चार टेस्ट मैचों में धीमी, बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिचों पर स्कोर काफी ऊंचे रहे हैं। फिर आया द ओवल टेस्ट, और इंग्लैंड की मेरी तमाम यात्राओं में, चाहे बतौर खिलाड़ी या दर्शक, मैंने ओवल पर कभी इतनी घास वाली पिच नहीं देखी थी जैसी इस टेस्ट में थी। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि बल्लेबाजों की परीक्षा हुई और जो खिलाड़ी अर्धशतक तक पहुंचे हैं। वे अपनी पीठ थपथपा सकते हैं, क्योंकि इन पिचों पर बनाए गए ये पचास रन किसी और मैदान पर शतक के बराबर हैं।

यह सीरीज शुरू में काफी सौहार्द्रपूर्ण माहौल में खेली गई थी, लेकिन तीसरे टेस्ट के बाद से यह जुबानी जंग में तब्दील हो गई। युवा भारतीय कप्तान का गुस्सा जायज था जब इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने जानबूझकर समय नष्ट किया और यह सुनिश्चित किया कि भारतीय टीम को दिन का दूसरा ओवर डालने का मौका न मिले। इसके बाद से दोनों ओर से शब्दों के तीर चलने लगे हैं। हाल के वर्षों में खासकर इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की वजह से, जहां विभिन्न देशों के खिलाड़ी एक ही टीम में खेलते हैं और महीनों भारत में साथ रहते हैं, मैदान पर विरोधी टीमों के बीच की कटुता लगभग समाप्त हो गई है, हालांकि प्रतिस्पर्धा की तीव्रता भी कम नहीं हुई है। आखिरकार, अपने देश के लिए खेलना सबसे बड़ा गौरव होता है तो फिर जब भारत इंग्लैंड के विरुद्ध खेलता है तो यह कटुता क्यों दिखाई देती है? इसका छोटा और आसान जवाब है कि इंग्लैंड के ज्यादातर खिलाड़ी आइपीएल में नहीं खेलते और जो खेलते भी हैं वे मुख्यतः सीमित ओवरों के खिलाड़ी हैं।

लार्ड्स टेस्ट में नोकझोंक करते गिल और क्राउली ● एपी

जरा ध्यान दीजिए, जो खिलाड़ी मैदान पर भारतीयों से भिड़ रहे हैं, उनमें से एक भी खिलाड़ी आइपीएल में हिस्सा नहीं लेता। आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें जो पहले मैदान पर कभी मुस्कराती नहीं थीं और हमेशा आक्रामक रहती थीं, वे भी पिछले दशक में भारतीयों के विरुद्ध खेलने के दौरान बेहद संयमित रही हैं। शायद अगर ज्यादा अंग्रेज खिलाड़ी आइपीएल में हिस्सा लें तो यह कटुता भी अतीत की बात बन जाएगी। लेकिन इंग्लैंड का अंतरराष्ट्रीय सत्र मई के तीसरे सप्ताह में शुरू हो जाता है तो फ्रेंचाइजियां नहीं चाहतीं कि ऐसे खिलाड़ियों को सीजन के अहम पड़ाव पर खोना पड़े।

फाइनल टेस्ट के शुरुआती दो दिनों में ही कुछ तनातनी देखने को मिली है और अगर मैच अंतिम क्षणों तक गया तो ऐसी घटनाएं और बढ़ सकती हैं। यह दुखद होगा, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट के लिए यह बेहद अच्छा होगा कि यह शानदार सीरीज अपने शानदार क्रिकेट के लिए याद की जाए, न कि निंदनीय बयानों के लिए।

14 साल बाद दिसंबर में फिर कोलकाता आएंगे लियोन मेसी

लियोन मेसी

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता: कोलकाता के फुटबाल प्रेमियों को 14 साल बाद फिर महान फुटबालर लियोन मेसी के दीदार होंगे। अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी मेसी इस साल दिसंबर में भारत का दौरा करेंगे। वे अहमदाबाद, मुंबई व दिल्ली भी जाएंगे। 15 दिसंबर को उनके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने की भी संभावना है। मेसी के भारत दौरे की जल्द आधिकारिक तौर पर घोषणा हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेसी 12 दिसंबर को रात 10 बजे कोलकाता पहुंचेंगे। यहां वे दो दिन और एक रात रूकेंगे। कोलकाता में 13 दिसंबर को सुबह नौ बजे वे 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद लेकटाउन श्रीभूमि में अपनी 70 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करेंगे, जो दुनिया में संभवतः उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा होगी। वहां से मेसी ईडन गार्डेंस स्टेडियम जाएंगे, जहां 'जीओएटी कप' और जीओएटी कंसर्ट का आयोजन होगा। इसमें मेसी पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली, पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस, अभिनेता जान अब्राहम व पूर्व फुटबालर बाइचुंग भूटिया के साथ खेलेंगे। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें वहां सम्मानित कर सकती हैं।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

****

चक्रवात या बाढ़ जैसी आपदा को नियंत्रित करने के लिए नेशनल साइक्लोन रिस्क मिटिगेशन प्रोजेक्ट शुरू किया गया। इसके तहत आंध्रप्रदेश, ओडिशा जैसे तटीय राज्यों में 800 साइक्लोन सेंटर बनाए गए। जिसमें 3000 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है।

जल्द ही हमारे पास स्कूल भवनों सहित हर आपदा से जुड़ा 20 साल का डाटा बैंक होगा

सप्ताह का साक्षात्कार

राजस्थान के झालावाड़ जिले में जर्जर स्कूल भवन के गिरने से सात विद्यार्थियों की मौत के बाद शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के सभी स्कूलों का आडिट करवाने के निर्देश दिए हैं। यह आडिट राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथारिटी (एनडीएमए) के स्थानीय निकायों के सहयोग से किया जाएगा। तमिलनाडु के कुंभकोणम और हरियाणा के स्कूल में हुई घटना के बाद एनडीएमए ने वर्ष 2016 में ही स्कूलों के लिए पहली गाइडलाइन जारी कर दी थी। वर्ष 2023 में इसे अपडेट भी किया गया, लेकिन यह घटना इशारा करती है कि मानवीय चूक से होने वाली आपदाओं से निपटने की तैयारी में अभी कमी है। एनडीएमए के प्रमुख और भारतीय तटरक्षक बल के पूर्व महानिदेशक राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस दिशा में काम करते हुए एनडीएमए एक डिजिटल डैशबोर्ड विकसित कर रहा है। इसके जरिये जल्द ही हमारे पास देशभर के स्कूल भवनों सहित बाढ़, चक्रवात, सूखा, भूकंप, सुनामी, तूफान, भूस्खलन, जंगलों में आग, औद्योगिक दुर्घटनाएं, रासायनिक रिसाव जैसे आपदा की श्रेणी में आने वाली हर आपदा से जुड़ा 20 साल का एक बड़ा डाटा बैंक होगा। अगले छह महीने में यह योजना 'रोल आउट' हो जाएगी। राष्ट्रपति तटरक्षक मेडल और तटरक्षक मेडल से सम्मानित राजेंद्र सिंह प्राकृतिक आपदाओं के दुष्प्रभाव को नियंत्रित कर जानमाल की क्षति को नगण्य तक पहुंचाने में माहिर माने जाते हैं। उन्होंने भारत के पूर्व और पश्चिम तट पर सुनामी, बाढ़ और कई चक्रवातों के दौरान संपत्ति व जीवन के नुकसान को कम किया, जिनमें ओखी, हुदहुद, वायु, फनी, बिपरजय शामिल हैं। दैनिक जागरण की समाचार संपादक रुमनी घोष ने आपदा प्रबंधन से जुड़े हर पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश:

● राजस्थान में स्कूल की छत गिरने से बच्चों की मौत की घटना को आप आपदा की किस श्रेणी में रखते हैं?

– आपदा को हम दो श्रेणी में बांटते हैं। प्राकृतिक आपदा, जिसमें बाढ़, चक्रवात, सूखा, भूकंप, सुनामी, तूफान, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाएं होती हैं। अर्बन फ्लड और अर्बन हीट को भी हम आपदा की श्रेणी में रखकर इससे निपटने की योजना बना रहे हैं। दूसरी मानव निर्मित आपदा, जिसमें औद्योगिक दुर्घटनाएं, रासायनिक रिसाव, जर्जर भवनों के गिरने से जानमाल का नुकसान आदि। झालावाड़ स्कूल के भवन के गिरने वाली घटना मानव निर्मित आपदा है।

● एनडीएमए ने झालावाड़ प्रशासन से जो रिपोर्ट मांगी है, वह कब तक आ जाएगी?

– झालावाड़ जिला प्रशासन अगस्त 2025 के प्रथम सप्ताह तक स्कूल भवन गिरने की रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा। हम त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं क्योंकि यह बच्चों की सुरक्षा का मामला है। इस घटना की अलग से रिपोर्ट इसलिए मंगवाई है, ताकि विश्लेषण कर यह पता किया जा सके कि मानवीय चूकों को रोकने के लिए गाइडलाइन में कुछ और मानदंड जोड़े जा सकते हैं या नहीं।

● शिक्षा मंत्रालय एनडीएमए के सहयोग से देशभर के स्कूलों का आडिट करने जा रहा है। क्या कार्ययोजना है?

– एनडीएमए राज्यों के साथ मिलकर एक समयबद्ध योजना के तहत यह आडिट करवाने पर काम कर रहा है, जिसमें प्राथमिकता उन क्षेत्रों को दी जा रही है, जो भूकंप, बाढ़ या चक्रवात जैसी आपदाओं के लिए अधिक संवेदनशील हैं। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्कूल सुरक्षा आडिट सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। इसमें राज्य स्तर पर एक नोडल एजेंसी का नामांकन, प्रशिक्षण प्राप्त तकनीकी टीमों द्वारा संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक आडिट और उस पर आधारित जोखिम न्यूनीकरण योजना का निर्माण मुख्य है।

● क्या राज्यों या स्थानीय निकायों को आडिट के लिए कोई समयावधि दी गई है?

– हां। राज्यों से कहा है कि सभी सरकारी स्कूल और अस्पताल भवनों का प्राथमिक आडिट दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाए। उच्च जोखिम वाले जिलों में यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर तीन महीने के भीतर पूरा किया जाना है। इसके लिए हम तकनीकी संस्थानों और विशेषज्ञ एजेंसियों से सहयोग ले रहे हैं।

क्या आकलन किया जा सकता है कि कितने स्कूल या अस्पताल भवन जर्जर हैं?

– भारत में लाखों स्कूल व अस्पताल भवन हैं। प्रारंभिक आंकलन व राज्यों से मिली सूचनाओं के अनुसार, अनुमानतः 10–15 प्रतिशत भवन ऐसे हो सकते हैं, जिन्हें संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण या पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। सटीक संख्या आडिट के बाद ही सामने आएगी।

● शिक्षा मंत्रालय या राज्य सरकारों को कितनी राशि जर्जर स्कूलों के मेंटेनेंस के लिए रखने का सुझाव देंगे आप?

– एनडीएमए सीधे बजट निर्धारण नहीं करता, लेकिन हम यह सुझाव जरूर देते हैं कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की संरचनात्मक सुरक्षा को 'जीवन रक्षक निवेश' की दृष्टि से देखा जाए। प्रत्येक राज्य को स्कूल सुरक्षा हेतु वार्षिक बजट में न्यूनतम दो प्रतिशत राशि को विशेष रूप से संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण व सुरक्षा आडिट आधारित मरम्मत कार्यों के लिए आरक्षित करने का सुझाव दिया गया है।

● गाइडलाइन के बावजूद लापरवाही क्यों? क्या समन्वय की कमी है? सुधार कैसे हो?

– एनडीएमए ने वर्ष 2016 में और फिर 2023 में स्कूलों और अस्पतालों के लिए सुरक्षा दिशानिर्देश जारी किए। इन दिशा-निर्देशों में सभी हितधारकों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की गई हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर समन्वय, अनुपालन और निगरानी की कमी के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस कमी को दूर करने के लिए जिला प्रशासन स्तर पर स्कूल सुरक्षा निगरानी समिति का गठन, शिक्षा व लोक निर्माण विभाग के बीच समन्वित पोर्टल के जरिए रियल टाइम रिपोर्टिंग, स्कूल प्रबंधन समितियों को प्रशिक्षित करना और सामाजिक आडिट को बढ़ावा देना जैसे उपायों पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है। हाल ही में जो डीएम एक्ट लागू हुआ है, उसमें निर्देश दिया गया है कि हर जिले में कम से कम तीन महीने में एक बैठक हो, जिसमें उस जिले से जुड़ी आपदाओं पर चर्चा हो। यदि इस तरह की व्यवस्था होती तो झालावाड़ में संभवतः स्कूल भवन गिरने की घटना नहीं होती। रिस्क असेसमेंट के बाद मैपिंग करना पड़ता है। इसके जरिए नुकसान यानी हैजार्ड वनरेबलिटी रिस्क असेसमेंट (एचवीआरए) का आकलन किया जाता है। उत्तराखंड, ओडिशा जैसे कई राज्यों ने एचवीआरए किया है। जैसे ओडिशा के पास मैपिंग है कि चक्रवात आया तो कितनी दूरी तक आ सकता है, कितने जिले प्रभावित होंगे, कितने लोगों को विस्थापित करना पड़ेगा, उन्हें ठहराने की क्या व्यवस्था है।

● सेटेलाइट के युग में धरती के एक-एक इंच की जानकारी उपलब्ध है। क्या आपदा प्रबंधन के लिए इस पर विचार हो रहा है?

– एनडीएमए के चेयरपर्सन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। पिछली गवर्निंग काउंसिल की बैठक में उन्होंने कहा था कि अब समय आ गया है कि हम आपदा नियंत्रण के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट आफ थिंग्स जैसी तकनीक का उपयोग करें। उनके निर्देश पर ही एनडीएमए एक डिजिटल डैशबोर्ड भी विकसित कर रहा है। इसमें प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं की आशंकाओं के मद्देनजर सभी तरह के डाटा को एकत्रित किया जाएगा। जल्द ही हमारे पास देशभर के स्कूल, अस्पताल भवनों सहित बाढ़, चक्रवात, सूखा, भूकंप, सुनामी, तूफान, भूस्खलन, जंगलों में आग, लाइटनिंग (बिजली गिरना), औद्योगिक दुर्घटनाएं, रासायनिक रिसाव जैसे आपदा की श्रेणी में आने वाली हर आपदा से जुड़ा 20 साल का डाटा बैंक होगा। अगले छह महीने में योजना शुरू हो जाएगी। सेटेलाइट इमेजरी व रिमोट सेंसिंग डाटा से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान आसान होगी और बचाव की पूर्व तैयारी में आसानी होगी।

● क्या यह सिस्टम जर्जर भवनों को पहचानकर अलर्ट करेगा?

– एनडीएमए भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) आधारित एक 'स्मार्ट स्ट्रक्चरल हेल्थ मानिटरिंग सिस्टम' विकसित करने की योजना बना रहा है, जो भवनों की कंपन, झुकाव, नमी और अन्य संकेतों से यह पहचान सके कि कोई संरचना असुरक्षित हो सकती है। यह प्रणाली विशेषकर अस्पतालों, स्कूलों और भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक भवनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

● आपदा में मौतों की संख्या को शून्य करने के लक्ष्य पर क्या विचार किया जा रहा है?

– जी हां। भारत ने 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य रखा है। इसके हिसाब से हमारे पास 22 साल हैं। इसे तीन हिस्सों में बांटा गया है। पहले आठ साल में आपदा में मौत की संख्या को शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। अगले सात साल में यह सुनिश्चित किया जाए कि आपदा से रोजगार पर कोई असर नहीं पड़े। उसके अगले सात सालों में फोकस किया जाएगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर (बांध, ब्रिज, मकान, दफ्तर, ऐतिहासिक इमारत, अस्पताल, स्कूल) को नुकसान न हो।

● ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के पानी से झील और कंटेनर स्कूल जैसे नवाचारों पर क्या राय है?

– ब्रह्मपुत्र में बाढ़ के पानी से हर साल हजारों घर प्रभावित होते हैं। इससे निजात पाने के लिए ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के पानी को छह जिलों में डायवर्ट करने की योजना है। इन झीलों के आसपास वेटलैंड विकसित किया जाएगा। आपदा नियंत्रण के साथ-साथ धीरे-धीरे झील पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित हो जाएंगे। कंटेनर स्कूल (लोहे के बड़े-बड़े बाक्स, जिसके जरिये जहाजों में सामान भेजा जाता है) जैसे समाधान आपातकालीन स्थितियों में कारगर हो सकते हैं। तकनीकी विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है कि कैसे ऐसे नवाचारों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप विकसित किया जाए।

आपदा प्रबंधन को लेकर दुनियाभर में भारत की रैंकिंग को आप कैसे परिभाषित करेंगे? कितने सुरक्षित हैं हम?

– दुनियाभर में जिन देशों (जापान, ब्राजील, चिली, फिलिपींस और आस्ट्रेलिया) आपदा प्रबंधन को लेकर अच्छा काम किया है, भारत उनमें से एक हैं। दूसरे देशों को एक या दो आपदाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन हमें हर तरह की आपदा से जूझना पड़ता है। बावजूद इसके हमने अलर्ट सिस्टम के जरिये प्राकृतिक आपदाओं में जानमाल की क्षति को लगभग नगण्य कर दिया है। 1999 में ओडिशा में आए सुपर स्लाइक्लोन में 10 हजार से ज्यादा, भुज भूकंप में लगभग 10 हजार और 2004 के सुनामी में भी लगभग इतने ही लोगों की जान गई थी। इसके बाद वर्ष 2005 में भारत सरकार ने एनडीएमए का गठन किया। उसके बाद से अब तक 38 गाइडलाइन्स जारी हुए हैं। इसमें प्राकृतिक आपदा के साथ स्कूल, सुरक्षा, चारधाम- अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा। 2007 में नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) का गठन किया गया। उस समय आठ बटालियन थीं, आज 16 हैं, जिसमें लगभग 18000 प्रशिक्षित कर्मी हैं। 2008 में हमने अपनी

नीति बनाई है। इसमें हमने समुदायों, सिविल सोसायटी, एनजीओ को जोड़ने और सक्रिय करने में जोर दिया है, क्योंकि वे 'फर्स्ट रिस्पांडर' (घटना स्थल पर पहुंचने वाले) हैं। 140 करोड़ के देश में हर कोने पर टीम का तत्काल पहुंचना मुश्किल है। ऐसे में यही लोग मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू करें। वर्ष 2015 में जापान के सेंडई में डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान का फ्रेमवर्क तैयार करने के लिए 187 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। इसमें सात लक्ष्य तय किए गए थे। इसमें आपदा स्थल तक तत्काल पहुंचाना, मृतकों की संख्या, आर्थिक व इंफ्रास्ट्रक्चर नुकसान में कमी मुख्य रूप से है। 2030 तक इन लक्ष्यों को पूरा करना है।

भारत उन देशों में शामिल हो गया, जिन्होंने 2015 में ही अपना नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान (एनडीएमपी) बनाया है। इसके आधार पर आज हमारे पास सभी 28 राज्यों व आठ केंद्रशासित प्रदेशों का स्टेट डिजास्टर प्लान है। राज्य के डिजास्टर प्लान को आधार मानकर 712 से अधिक जिलों का डिजास्टर मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। अगले तीन-चार महीने में शेष जिलों का भी प्लान तैयार हो जाएगा। यही नहीं अब हर मिनिस्ट्री अपना डिजास्टर प्लान बना रही है। पहले एक लाख आपदा मित्र बनाए गए हैं। पीएम के निर्देश पर अब ढाई लाख युवा आपदा मित्र तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें एनसीसी, एनएसएस सहित संगठनों को भी जोड़ा जा रहा है। मानवीय लापरवाहियों को नियंत्रित करने के लिए ब्लाक और गांव स्तर पर लोगों को जागरूक करने की तैयारी है। जहां तक हमारी क्षमता की बात है तो अर्ली वार्निंग सेंटर के जरिये कई चक्रवातों में दो दिन पहले 10 लाख लोगों को गांवों से निकाल दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया। मारीशस जैसे देश की आबादी 10 लाख है। यानी हमने एक पूरे देश को शिफ्ट कर दिया।

भारत के आपदा प्रबंधन के पड़ावों को कुछ इस तरह समझा जा सकता है। 1999 से पहले भारत की स्थिति कुछ इस तरह थी...

आते हैं आने दो, कश्ती का खुदा खुद हाफिज
मुमकिन है उठती लहरों में साहिल आ जाए।

(यानी सबकुछ ऊपरवाले या किस्मत के भरोसे था) 2005 के बाद एनडीएमए का गठन हुआ। इसके लिए राहत इंदौर का एक शेर याद आता है...

तूफानों से हाथ मिला लो, सैलाबों पर वार करो,
मल्लाहों का चक्कर छोड़ो, तैर के दरिया पार करो।

और 2025 में आज हम जहां खड़े हैं... वहां वसीम बरेलवी का यह शेर मौजूं है ...

आते हैं आने दो, यह तूफान क्या ले जाएंगे,
मैं तो तब डरता, अगर मेरा हौसला ले जाते।

हौसला हमारी गाइडलाइन, हौसला हमारी माकड्रिल, हौसला समुदायों से संवाद ...और लोगों को आपदा से निपटने की तैयारी है।

एक समय भोजन, दीये की रोशनी में संघर्ष ...और जापान में 'पूजा'

बाल विज्ञानी पूजा ने बनाया प्रदूषण रहित थ्रेशर मशीन, देश-विदेश में चर्चा

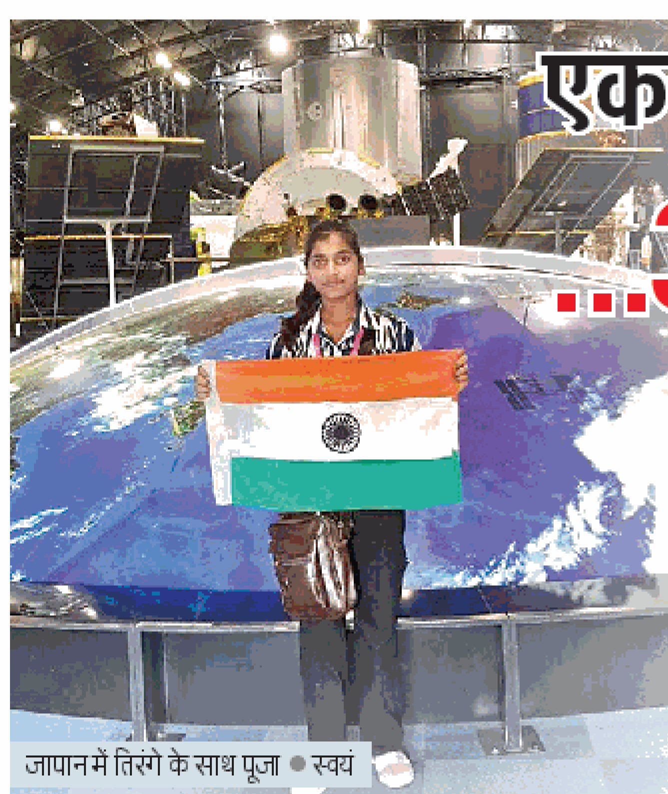

जापान में तिरंगे के साथ पूजा ● स्वयं

2021-22 में कबाड़ से बनाया था प्रदूषण रहित थ्रेशर का माडल। उपयोगी नवाचार को मिली देश-विदेश में पहचान

60 उत्कृष्ट बाल विज्ञानियों का चयन किया गया पूरे देश से इंस्पायर अवार्ड योजना के अंतर्गत, इसमें हुआ था पूजा के माडल का चयन।

प्रतिभा

उत्तर प्रदेश की पूजा पाल ने पैसों के अभाव में घर में पड़े कबाड़ से एक 'धूल रहित थ्रेशर मशीन' का माडल तैयार किया। इस मशीन की खासियत यह है कि इससे गेहूं की कटाई के दौरान अनाज अलग हो जाता है, जबकि भूसा और धूल अलग से एकत्र हो जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इसे काफी सराहना मिली। हाल ही में उन्हें जापान में सम्मानित किया गया है। जानिए, युवा विज्ञानी के बारे में :

इसी झोपड़ी में रहती हैं पूजा पाल....● जागरण

आनंद त्रिपाठी ● जागरण

बाराबंकी: उप्र के बाराबंकी के अगेहरा गांव के एक झोपड़ी से जब दीये की रोशनी बाहर टिमटिमाती हुई दिखती थी, तब किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। यही रोशनी गांव की पगडंडियों से निकलकर जब जापान तक पहुंची, तब लोगों को पता चला कि वह झोपड़ी बाल विज्ञानी पूजा पाल का घर है और टिमटिमाती रोशनी, उसके संघर्ष की लौ।

विकास खंड सिरौलीगौसपुर के अगेहरा निवासी पूजा पांच भाई-बहन हैं। मां सुनीला उच्च प्राथमिक विद्यालय में रसोइयां तो पिता पुत्तीलाल मजदूरी करते हैं। परिवार झोपड़ीनुमा घर में रहता है, जहां बिजली तक नहीं थी। कभी-कभार तो एक समय ही खाना मिल पाता है। इसके बाद भी पिता पुत्तीलाल सभी बच्चों को पढ़ा रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में पूजा ने वर्ष 2021-22 में शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में प्रदूषण रहित थ्रेशर मशीन बनाया, जिसने देश-विदेश में उन्हें पहचान दिलाई।

पूजा बताती हैं कि वह उच्च प्राथमिक विद्यालय अगेहरा में कक्षा आठ में पढ़ रही थीं, तब उन्हें माडल बनाने के लिए कहा गया। पैसों की तंगी से बाजार की सामग्री से माडल नहीं बना पाईं। इसके बाद उन्होंने घर में पड़े कबाड़ से माडल बनाने के बारे में सोचा। सबसे पहले पुरानी टिन को जोड़कर थ्रेशर बनाया। थ्रेशर में अलग से जाली लगाते हुए पानी का टंकी फिट की, जिससे गेहूं मड़ाई के दौरान निकलने वाली धूल रुक गई। यह धूल पर्यावरण के लिए घातक होने के साथ ही लोगों को बीमार बनाती है। पूजा ने बताया कि थ्रेशर बनाने में उसे करीब तीन महीने लग गए। स्कूल से लौटने के बाद रात में ढिबरी की रोशनी में मशीन तैयार करती थीं। वर्तमान में पूजा विज्ञान संकाय से कक्षा 12 की पढ़ाई कर रही हैं।

पूजा द्वारा तैयार थ्रेशर मशीन का माडल।

इंस्पायर अवार्ड से बनी पहचान

इंस्पायर अवार्ड योजना के अंतर्गत राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन नौ व 10 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया गया था। इसके लिए पूरे देश से 60 उत्कृष्ट बाल विज्ञानियों का चयन किया गया, जिसमें यूपी से पूजा शामिल थीं।

सकूरा साइंस हाईस्कूल प्रोग्राम के तहत गईं जापान

शिक्षक राजीव श्रीवास्तव बताते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर चयनित बच्चों को सकूरा साइंस हाईस्कूल प्रोग्राम आफ जापान के अंतर्गत को वहां की शैक्षणिक यात्रा पर भेजा जाता है। वहां टोक्यो विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठित प्रयोगशाला, साइंस सेंटर ले जाकर पूजा को विज्ञानी की बारीकियों से अवगत कराया गया। जापान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग की ओर से प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। पूजा 14 जून 2025 को जापान गई थीं। हाल ही में वापस आईं।

पूजा का माडल गेहूं की मड़ाई के समय थ्रेशर मशीन से निकलने वाले भूसे व भूसे के साथ वातावरण में प्रदूषण के रूप में फैलने वाली धूल को रोकता है। यह धूल व गंदगी से राज्य की एक बड़ी आबादी अस्थमा जैसी कई बीमारियों का शिकार होती है।

-संतोष देव पांडेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

'वन रानी' मुनमुनी

विरासत

विरासत संभालना और उसे आगे बढ़ाना क्या होता है... यह देखना है तो असम के माजुली द्वीप की रहने वाली मुनमुनी पायेंग से मिलिए। इस इलाके में 'वनरानी' के नाम से पहचानी जाने वाली 25 साल की यह युवती एक ऐसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती है, जो जमीन को उपजाऊ बनाने और बाढ़ प्रभावित इलाकों में मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए दस लाख देशी पेड़ लगाने के एक सामुदायिक अभियान का नेतृत्व कर रही हैं। जानिए, युवा पर्यावरणविद् की पहल के बारे में :

नेशनल डेस्क ● जागरण

नई दिल्ली: असम के बाढ़ प्रभावित सबसे संवेदनशील व प्रभावित इलाकों में से एक माजुली द्वीप में जन्मीं मुनमुनी पायेंग ने बचपन से ही विभिषिका को झेला है। ब्रह्मपुत्र के विकराल रूप में उपजाऊ जमीन और जिंदगी दोनों को समाते हुए देखा है। यहां बाढ़ बिना बुलाए आती है। कटाव गांवों को निगल जाता है। जंगली हाथी इंसानों के घरों में भटकते हैं, लेकिन मुनमुनी के लिए प्रकृति का यही रूप शिक्षक और परीक्षा दोनों थी। बचपन में उन्होंने इन हालातों से समझौता किया अब इस विभिषिका के खिलाफ युद्ध छेड़ा है। इसे युद्ध इसलिए कहेंगे क्योंकि उन्होंने 10 लाख देशी पेड़ लगाने का लक्ष्य तय कर गांवों के पुनर्निर्माण व मिट्टी के कटाव को रोकने का प्रण लिया है।

भारत के 'वन पुरुष' के रूप में ख्यात महान जादव 'मोलाई' पायेंग की बेटी, मुनमुनी ने अपने पिता को एक बंजर रेत के टीले को 1,360 एकड़ के हरे-भरे जंगल में बदलते हुए देखा है। उन्हें याद है कि वे पौधों के बीच तितलियों का पीछा करती थीं, और बचपन से ही सीख रही थीं कि लगाया गया हर पेड़ भविष्य के लिए एक वादा है। होश संभालने के बाद जब मुनमुनी ने पिता की विरासत को संभालने का प्रण लिया तो स्थानीय लोग उन्हें प्यार से 'असम की वन रानी' कहने लगे। यह उपाधि उन्होंने उम्मीदों का बीज बोकर कमाया है।

जहां पेड़ रक्षा पंक्ति बन जाते हैं

अपने संगठन 'सेउज धोरोनी' (हरित पृथ्वी) के माध्यम से, मुनमुनी असम भर के समुदायों, आदिवासी समूहों से लेकर स्कूली बच्चों तक, को वृक्षारोपण अभियानों और संरक्षण प्रयासों में भाग लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। ये केवल प्रतीकात्मक प्रयास नहीं हैं। वह उन स्थानीय प्रजातियों को चुनती हैं जो मिट्टी को एक साथ रखने, स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को सहारा देने और चरम जलवायु परिस्थितियों का प्रतिरोध करने में मदद करती हैं। हर मानसून में जहां उम्मीदें धुलती नजर आती हैं, वहां वह बीज, कहानियां और एकजुटता लेकर पहुंचती हैं। बच्चे उनके सबसे बड़े सहयोगी हैं। वह कहती हैं, 'जब आप किसी बच्चे के साथ मिलकर पौधे लगाते हैं, तो आप जीवन भर के लिए पौधे लगाते हैं।'

बाढ़, रोष और उपचार की लड़ाई

माजुली प्रकृति के प्रकोप से अनजान नहीं है। जैसे-जैसे नदियों का जलस्तर बढ़ता है, द्वीप सिकुड़ता जाता है। हर बाढ़ के साथ, लोग जमीन, पशुधन और अक्सर अपनी स्थिरता की भावना खो देते हैं। मुनमुनी विस्थापन के आघात, पड़ोसियों द्वारा बार-बार पुनर्निर्माण और बचपन के रास्तों को पानी में बहते हुए देखते हुए बड़ी हुई हैं। फिर भी मायूस होने के बजाय आगे बढ़ने का फैसला किया। उनका लक्ष्य सिर्फ भू-भाग को हरा-भरा करना नहीं है, बल्कि प्राकृतिक बाढ़ अवरोधक बनाना, जैव विविधता को पुनर्स्थापित करना है।

मुनमुनी पायेंग ● इंटरनेट मीडिया

मां से मिली सीख, अब दुनिया की सबसे छोटी चिप बना रहा केदारघाटी का लाल

मिसाल

केदारनाथ घाटी में आई आपदा में पिता को खोने के बाद बिखर चुके उत्तराखंड के नीलकमल ने खुद को साबित किया। एनआइटी सिलचर से इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में बी-टेक करने के बाद नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर में प्रवेश मिला। उन्हें यह अवसर शत-प्रतिशत स्कालरशिप पर मिला। दो साल की डिग्री एक वर्ष में हासिल की। आइए, जानते हैं इस मेधावी युवा के बारे में :

बृजेश भट्ट ● जागरण

रुद्रप्रयाग: केदारघाटी की शांत वादियों से उठकर एक युवक सिंगापुर की उच्च तकनीकी प्रयोगशाला तक पहुंचा और आज वह दुनिया की सबसे छोटी एवं सबसे तेज डाटा स्टोरेज चिप पर काम कर रहा है।

यह कहानी है रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ विकासखंड के ग्राम पसालत निवासी 26-वर्षीय नीलकमल सेमवाल की। उन्होंने विषम परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए विज्ञान की दुनिया में भारत का नाम रोशन करने का संकल्प लिया और आज इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा उत्तराखंड के इतिहास की सबसे दर्दनाक त्रासदियों में से एक थी। इस आपदा में नीलकमल ने भी पिता प्रवीन चंद्र सेमवाल को खोया। तब उनकी उम्र महज 14 साल थी। हालांकि, सीमित संसाधन, पर्वतीय जीवन की कठिनाइयां और भावनात्मक आघात सहने के सबके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने मां के साथ खेत में हाथ भी बंटाया और पढ़ाई से भी कभी समझौता नहीं किया। बकौल नीलकमल, 'जब पिता नहीं रहे, तब मेरी मां ही थी, जिन्होंने कभी उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। मां स्वयं दुख में थी, लेकिन मेरे लिए हमेशा हिम्मत बनी रहीं। उन्होंने मुझे सिखाया कि संघर्ष से कभी डरना नहीं है। बड़ी बात यह कि परिवार के अन्य सदस्य भी हमेशा मेरे साथ खड़े रहे।'

मां बीना सेमवाल के साथ नीलकमल।

मां का संघर्ष बना ढाल

पिता की मौत के बाद मां बीना सेमवाल नीलकमल की ढाल बनी। उन्होंने खेतों में काम किया, सिलाई-बुनाई से पैसे जुटाए, लेकिन बेटे की पढ़ाई नहीं छूटने दी। बकौल नीलकमल, 'जब स्कूल जाने का मन नहीं करता था, तब मां कहती, तू पढ़ेगा तो तेरा रास्ता और हम सबका भाग्य बदलेगा।' ऐसा हुआ भी। आज नीलकमल केदारघाटी के युवाओं की प्रेरणा बन गया है। ये युवा भी उसी की तरह मेहनत कर इंजीनियर बनने के सपने देखने लगे हैं।

नीलकमल सेमवाल का परिचय

नीलकमल की प्रारंभिक शिक्षा बांकेलाल हीरालाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर देवली भणिग्राम में हुई। जबकि छठी से नवीं तक की पढ़ाई उन्होंने डा. जैक्सवीन नेशनल स्कूल गुप्तकाशी से की। इसके बाद श्री गुरु रामराय इंटर कालेज श्रीनगर से उन्होंने 96 प्रतिशत अंकों के साथ दसवीं और 94 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण की। वर्ष 2017 में नीलकमल ने एनआइटी सिलचर से बीटेक किया। उन्होंने दो साल बेंगलुरु में नौकरी भी की। 2024 में शत-प्रतिशत स्कालरशिप पर नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर में एमटेक में प्रवेश ले लिया। दो वर्षीय पाठ्यक्रम होने के बावजूद अपनी काबिलियत के कारण नीलकमल ने एक वर्ष में ही एमटेक की डिग्री हासिल कर ली। नीलकमल के तीन बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है।

****

उत्तरी ध्रुव के नीचे यात्रा करने वाली पनडुब्बी बनी यूएसएस नाटिलस

1958 में आज ही यूएसएस नाटिलस उत्तरी ध्रुव के नीचे यात्रा करने वाली पहली पनडुब्बी बनी थी। यह अमेरिकी नौसेना की परमाणु ऊर्जा चालित पहली पनडुब्बी थी। नाटिलस ने 10 से 15 फुट मोटी बर्फ की परत के नीचे 400 फुट की गहराई में 37 किमी प्रति घंटे की गति से 2,945 किमी यात्रा की।

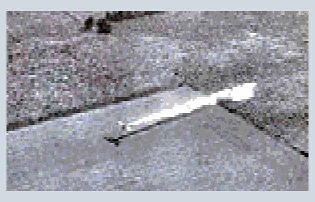

हवाई जहाज से फसल पर किया गया रासायनिक छिड़काव

1921 में आज ही अमेरिकी पायलट लेफ्टिनेंट जान ए मैकरेडी ने पहली बार हवाई जहाज से छह एकड़ के कैटाल्पा बाग में 20-35 फीट की ऊंचाई से लेड आर्सेनेट कीटनाशक का छिड़काव किया था। इससे कृषि उद्योग में हवाई जहाजों के उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ।

मेसी और रोनाल्डो की टक्कर के फुटबालर हैं सुनील छेत्री

फुटबालर सुनील छेत्री का जन्म 1984 में आज ही सिकंदराबाद में हुआ था। 2001 में कुआलालंपुर में एशियाई स्कूल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। 2005 में भारतीय फुटबाल टीम में शामिल हुए। 2008 के एएफसी चैलेंज कप में चार गोल दागकर भारतीय फुटबाल के पोस्टर ब्वाय बन गए। 2010 में, अमेरिका की मेजर लीग साकर में कैनसस सिटी विजार्ड्स के लिए हस्ताक्षर कर किसी विदेशी लीग में खेलने वाले तीसरे भारतीय फुटबालर बने। 151 मैचों में 94 गोल कर वह रोनाल्डो, मेसी व अली डेई के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में चौथे सबसे बड़े गोल स्कोरर बन गए।

अधिक गर्मी से प्रभावित होती है बच्चों के सीखने की क्षमता

अध्ययन ▸ रायल मेलबर्न इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी के शोधकर्ताओं ने 61 देशों के छात्रों के डाटा का किया विश्लेषण

नई दिल्ली, प्रेट्र: एक अध्ययन में बताया गया है कि लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यह अनुमान आस्ट्रेलिया के रायल मेलबर्न इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी और न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के बाद लगाया। इस दौरान शोधकर्ताओं ने भारत को शामिल करते हुए कुल 61 देशों के लगभग 14.5 मिलियन छात्रों से संबंधित सात पूर्व प्रकाशित अध्ययनों के डाटा की समीक्षा की।

जर्नल पीएलओएस क्लाइमेट में प्रकाशित निष्कर्षों के अनुसार, लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से छात्रों की सीखने की क्षमता प्रभावित होती है जिससे जटिल विषयों जैसे गणित में प्रदर्शन सरल कार्यों की तुलना में कम बेहतर हो सकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे ग्रह गर्म होता जा रहा है, युवाओं की सीखने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। टीम ने यह भी बताया कि जलवायु परिवर्तन से खुद को बचाने में असमर्थ कमजोर, निम्न-आय जनसंख्या की समानता और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक विषमताएं बढ़ेंगी और कम विकसित देशों में आर्थिक प्रगति बाधित होगी जो गर्मी के संपर्क में अधिक हैं।

61 देशों के लगभग 14.5 मिलियन छात्रों से संबंधित सात पूर्व प्रकाशित अध्ययनों के डाटा की समीक्षा की

29 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान ने पढ़ाई और गणित के सवाल हल करने की क्षमताओं को किया प्रभावित

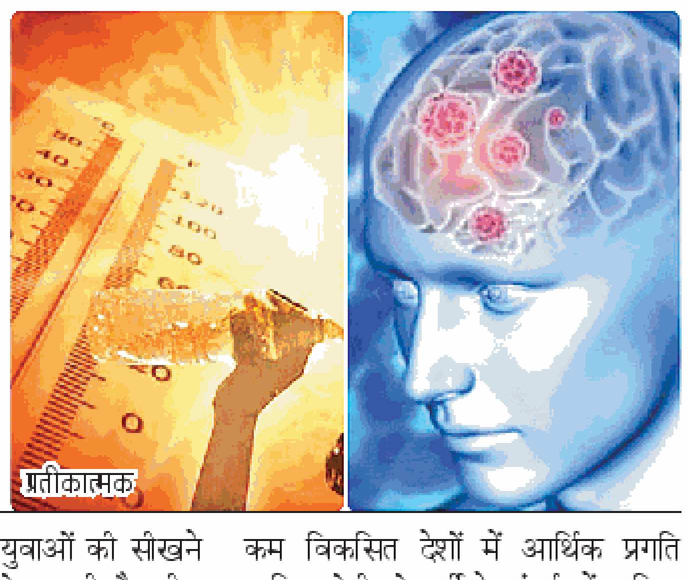

प्रतीकात्मक

29 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान का भारत में दिखा असर : शोधकर्ताओं द्वारा समीक्षा किए गए सात अध्ययनों में से दो भारत के प्राथमिक विद्यालय के छात्रों से संबंधित थे। इसमें सामने आया कि पिछले वर्ष में 15-17 डिग्री सेल्सियस तापमान की तुलना में 29 डिग्री सेल्सियस से अधिक औसत दैनिक तापमान वाले दिन ने पढ़ाई और गणित की क्षमताओं को प्रभावित किया। विश्लेषण में यंग लाइव्स सर्वे के डाटा का भी उपयोग किया गया।

कैसे प्रभावित करता है तापमान

विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी का दाब तब देखने को मिलता है जब अब हमारा शरीर खुद के स्वस्थ तापमान को कायम रखने के लिए पर्याप्त रूप से ठंडा नहीं कर पाता है। पिछले दिनों यूनिवर्सिटी आफ इलिनोइस अर्बाना शैम्पेन के न्यूरोसाइंटिस्ट और इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर लव वार्शने का कहना है कि इससे हमारे दिमाग के संज्ञानात्मक कार्यों को करने की क्षमता कम हो जाती है। बहुत ज्यादा गर्मी का सामना करने से हमारे दिमाग को होने वाले खून के बहाव के साथ आक्सीजन की आपूर्ति भी प्रभावित होती है जिससे बेहोश होने की स्थिति बनने लगती है।

उनके मुताबिक, ज्यादा तापमान से दिमाग और खून के बीच का अवरोध टूट जाता है और दिमाग में अवांछनीय प्रोटीन और आयन जमा होने लगते हैं। लिहाजा दिमाग में सूजन और उसके सामान्य कार्यों में बाधा आने लगती है और मस्तिष्क कोशिकाएं मरने लगती है। इतना ही नहीं इससे शरीर को नियंत्रित करने वाला दिमागी हिस्सा भी प्रभावित होता है जो पसीने के जरिए शरीर का तापमान नियंत्रित करता है।

स्पेसएक्स ने 15 घंटे में अंतरिक्ष यात्रियों को पहुंचाया आइएसएस

केप कैनावेरल, एपी : स्पेसएक्स ने शनिवार को चार अंतरिक्ष यात्रियों के एक नए दल को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) तक पहुंचाया। नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से यह यात्रा मात्र 15 घंटे में पूरी की गई। आइएसएस तक सबसे तेज यात्रा का रिकार्ड रूस के नाम है जिसने तीन घंटे में वहां यात्रियों को पहुंचाया था।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों में नासा के जेना कार्डमैन और माइक फिन्के, जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव शामिल हैं। कैप्सूल के डाक होते ही फिन्के ने रेडियो पर कहा, 'हेलो, अंतरिक्ष स्टेशन।'' ये स्पेस स्टेशन पर छह महीने बिताएंगे। कार्डमैन और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को पिछले साल नासा के दो फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के लिए जगह बनाने के लिए स्पेसएक्स की उड़ान से हटाया गया था। प्लाटोनोव को कुछ समय पहले एक अज्ञात बीमारी के कारण सोयुज प्रक्षेपण दल से हटा दिया गया था। शनिवार को अंतरिक्ष यात्रियों के वहां पहुंचने से अस्थायी रूप से आइएसएस पर उनकी संख्या 11 हो गई है। ये अंतरिक्ष यात्री उन चार सहयोगियों की जगह लेंगे जो मार्च से ही आइएसएस में हैं।

▸ **आइएसएस तक सबसे तेज यात्रा का रिकार्ड रूस के नाम है, जो तीन घंटे में पहुंचा था**

प्रतीकात्मक

चार में से एक भारतीय को जरूरत से ज्यादा सोचने की आदत

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीयों को जरूरत से ज्यादा सोचने की आदत है। एक सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि अत्यधिक सोचने से निपटने के लिए भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या एआइ प्रौद्योगिकी की मदद ले रहे हैं। रेस्तरां में कोई व्यंजन चुनते समय या उपहार खरीदने का निर्णय लेने के लिए तीन में से एक भारतीय एआइ की मदद ले रहे हैं।

सेंटर फ्रेश और यूगोव की संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़ी संख्या में भारतीय एआइ प्लेटफार्म चैटजीपीटी और सर्च इंजन गूगल का उपयोग निर्णयों को लेकर उलझन सुलझाने में कर रहे हैं। सर्वेक्षण में 2,100 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया। सर्वेक्षण से पता चला कि 81 प्रतिशत भारतीय प्रतिदिन तीन घंटे से अधिक समय जरूरत से ज्यादा सोचने में बिताते हैं। चार में से एक व्यक्ति ने स्वीकार किया कि उन्हें जरूरत से ज्यादा सोचने की आदत है। 'इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट' के अनुसार, तीन में से एक व्यक्ति ने ओवरथिंकिंग से निपटने के लिए गूगल या चैटजीपीटी का उपयोग किया है। इनमें छोटे संदेश को डिकोड करने से लेकर उपहार खरीदने का निर्णय लेने तक शामिल है।

सर्वेक्षण में देशभर के छात्र, पेशेवर और स्वरोजगार करने वाले लोग शामिल थे जिसमें टियर I, II और III शहरों को शामिल किया गया था। सर्वे में शामिल लोगों ने भोजन और जीवनशैली की आदतें, डिजिटल और सामाजिक जीवन, डेटिंग और रिश्ते तथा पेशेवर जीवन से संबंधित सवालों पर उत्तर दिए। सर्वेक्षण से पता चला कि भारत में जरूरत से अधिक सोचना दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है। सर्वेक्षण में 63 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि किसी रेस्तरां में व्यंजन चुनना किसी राजनीतिक नेता को चुनने से भी अधिक तनावपूर्ण होता है।

▸ **'इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट' में किया गया दावा, सर्वे से पता चला**

भारतीय विज्ञानियों ने खोज निकाला लिवर सिरोसिस के इलाज का नया तरीका

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय विज्ञानियों की टीम ने लिवर सिरोसिस के इलाज का एक नया तरीका खोज निकाला है। लिवर सिरोसिस में लिवर और आंत में लिंफैटिक लसीका (वेसल्स) खराब हो जाती है। लिवर सिरोसिस गंभीर फाइब्रोसिस और फिर सिरोसिस (जिसे स्कारिंग भी कहा जाता है) में बदल सकता है। सिरोसिस में लिवर व, आंत में रक्त और लसीका वाहिकाओं में विकृति आ जाती है। सिरोसिस के रोगियों में अक्सर पेट में तरल पदार्थ जमा होने जैसी जटिलताएं होती हैं। बता दें, लीवर सिरोसिस में लसीका प्रणाली का कमजोर होना एक बड़ी समस्या है। लसीका नेटवर्क शरीर के ऊतकों से अतिरिक्त तरल निकालने, प्रतिरक्षा कोशिकाओं को पहुंचाने और सूजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। लेकिन सिरोसिस में यह प्रणाली अवरुद्ध या निष्क्रिय हो जाती है।

यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आइएलबीएस), नई दिल्ली और राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआइपीईआर), गुवाहाटी के वैज्ञानिकों की टीम ने वीईजीएफ-सी नामक प्रोटीन से भरे नैनोकैरियर्स का उपयोग करके यकृत और आंत में लसीका वाहिकाओं की जल निकासी क्षमता में सुधार लाने में सफलता हासिल की। वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर -सी (वीईजीएफ-सी) लिम्फैंजियोजेनेसिस या नई लसीका वाहिका वृद्धि को सक्रिय करता है। यह टायरोसिन किनसे रिसेप्टर, वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर-3 (वीईजीएफआर-3) से जुड़कर ऐसा करता है जिसकी सक्रियता नई लसीका वाहिकाओं के विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक है।

एनआइपीईआर गुवाहाटी के डा. शुभम बनर्जी के नेतृत्व वाली टीम ने सबसे पहले वीईजीएफ-सी एनकैप्सुलेटेड रिवर्स माइसेल-आधारित नैनोकैरियर्स के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जो विशेष रूप से वीईजीएफआर-3 होमोडाइमर से बंधते हैं। इसके बाद, डा. सवनीत कौर के नेतृत्व में आइएलबीएस टीम ने वीईजीएफ-सी नैनोकैरियर्स का परीक्षण किया। यह शोध जेएचईपी रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है। स्वास्थ्य जानकारी के लिए राष्ट्रीय संस्थान (एनआइएच) के अनुसार, भारत में 50,000 लोग सिरोसिस से पीड़ित हैं और हर साल करीब 7,000 नए मामले सामने आते हैं।

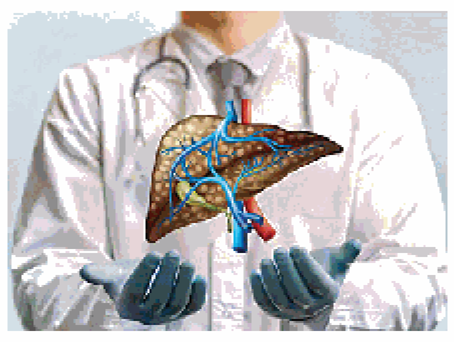

प्रतीकात्मक

शुभांशु को मोबाइल भी लग रहा भारी, लैपटाप नहीं संभाल पाए

नई दिल्ली, प्रेट्र : अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन से लौटने के कुछ हफ्तों बाद पृथ्वी के वातावरण के अनुसार खुद को ढालने के दौरान हुए अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्हें मोबाइल फोन भी पकड़ने में भारी लगा और वह अपने लैपटाप को नहीं संभाल सके।

वर्चुअल प्रेस कान्फ्रेंस में, पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के साथ पुनः समायोजन के अपने अनुभव को साझा करते हुए शुभांशु ने उस क्षण को याद किया जब उन्होंने तस्वीरें लेने के लिए फोन मांगा था और यह उनके हाथ में कितना भारी लग रहा था। शुभांशु ने कहा, जैसे ही मैंने फोन पकड़ा, मुझे लगा कि यह भारी है। एक और घटना बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे अपने लैपटाप पर कुछ काम करना था। मैं अपने बिस्तर पर बैठा था और मैंने अपना लैपटाप बंद करके उसे बिस्तर के किनारे रख दिया। मैंने सोचा कि लैपटाप मेरे बगल में ही गिर जाएगा इसलिए मैंने लैपटाप गिरा दिया। शुभांशु ने कहा कि मिशन में उन्होंने बहुत कुछ सीखा जो भारत को उसके गगनयान मिशन में मदद करेगा। शुभांशु ने कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उन्हें दिए गए सभी होमवर्क पूरे कर लिए हैं।

▸ **एक्सिओम-4 मिशन से लौटे अंतरिक्षयात्री शुभांशु ने साझा किए अनुभव**

इधर-उधर की

गैंडों के सींगों में डाला जा रहा है रेडियोधर्मी पदार्थ

केप टाउन, एजेंसी: दक्षिण अफ्रीका में गैंडों के अवैध शिकार और तस्करी से निपटने के लिए विज्ञानियों ने अनोखा प्रयोग किया है। यहां गैंडों के सींगों में रेडियोधर्मी पदार्थ डालना शुरू कर दिया है। विटवाटरसैंड यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने राइजोटोप परियोजना नामक इस प्रक्रिया को गैंडों के लिए हानिरहित बताया है। परियोजना के मुख्य विज्ञानी प्रोफेसर जेम्स ने कहा कि यह प्रक्रिया गैंडों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है और अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क परमाणु सुरक्षा प्रणालियों के माध्यम से सींग का पता लगाने में काफी प्रभावी है। परीक्षणों ने यह भी पुष्टि की है कि 40 फीट के शिपिंग कंटेनरों के अंदर सींगों का पता लगाया जा सकता है। इस परियोजना को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से समर्थन प्राप्त है। पहले बैच में पांच गैंडों को रेडियोधर्मी समस्थानिकों का इंजेक्शन लगाया गया है।

गैंडों के शिकार को रोकने के लिए अपनाया तरीका। इंटरनेट मीडिया

आटिज्म की तरह हकलाने के लिए भी जीन हो सकते हैं जिम्मेदार

अनुसंधान

दस लाख से ज्यादा लोगों के आनुवंशिक डाटा का विश्लेषण करने से पता चला है कि कि हकलाने के लिए जिम्मेदार जीन आटिज्म, अवसाद और संगीत सुनने की क्षमता में कमी का कारण बनने वाले जीन से मिलते-जुलते हो सकते हैं। विश्वविद्यालयों और अमेरिका की आनुवंशिकी अनुसंधान कंपनी 23एंडमी के शोधकर्ताओं ने एक गुणसूत्र पर 57 अलग-अलग बिंदु पाए जो हकलाने से जुड़े थे। ये निष्कर्ष नेचर जेनेटिक पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं।

हकलाना एक विकार है, जिसमें शब्दों और अक्षरों में दोहराव और शब्दों के बीच बार-बार विराम होता है। टीम ने कहा कि ये हकलाने के लिए प्रारंभिक पहचान और उपचार के तरीकों के विकास में मदद कर सकते हैं। अमेरिका के वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय की शोधकर्ता जेनिफर बेलो ने कहा कि हकलाने के कारणों के बारे में सैकड़ों वर्षों से गलत धारणाएं रही हैं। अध्ययन दर्शाता है कि यह व्यक्तिगत या पारिवारिक कमियों या बुद्धिमत्ता के कारण होने के बजाय जीन से प्रभावित होता है। हकलाना जीवन की गुणवत्ता को कम करता है, स्कूल में प्रदर्शन और कार्य में संभावनाओं को प्रभावित करता है। साथ ही सामाजिक स्तर पर भी असर डालता है। टीम ने बताया कि हकलाना एक बच्चे के विकास के दौरान दो से पांच वर्ष की आयु के बीच शुरू हो सकता है। हालांकि, किशोर और वयस्क पुरुषों में अधिक सामान्य है। अध्ययन में खोजे गए 57 विशिष्ट जीनोमिक बिंदुओं को 48 जीनों से जोड़ा गया जो हकलाने के जोखिम से जुड़े हैं। पुरुषों और महिलाओं के बीच आनुवंशिक संकेत भिन्न थे। (प्रेट्र)

प्रतीकात्मक

नाटक का अनोखा मंचन

विलियम शेक्सपियर के मशहूर नाटक रोमियो और जूलियट का मंचन यूरोपीय देश एस्टोनिया में एक अनोखे अंदाज में किया गया। इस प्रेम कहानी पर आधारित नाटक के लिए किरदारों के तौर पर खदान में इस्तेमाल होने वाले छोटे-बड़े वाहनों को शामिल किया गया। रोमियो से ताल्लुक रखने वाले मोंटेग्यू परिवार और जूलियट के कैपिलेट परिवार से जुड़े किरदारों को दर्शाने के लिए 16 एक्सट्रावटर्स, टोजर, लोडर, क्रेन, रेपर जैसी भारी-भरकम मशीनों का इस्तेमाल किया गया। रायटर

स्क्रीन शाट

'गहरी दोस्ती तो स्कूल-कालेज में होती है'

फ्रेंडशिप डे विशेष

दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जिसे खुद चुना जाता है। कुछ दोस्त-यार जीवन भर के लिए बनते हैं, कुछ से केवल विशेष मौकों पर मिलना-जुलना होता है। जो बातें परिवार वालों से नहीं हो पातीं, वह कुछ दोस्तों से आसानी से हो जाती है। जीवन के अलग-अलग पड़ावों पर मिले दोस्तों में से अभिनेता प्रतीक गांधी को अपने स्कूल-कालेज के दोस्त सबसे ज्यादा पसंद हैं। दोस्ती के इस दिन पर प्रतीक कहते हैं कि गहरी वाली दोस्ती तो स्कूल-कालेज में होती है। वह जिंदगी का सबसे अच्छा समय होता है। आपके भीतर प्यार बहुत होता है, दुनिया से सामना कम हुआ होता है। दिल में इतनी जगह होती है कि उसमें कई दोस्त समा सकते हैं। दोस्तों की हर बात समझते हैं, उन्हें अपनी बातें समझा पाते हैं लेकिन एक बार जब आप पेशेवर जीवन में उतरते हैं तो वहां दोस्ती तो होती है लेकिन आप उनके साथ सब कुछ साझा नहीं कर सकते हैं। हर किसी पर भरोसा करना भी आसान नहीं होता है। जिससे आप अपनी मन की बातें कह खुलकर कर सकें, वह उम्र के हर पड़ाव में आपके स्कूल और कालेज के ही दोस्त ही होते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा, जिन फिल्मों के सेट पर मैंने काम किया है, वहां दोस्ती नहीं हुई है। हर एक फिल्म में दोस्त मिलते हैं। फिल्म के दौरान खाना-पीना सब साथ होता है लेकिन फिल्म खत्म होने पर वो और मैं दोनों अपने कामों में व्यस्त हो जाते हैं। मौकों पर मिलना-जुलना होता है।

मन की बातें अपने दोस्तों से करते हैं प्रतीक। इंस्टाग्राम (@pratikgandhiofficial)

पुरानी दोस्ती की कहानी दिखाएंगे अपारशक्ति, वरुण और अभिषेक

दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो वर्षों दूर रहने पर भी कमजोर नहीं पड़ता है। दूर रहने के बाद भी जब सच्चे दोस्त मिलते हैं तो वही हंसी-मजाक, वही एक दूसरे से जुड़ी पुरानी यादें, उसी ताजगी के साथ होती है। फ्रेंडशिप डे के मौके पर फिल्मकार इम्तियाज अली, महावीर जैन और मृगदीप सिंह लांबा ने ऐसी ही कहानी पर आधारित फिल्म साइड हीरोज की घोषणा की। इस फिल्म में अभिनेता अपारशक्ति खुराना, वरुण शर्मा और अभिषेक बनर्जी केंद्रीय भूमिकाओं में होंगे। खास बात यह है कि इन तीनों ही कलाकारों ने ज्यादातर फिल्मों में साइड हीरो यानी चरित्र भूमिकाएं ही निभाई हैं। सिद्धार्थ सेन और पंकज मट्टा द्वारा लिखित इस फिल्म का निर्देशन संजय त्रिपाठी करेंगे। इस की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। यह फिल्म बचपन के तीन ऐसे दोस्तों की मार्मिक और हास्यपूर्ण कहानी कहती है जो सालों की दूरी के बाद रीयूनियन में एक बार फिर मिलते हैं। इस फिल्म को लेकर जारी बयान में निर्माता मृगदीप सिंह लांबा ने कहा, 'दिल से और दिल के लिए कही गई कहानियां हमेशा हमारे दिलों में गूंजती हैं। साइड हीरोज की पटकथा सुनने के बाद हमें तुरंत उसमें अपनी जिंदगी से जुड़ी कहानी दिखी। यह तीन दोस्तों की कहानी है, जो एक रीयूनियन के दौरान अपने पिछले जीवन की यादों पर बात करते हैं। फिल्म में इसे कामेडी और इमोशन के माध्यम से बताया जाएगा।' फिल्म को अगले फ्रेंडशिप डे के मौके पर प्रदर्शित किए जाने की योजना है।

फिल्म साइड हीरोज में कामेडी का तड़का लगाएगी अपारशक्ति, वरुण और अभिषेक की तिकड़ी। टीम फिल्म

अपनी जन्मतिथि पर सुनील ने कहा, दोस्तों को संभालकर रखें

दोस्ती का जश्न मनाने वाला यह दिन अभिनेता और कामेडियन सुनील ग्रोवर के लिए बेहद खास है। इन दिनों नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में काम कर रहे सुनील का तीन अगस्त को जन्मदिन होता है। इस दिन उन्हें अपने दोस्तों के मैसेज की प्रतीक्षा तो रहती ही है, साथ ही इस बार सुनील खुद को खास तोहफा भी देना चाह रहे हैं। वह कहते हैं कि सोच रहा हूं खुद को इस बार कार गिफ्ट करूं। जन्मदिन पर लोगों का प्यार तो मिलता है लेकिन खुद को भी कुछ देना चाहिए। स्वास्थ्य को प्राथमिकता भी देता हूं। इन दिनों व्यायाम भी कर रहा हूं तो अच्छा लग रहा है। आज काम भी कर रहा हूं। इस दिन अगर मेरे पास काम होता है तो मुझे अच्छा लगता है। मुझे तो लगता है कि साल में दो-तीन बार जन्मदिन आना चाहिए। बचपन में तो मैंने एक बार गुलाब जामुन से बना केक काटा था, उसकी फोटो भी है। मेरे भाई के जन्मदिन पर तो उसने एक बार गाजर का हलवा काटा था। इस दिन दोस्ती का भी दिन है तो और भी खास हो जाता है। दोस्ती अनमोल रिश्ता होता है। मुझे लगता है कि दोस्त आपको तनाव मुक्त रखने की दवा हैं। उनसे बातें करने से ही मन हल्का हो जाता है। कुछ दिन पहले मेरा दोस्त आया था। हम दोनों तीन दिन के लिए घूमने गए थे, कालेज की बातें की, इकट्ठे समय बिताया। दोस्तों को संजोकर, संभालकर रखना चाहिए।

खुद को तोहफा देना चाहते हैं सुनील। इंस्टाग्राम (@whosunilgrover)

घर से दूर जाने पर ऐश्वर्या को समझ आया दोस्ती का महत्व

जीवन में कुछ चीजों का महत्व समझ में आने में समय लगता है। ये हैं चाहतें तथा भाग्य लक्ष्मी धारावाहिकों की अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे के लिए दोस्ती कुछ ऐसी ही चीज है। जिसकी समझ उन्हें अपने भोपाल स्थित घर से दूर मुंबई आने पर हुई। फ्रेंडशिप डे के मौके पर ऐश्वर्या बताती हैं, 'पहले मेरे लिए दोस्ती इतनी जरूरी नहीं होती थी क्योंकि बचपन में परिवार के बीच हमें दोस्ती की अहमियत इतनी पता नहीं होती है। तब मेरी दोनों बहनें ही इतनी करीब रही हैं कि मुझे दोस्तों की जरूरत ही नहीं पड़ी। अपने परिवार से दूर मुंबई आने के बाद मुझे अहसास हुआ कि जीवन में दोस्त कितने महत्वपूर्ण होते हैं। मेरी एक दोस्त है आकांक्षा। वो एक प्रोडक्शन हाउस में क्रिएटिव टीम में काम करती है। मैं उसे दिन हो या रात किसी भी समय फोन कर सकती हूं। बीच में मेरी तबीयत बहुत खराब रहने लगी थी और मेरे घरवाले यहां नहीं थे। मुझे किसी से मदद लेने की ज्यादा आदत नहीं है। मुझे याद है कि उस समय आकांक्षा मेरा जरूरत से भी ज्यादा ध्यान रखती थी। मुझे अपने हाथों से खाना खिलाती थी। उस समय मुझे अहसास हुआ कि सच्ची दोस्ती क्या होती है?' ऐश्वर्या इन दिनों रियलिटी शो छोरियां चली गांव की शूटिंग में व्यस्त हैं।

रियलिटी शो में काम कर रही हैं ऐश्वर्या। इंस्टाग्राम (@aishwarya_khare)

****